- सैन्यकर्मियों को इंस्टाग्राम के इस्तेमाल की अनुमित, पोस्ट टिप्पणी की मनाही - 12

- इस साल सेंसेक्स ने दिया 9 प्रतिशत रिटर्न स्मॉलकैप के निवेशकों को नुकसान - 12

- यूनुस सरकार पर हादी की हत्या कराने के आरोप से गरमाई बांग्लादेश की सियासत - 13

- भारत की नजरें श्रीलंका के खिलाफ तीसरा टी-20 और शृंखला जीतने पर - 14

आज का मौसम

16.0° अधिकतम तापमान

09.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.04

सूर्यास्त 05.21

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

हल्द्वानी

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष षष्ठी 01:43 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 26 दिसंबर 2025, वर्ष 5, अंक 306, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

कांग्रेस, सपा ने हमें बदनाम किया, हमने नहीं किया भेदभाव

लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल के लोकार्पण के बाद कांग्रेस-सपा पर बरसे प्रधानमंत्री मोदी

पूर्व पीएम वाजपेयी, श्यामा प्रसाद मुखर्जी व पं. दीन दयाल की प्रतिमाओं का किया अनावरण

कहा- सेकुलरिज्म की बातें करने वाले देख लें बिना भेदभाव योजनाओं का दिया जा रहा लाभ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के मौके पर लखनऊ में हरदोई रोड पर गोमती नदी के तट पर राष्ट्र प्रेरणा स्थल को देश को समर्पित किया। इसके अलावा उन्होंने पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण कर पुष्पांजलि अर्पित की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र प्रेरणा स्थल का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस जमीन पर यह प्रेरणा स्थल बना है, उसकी तीस एकड़ से ज्यादा जमीन पर कचरे का पहाड़ था और पिछले तीन वर्ष में इसे पूरी तरह खत्म किया गया। मोदी ने इससे जुड़े योजनाकारों, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी सरकार को बधाई दी और कहा कि यह राष्ट्र प्रेरणा स्थल हमें संदेश देता है कि हमारा हर कदम राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित हो।

इस दौरान लाखों की भीड़ को संबोधित करते हुए उन्होंने विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। कहा, एक परिवार ने देश को बंधक बनाया था, भाजपा की सरकार ने उसे मुक्त कराया। कांग्रेस हो या सपा दोनों ने भाजपा को जमकर बदनाम किया। प्रधानमंत्री ने कहा, भाजपा ने हर किसी के योगदान को सम्मान दिया। आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा दिल्ली के कर्तव्य पथ है। अंडमान में नेताजी ने जहां पर तिरंगा फहराया, वहां उनकी प्रतिमा। कोई नहीं भूल सकता है कि आंबेडकर की विरासत को मिटाने का प्रयास किया गया। दिल्ली की शाही परिवार ने इसे मिटाने का प्रयास किया। यहां सपा ने भी ऐसा किया। लेकिन भाजपा ने इसे मिटने नहीं दिया। मोदी ने कहा, परिवारवाद की राजनीति की एक विशिष्ट पहचान होती है। असुरक्षा से घिरी होती है। इस कारण परिवारवाद दूसरे की लकीर को छोटा करने की प्रवृत्ति होती है। इसी सोच ने भारत में राजनीतिक छूआछूत का चलन शुरू किया। मोदी ने कहा, कांग्रेस से या सपा से कोई भी ऐसी उम्मीद नहीं कर सकता। इन लोगों के राज में तो भाजपा के नेताओं को सिर्फ अपमान ही मिलता था। भाजपा के डबल इंजन सरकार को बहुत लाभ यूपी को हो रहा है। उप्र. 21वीं सदी के भारत में अपनी अलग पहचान बना रहा है। मोदी के मुताबिक, पहले बैंक खाते कुछ लोगों के होते थे, वैसे ही बीमा भी कुछ लोगों तक सीमित था। हमने जीवन ज्योति योजना बनाई। आज इस स्कीम से 25 करोड़ से ज्यादा गरीब जुड़े हैं। इसी तरह दुर्घटना बीमा से 55 करोड़ लोग जुड़े हैं। ये वह लोग हैं जो बीमा के बारे में सोच नहीं पाते थे।

लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। साथ में हैं रक्षा मंत्री राजनाथ, मुख्यमंत्री योगी व अन्य।

महापुरुषों के सपनों को हमने किया चरितार्थ : योगी

पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी के जन्मदिवस पर राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं. दीन दयाल उपाध्याय और अटलजी की विरासत ने भारत को नई दृष्टि दी। आज उनके सपने साकार हैं जिसे देख हर भारतवासी प्रफुल्लित है। मुख्यमंत्री ने कहा, पिछले 11 वर्ष में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठकर सामान्य नागरिक के रूप में जीवनयापन कर रहे हैं। योगी के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर व विकसित भारत का जो वर्तमान स्वरूप देख रहे हैं, उसमें डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं. दीनदयाल उपाध्याय व अटल बिहारी वाजपेयी का मार्गदर्शन प्रेरणा के रूप में है।

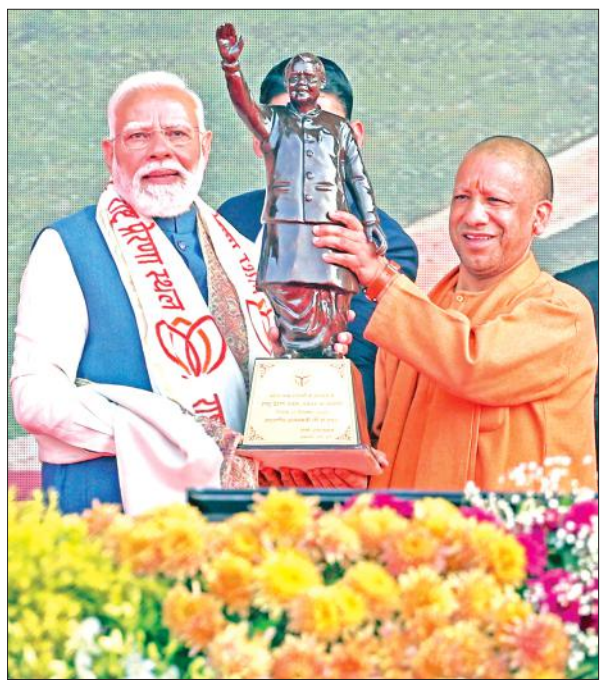

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्मृति चिह्न देते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

मोदी ने यूपी की जमकर की प्रशंसा

मोदी ने कहा कि, मेरा सौभाग्य है कि मैं यूपी से सांसद हूं। यहां के मेहनतकश लोग एक नया भविष्य लिख रहे हैं। आज इस राज्य की चर्चा विकास के लिए होती है। यूपी पर्यटन मानचित्र पर तेजी से उभर रहा है। अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर, काशी विश्वनाथ धाम, दुनिया में यूपी की नई पहचान बन रहा है। कहा, लखनऊ की धमक पूरे विश्व में है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता में ब्रह्मोस मिसाइल का बहुत बड़ा योगदान है। जो लखनऊ में बन रही हैं।

भारत नई बुलंदियां छू रहा : राजनाथ

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में शानदार प्रेरणा स्थल यूपी की राजधानी लखनऊ में स्थापित करने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बधाई दी। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत विकास की नई बुलंदियों की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। आजाद भारत के इतिहास में पहली बार महंगाई की दर एक फीसदी के नीचे गई है। पीएम मोदी के शासनकाल में 8 फीसदी से अधिक की विकास दर दिख रही है।

चार लाख किमी सड़कें पिछले 10 वर्षों में बनी

प्रधानमंत्री ने कहा कि सन 2000 के बाद से अब तक करीब आठ लाख किलोमीटर सड़कें गांवों में बनी हैं। इसमें से करीब चार लाख किमी सड़कें पिछले दस वर्षों में बनी हैं। पूरे देश में एक्सप्रेसवे बनाने का काम चल रहा है। यूपी में एक्सप्रेसवे बनाने में नाम कमा रहा है। एक के बाद एक एक्सप्रेसवे बन रहे हैं। अटल जी ने ही दिल्ली में मेट्रो की शुरूआत की। इस अवसर पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, राज्यसभा सांसद व पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा आदि मौजूद रहे।

गर्व है अनुच्छेद 370 समाप्त करने का अवसर मिला

लखनऊ। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भाजपा को गर्व है कि उसकी सरकार को, जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को समाप्त करने का अवसर मिला। पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी का स्मरण करते हुए कहा कि देश को दिशा देने में मुखर्जी ने निर्णायक भूमिका निभाई। ये डॉक्टर मुखर्जी ही थे जिन्होंने भारत में दो निशान, दो प्रधान और दो विधान को खारिज कर दिया था। जम्मू- कश्मीर में यह व्यवस्था भारत के लिए चुनौती थी, भाजपा को यह गर्व है कि हमारी सरकार को अनुच्छेद 370 को समाप्त करने का अवसर मिला। आज भारत का संविधान जम्मू कश्मीर में भी पूरी तरह लागू है।

ब्रीफ न्यूज

असली चाय के पौधे से बना पेय ही चाय

नई दिल्ली। एफएसएसएआई ने खाद्य व्यवसाय परिचालकों को कड़ी चेतावनी देते हुए है कि अगर कोई हर्बल या पौधा-आधारित पेय पदार्थ, असली चाय के पौधे कैमेलिया सिनेंसिस से नहीं बना है, तो उसे' चाय के रूप में नहीं बेचा जा सकता है। कहा कि इस तरह के उत्पादों को गलत ब्रांडिंग और ग्राहकों को गुमराह करने वाला माना जाएगा।

नवी मुंबई में उड़ानों का परिचालन शुरू

मुंबई। नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से गुरुवार को वाणिज्यिक उड़ानों का परिचालन शुरू हो गया। यहां इंडिगो की बेंगलुरु से आने वाली पहली उड़ान सुबह आठ बजे हवाई पट्टी पर उतरी। आगमन पर विमान को पारंपरिक वॉटर कैनन सैल्यूट दिया गया। यह विमानन क्षेत्र की एक पुरानी परंपरा है, जिसने एनएमआईए के पहले वाणिज्यिक आगमन और प्रस्थान का संकेत दिया।

देवभूमि का देवत्व हर हाल में बनाए रखेगी सरकार

- सीएम धामी ने नैनीताल को दी 121.52 करोड़ की सौगात
- मेट्रोपोल सर्फेस पार्किंग का भूमि पूजन भी किया

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उनकी सरकार देवभूमि के देवत्व को बनाए रखने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है और किसी भी हालत में प्रदेश की डेमोग्राफी को बदलने नहीं दिया जाएगा।

गुरुवार को नैनीताल पहुंचे मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि उनकी सरकार प्रदेश में जेहादी मानसिकता को किसी भी हालत में पनपने नहीं देगी, इसके लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि उनकी सरकार इसके खिलाफ कार्रवाई कर रही है लेकिन कुछ लोगों, खासकर कांग्रेस को इससे दिक्कत हो रही है। वह अपने वोट बैंक के लिए इसका विरोध कर रहे हैं। कुछ समय पहले तक पहाड़ी क्षेत्रों में एक खास समुदाय का कोई अस्तित्व नहीं था लेकिन आज सुनियोजित तरीके से भूमि को कब्जाया जा रहा है। उनकी सरकार इसे सफल नहीं होने देगी। कहा कि माहौल खराब करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कानून के तहत कठोर कार्रवाई की जा रही है। दंगा फैलाने वालों के प्रति किसी भी तरह की नरमी नहीं बरती जाएगी और कानून व्यवस्था से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

इससे पहले सीएम ने नैनीताल को 121.52 करोड़ की सौगात देते हुए 13 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें 30.66 करोड़ लागत की दो योजनाओं का लोकार्पण और 90.86 करोड़ की लागत की 11 योजनाओं का शिलान्यास किया। सीएम ने 42.77 करोड़ लागत से बनने वाली बहुप्रतीक्षित मेट्रोपोल सर्फेस पार्किंग का भूमि पूजन भी किया। मेट्रोपोल स्थित शत्रु संपत्ति पर करीब 600 गाड़ियों के लिए कार पार्किंग का निर्माण किया जाएगा जिससे आने वाले समय में नैनीताल में कार पार्किंग की समस्या का समाधान होगा। साथ ही मेट्रोपोल क्षेत्र का सौंदर्यीकरण और एलिवेटेड सड़क का निर्माण भी किया जाएगा।

पार्किंग का भूमि पूजन करते मुख्यमंत्री धामी।

नैनीताल पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण

मुख्यमंत्री ने मीडिया से वार्ता में कहा कि, नैनीताल शहर पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यहां देश-दुनिया से बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। उनको यहां पार्किंग समेत अन्य सुविधा न होने से दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। अब पार्किंग बनने से पर्यटकों को इसका फायदा मिलेगा। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से वन डिस्ट्रिक्ट-वन फेस्टिवल कार्यक्रम प्रदेश भर मे हो रहे है। उसी क्रम में विंटर कार्निवल शीतकालीन पर्यटन को बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता में है। प्रधानमंत्री के वन डिस्ट्रिक्ट-वन फेस्टिवल संकल्प से उत्तराखंड में 12 महीने पर्यटन कारोबार को मजबूत करेगा जिससे पर्यटन कारोबारी को इसका लाभ मिलेगा।

विभिन्न हवाई अड्डों से इंडिगो की 67 उड़ानें रद्द

मुंबई। घरेलू विमानन कंपनी इंडिगो ने गुरुवार को खराब मौसम के अनुमान और परिचालन कारणों से कई हवाई अड्डों पर 67 उड़ानें रद्द कर दीं। उसने अपनी वेबसाइट पर यह जानकारी दी।

कंपनी की वेबसाइट के अनुसार उन 67 उड़ानों में से केवल चार परिचालन कारणों से रद्द की गईं जबकि बाकी अगरतला, चंडीगढ़, देहरादून, वाराणसी, बेंगलुरु जैसे विभिन्न हवाई अड्डों पर खराब मौसम के पूर्वानुमान के कारण रद्द हुईं। डीजीसीए ने 10 दिसंबर एवं अगले वर्ष 10 फरवरी के बीच की अवधि को इस सर्दी में आधिकारिक कोहरे की अवधि घोषित किया है। डीजीसीए के कोहरे में संचालन मानदंडों के तहत, विमानन कंपनियों को अनिवार्य रूप से ऐसे पायलटों को तैनात करना होगा जो कम दृश्यता की स्थिति में उड़ान भरने के लिए प्रशिक्षित हों।

मुठभेड़ में एक करोड़ के इनामी समेत 6 नक्सली ढेर

- ओडिशा के कंधमाल में एसओजी, सीआरपीएफ और बीएसएफ टीमों का संयुक्त ऑपरेशन

भुवनेश्वर, एजेंसी

ओडिशा के कंधमाल जिले में सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में शीर्ष माओवादी गणेश उइके सहित छह नक्सली मारे गए। एसओजी, सीआरपीएफ और बीएसएफ टीमों ने संयुक्त रूप से इस ऑपरेशन को अंजाम दिया।

गृह मंत्री ने इसे एक बड़ी सफलता बताया, जबकि मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इसे नक्सल मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक उल्लेखनीय सफलता बताया। राज्य में नक्सल विरोधी अभियानों का नेतृत्व कर रहे एक वरिष्ठ अधिकारी संजीब पांडा ने बताया कि भाकपा (माओवादी) केंद्रीय समिति के सदस्य उइके ओडिशा में प्रतिबंधित संगठन का प्रमुख था और उस पर 1.1 करोड़ रुपये का इनाम था। बुधवार रात बेलघर थाना क्षेत्र के गुम्मा जंगल में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में छत्तीसगढ़ के दो माओवादी मारे गए।

उन्होंने बताया कि गुरुवार सुबह चकापाड थाना क्षेत्र के एक जंगल में फिर से मुठभेड़ हुई, जिसमें उइके समेत चार अन्य माओवादी मारे गए।

उनमें से एक की पहचान 69 वर्षीय गणेश उइके के रूप में हुई है। वह तेलंगाना के नलगोंडा जिले के चेंदूर मंडल के पुल्लेमाला गांव का निवासी था। अधिकारी ने बताया कि दो महिलाओं समेत अन्य तीन नक्सलियों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

मोटर पुल से मजबूत होंगे व्यापारिक रिश्ते

- नेपाल के राजदूत ने किया धारचूला में काली नदी पर निर्माणाधीन मोटर पुल का निरीक्षण

संवाददाता, पिथौरागढ़

अमृत विचार: भारत में नेपाल के राजदूत डॉ. शंकर प्रसाद शर्मा ने गुरुवार को धारचूला उपमंडल के छारछुम गांव में भारत-नेपाल सीमा पर काली नदी पर निर्माणाधीन मोटर पुल का भारतीय अधिकारियों के साथ स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने आशा जतायी कि शीघ्र ही इस पुल से वाणिज्यिक गतिविधियां प्रारंभ होंगी, जिससे भारत-नेपाल व्यापारिक व सामाजिक संबंधों को मजबूती मिलेगी।

डॉ. शर्मा ने कहा कि चम्पावत जनपद के बनबसा पुल के बाद यह उत्तराखंड में नेपाल को जोड़ने वाला दूसरा मोटर पुल है। सीमा पर स्थित इस महत्वपूर्ण दूसरे मोटर पुल की आधारशिला वर्ष 2022 में सीएम धामी द्वारा रखी गई थी। यह पुल सीमांत क्षेत्र के विकास, व्यापार विस्तार और अंतरराष्ट्रीय सहयोग का सशक्त माध्यम बनेगा। ईई, पीडब्ल्यूडी अरुण ने बताया, 110 मीटर स्पैन पुल पूरा हो चुका है, जिसकी चौड़ाई 10.50 मीटर एवं 7.5 मीटर कैरिज-वे है। हाइवे से पुल को जोड़ने वाली 150 मीटर लंबी संपर्क सड़क मार्च 2026 तक पूर्ण कर ली जाएगी, जबकि दूसरी ओर की संपर्क सड़क इस माह तैयार हो जाएगी।

भारत नेपाल मोटर पुल का निरीक्षण करते नेपाल और भारत के अधिकारी।

नेपाल दूतावास देगा पूरा सहयोग

भारतीय युवाओं से विवाह कर भारत आने वाली नेपाली महिलाओं को कई बार दस्तावेज़ संबंधी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इस विषय पर नेपाल दूतावास पूर्ण सहयोग की भूमिका निभाएगा। ऐसे मामलों में एसडीएम स्तर पर समन्वय स्थापित कर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

शोध में खुलासा | यहां तालाबों में भरा है अकूत पानी, जीवन की तलाश की दिशा में रहेगा सुर्खियों में

शनि के उपग्रह टाइटन पर जीवन की अधिक संभावनाएं

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : शनि ग्रह का उपग्रह चंद्रमा टाइटन भविष्य में जीवन की तलाश की दिशा में सुर्खियों में रहेगा। इस उपग्रह पर तालाबों में अकूत पानी भरा हुआ है जिस कारण इस ग्रह पर जीवन की तलाश को लेकर अधिक संभावनाएं नजर आ रही हैं। शोधकर्ता जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी के पोस्टडॉक्टरल रिसर्चर फ्लेवियो पेट्रिका का कहना है कि इस उपग्रह पर तरल जल की मौजूदगी ने वैज्ञानिकों को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए मजबूर किया है।

किसी दूसरे ग्रह पर जीवन की तलाश कई दशकों से अनवरत जारी हैं। इस दिशा में प्रमुखता उन ग्रहों को दी जाती है, जहां तरल जल हो क्योंकि पानी ही एक ऐसा घटक है, जो जीवन समेत वातावरण को मानव के

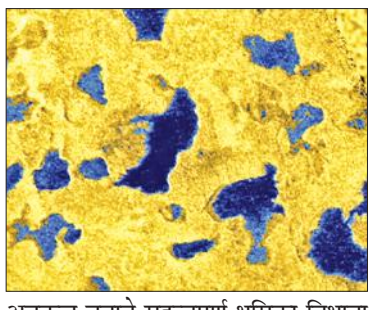

अनुकूल बनाने महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अमेरिकी संस्था जेपीएल के वैज्ञानिक फ्लेवियो पेट्रिका के अनुसार, टाइटन के अंदर तरल पानी की छोटी-छोटी तालाब जैसे पॉकेट्स मौजूद होनी चाहिए। जिनमें पानी का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस तक गर्म हो सकता है। तालाबों का पानी चंद्रमा के चट्टानी कोर यानी सतह से पोषक तत्वों (न्यूट्रिएंट्स) को ऊपर की ओर ले जाते हैं। टाइटन में भारी मात्रा में बर्फ मौजूद है और तालाबों का जल बर्फ की गाद की परतों से होकर गुजरता है।

टाइटन में जलसंचार की यह प्रक्रिया जीवन की संभावनाओं को अधिक बल देती है। इसका वायुमंडल घना है और इसकी सतह पर पृथ्वी की ही तरह तरल मीथेन है जिस कारण टाइटन हमारे सौर मंडल का असाधारण उपग्रह माना जा रहा है। पूर्व में वैज्ञानिकों को लगता था कि टाइटन के बर्फीले सतह के नीचे एक बड़ा तरल पानी का महासागर है, लेकिन नई रिसर्च ने टाइटन के प्रति नए सिरे से सोचने के लिए मजबूर कर दिया है। जनरल नेचर में यह शोध प्रकाशित हुआ है। टाइटन की खोज खबर में जुटे अंतरिक्ष यान कैसिनी मिशन से प्राप्त आंकड़ों के जरिए यह शोध किया गया है।

नासा अगला मिशन ड्रैगनफ्लाई लॉन्च करने की तैयारी में जुटा : डॉ. शशिभूषण

नैनीताल : आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के खगोल वैज्ञानिक डॉ. शशिभूषण पांडे कहते हैं कि शनि के उपग्रह टाइटन पर तरल जल की मौजूदगी से जीवन की संभावनाओं को बल मिलता है। टाइटन को लेकर दुनिया की अन्य स्पेस एजेंसियां भी शोधरत हैं। अब अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा कैसिनी के बाद अगला मिशन लॉन्च करने की तैयारी में जुट गया है। यह रोबोटिक मिशन होगा। जिसका नाम रोटरक्राफ्ट मिशन ड्रैगनफ्लाई है। वर्ष 2028 में इसे लॉन्च करने की तैयारी है।

अमृत विचार

हल्द्वानी , शुक्रवार,26 दिसंबर 2025

स्टेट ब्रीफ

पूर्व विधायक समेत दो पर मुकदमा दर्ज

हरिद्वार : अंकिता हत्याकांड को लेकर सोशल मीडिया के जरिए भाजपा नेता दुष्यंत गौतम की सामाजिक छवि खराब करने के आरोप में पूर्व विधायक सुरेश राठौर और उनकी पत्नी होने का दावा करने वाली महिला उर्मिला सनावर के खिलाफ शिरोमणि गुरु रविदास विश्व महापीठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र कुमार की तहरीर पर बहादराबाद थाने में केस दर्ज किया गया है। तहरीर में कहा गया कि, शिरोमणि गुरु रविदास विश्व महापीठ के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष और संत शिरोमणि गुरू रविदास अखाड़ा भारत के अध्यक्ष दुष्यंत गौतम के खिलाफ सोशल मीडिया पर राठौर और उर्मिला द्वारा उनकी सामाजिक छवि धूमिल करने की मंशा से भ्रामक तथ्यों के आधार पर झूठे बयान दिए जा रहे हैं। भाजपा से निष्कासित राठौर, रविदास महापीठ पर अपना वर्चस्व कायम करना चाहते हैं

38 लाख की ठगी में आरोपी गिरफ्तार

ऋषिकेश : कोतवाली रायवाला क्षेत्र में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जमीन का सौदा कर करीब 38 लाख रुपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने गुरुवार को आरोपी गिरफ्तार कर लिया है। प्रभारी निरीक्षक राजेंद्र सिंह खोलिया ने बताया कि 12 जून को प्रताप सिंह ने शिकायत में बताया गया कि दिनेश सिंह निवासी देहरादून ने धोखाधड़ी से रायवाला क्षेत्र में टिहरी विस्थापितों को आवंटित भूमि बेचने का सौदा किया और भूमि की रजिस्ट्री किए बिना 38 .25 लाख रुपये हड़प लिए। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी दिनेश सिंह को गिरफ्तार कर लिया है।

सीएम सौर स्वरोजगार योजना से आत्मनिर्भर बनते गांववासी

टिहरी : टिहरी गढ़वाल जिले के विकासखंड चंबा की ग्रामसभा पाटा निवासी कुलानंद चमोली ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि सरकारी योजनाएं स्पष्ट नीति और प्रभावी क्रियान्वयन के साथ लागू हों, तो पर्वतीय क्षेत्रों में भी बड़े स्तर का स्वरोजगार सफलतापूर्वक स्थापित किया जा सकता है। गुरुवार को जिला सूचना विभाग टिहरी ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना के अंतर्गत कुलानंद चमोली द्वारा 200 किलोवॉट क्षमता का सोलर पावर प्लांट स्थापित किया गया है। यह परियोजना न केवल स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा दे रही है, बल्कि स्थायी आय और आर्थिक आत्मनिर्भरता का सशक्त उदाहरण भी बनकर सामने आई है। बताया कि बी श्रेणी के पर्वतीय जिले से संबंधित कुलानंद चमोली को योजना के अंतर्गत 40 प्रतिशत तक पूंजीगत सब्सिडी तथा 4 लाख प्रतिवर्ष की ब्याज सब्सिडी, लगातार तीन वर्षों तक प्रदान की जा रही है।

अटल प्रेरणा और पीएम मोदी का नेतृत्व जन आकांक्षाओं पर खरा उतरना ध्येय

मुख्यमंत्री ने अटल स्मृति व्याख्यान माला को किया संबोधित, अटल प्रेक्षाग्रह का लोकार्पण किया

मुख्य संवाददाता, देहरादून

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि देते मुख्यमंत्री धामी।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रेरणा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में राज्य सरकार, जनता की आकांक्षाओं पर खरा उतरने के ध्येय के साथ निरंतर कार्य कर रही है।

गुरुवार को लेखक गांव थानो में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयन्ती के अवसर पर आयोजित अटल स्मृति व्याख्यान माला को मुख्यमंत्री ने संबोधित करने के साथ ही अटल प्रेक्षाग्रह का भी लोकार्पण किया। सीएम ने पूर्व पीएम वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि देवभूमि उत्तराखंड को राज्य का दर्जा देने वाले हमारे अटल जी ही थे। इस कार्यक्रम के माध्यम से उनके विचारों, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रनिष्ठ भावना को युवा पीढ़ी तक पहुंचाने का सार्थक प्रयास किया जा रहा है। उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्रभक्ति, लोकतांत्रिक मर्यादाओं और मानवीय मूल्यों का जीवंत प्रतीक रहा है।

सीएम ने कहा कि, अटल जी ने ओजस्वी कवि के रूप में अपने शब्दों से संवेदनाओं को स्वर दिया। उनके लिए सदैव गर्व का विषय रहेगा कि उन्हें अपने छात्र जीवन में एबीवीपी के कार्यकर्ता के रूप में लखनऊ में अटल जी का मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त हुआ था। देश के प्रधानमंत्री के रूप में अटल बिहारी वाजपेयी ने भारत को सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने का मार्ग प्रशस्त किया। राज्य सरकार ने गांवों से लेकर शहरों तक, किसानों से लेकर युवाओं तक, मातृशक्ति से लेकर श्रमशक्ति तक तथा व्यापारियों से लेकर कर्मचारियों तक समाज के प्रत्येक वर्ग और क्षेत्र के कल्याण के लिए अनेकों योजनाएं बनाई हैं और उन्हें प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारने का कार्य किया है।

सांसद खेल महोत्सव से चमकीं प्रतिभाएं

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को तिब्बती मार्केट स्थित ओल्ड मल्टीपरपज हॉल में सांसद खेल महोत्सव-2025 के समापन समारोह को संबोधित करने के साथ विभिन्न खेल स्पर्धाओं में विजेता टीम को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज वर्चुअल माध्यम से सांसद खेल महोत्सव के समापन अवसर पर खिलाड़ियों का मार्गदर्शन कर उनका उत्साह बढ़ाने का कार्य किया है। प्रधानमंत्री की प्रेरणा से प्रारंभ हुआ सांसद खेल महोत्सव आज केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि गांव-गांव से खेल प्रतिभाओं को पहचान देने का सशक्त माध्यम बन चुका है। इस महोत्सव ने प्रदेश के युवाओं को एक ऐसा मंच दिया है, जहां से वे जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बना रहे हैं। यह 'फिट इंडिया, स्पोर्ट्स इंडिया, स्ट्रॉन्ग इंडिया' के संदेश को धरातल पर उतारने का सशक्त उदाहरण है। इसके माध्यम से स्थानीय, पारंपरिक और लोक खेलों को पुनर्जीवित किया गया है और हर वर्ग के बच्चों को खेल के अवसर मिले हैं। खेल, युवाओं को नशे से दूर रखने और सकारात्मक दिशा देने का सबसे प्रभावी माध्यम हैं। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, लोकसभा सांसद माला राज्य लक्ष्मी शाह, दायित्वधारी विनोद उनियाल, विशेष प्रमुख सचिव खेल अमित सिन्हा, सीडीओ देहरादून अभिनव शाह एवं खिलाड़ी मौजूद रहे।

महिलाओं के प्रति अभद्रता पर रोक लगे: कंडवाल

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- उत्तराखंड महिला आयोग अध्यक्ष ने की डीजीपी से अपेक्षा

अमृत विचार: उत्तराखंड महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने सोशल मीडिया पर महिलाओं के प्रति बढ़ रही अभद्रता, आपत्तिजनक और अमर्यादित भाषा पर गहरी चिन्ता जताई है।

उन्होंने गुरुवार को पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ से फोन पर बात करके सोशल मीडिया पर महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक, अश्लील और भ्रामक सामग्री पर तत्काल संज्ञान लिए जाने की अपेक्षा की है। इसके अलावा उन्होंने ऐसी सामग्री के प्रसार में लिप्त व्यक्तियों के खिलाफ कठोर और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित किए जाने को भी कहा है। आयोग की अध्यक्ष का कहना है कि आज भारत की बेटियों का राजनीति, न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका सहित समाज के प्रत्येक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान रहा है। यह केवल महिलाएं सशक्तिकरण का प्रमाण नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की मजबूती का भी परिचायक है। महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से नीती निर्माण अधिक संवेदनशील, समावेशी और समाजोन्मुख बन रहा है। सभ्रांत, शिक्षित और संस्कारवान परिवारों के युवक युवतियों को राजनीति व सार्वजनिक जीवन में आगे आना चाहिए। राजनीति केवल सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण का दायित्व है। जब योग्य और नैतिक युवा राजनीति में प्रवेश करते हैं, तभी लोकतांत्रिक संस्थाएं सुदृढ़ होती हैं।

उन्होंने कहा कि आयोग के लिए यह गहरी चिंता का विषय है कि वर्तमान समय में सोशल मीडिया जैसे मंचों पर महिला हो या पुरुष अभद्र, आपत्तिजनक और मर्यादाहीन भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। विशेष रूप से महिलाओं के संदर्भ में की जाने वाली अशोभनीय टिप्पणियां न केवल उनकी गरिमा व अस्मिता को ठेस पहुंचाती हैं, बल्कि राजनीति और सार्वजनिक जीवन में उनकी सहभागिता को भी हतोत्साहित करती हैं।

हरदा का भाजपा कार्यालय कूच, नोकझोंक

- रील प्रकरण में भाजपा पर लगाया छवि धूमिल करने का आरोप
- पुलिस ने बैरिकेड लगाकर रोका, सड़क पर धरने पर बैठे कार्यकर्ता

संवाददाता, देहरादून

लाउडस्पीकर के जरिये अपनी बात रखते पूर्व सीएम हरीश रावत।

अमृत विचार: पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत (हरदा) ने गुरुवार को कांग्रेसी कार्यकर्ताओं के साथ देहरादून में बलबीर रोड स्थित भाजपा प्रदेश मुख्यालय कूच किया। उन्होंने इस दौरान भाजपा से मुस्लिम यूनिवर्सिटी बनाने, जुमे की नमाज की छुट्टी का गजट नोटिफिकेशन दिखाने और उनके पाकिस्तानी जासूस होने के प्रमाण मांगे।

हालांकि हरदा ने भाजपा मुख्यालय के लिए एकाकी मार्च निकालने का निर्णय लिया था, लेकिन उनके साथ कार्यकर्ता भी शामिल हुए। इस दौरान जैसे ही जुलूस नेहरू कॉलोनी के फव्वारा चौक से गुरु तेग बहादुर रोड पहुंचा, पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। इस बीच कार्यकर्ताओं की पुलिस के साथ जमकर नोकझोंक और धक्कामुक्की हुई। कांग्रेस कार्यकर्ता सड़क पर ही धरने पर बैठ गए और भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जमकर अपना आक्रोश जताया। इस दौरान पत्रकारों से बात करते हुए हरदा ने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा ने उनकी छवि को धूमिल करने के लिए एआई के सहारे उन्हें पाकिस्तानी जासूस बताया है, भाजपा ने छद्म तौर पर संचालित किये जा रहे सोशल मीडिया प्लेटफार्म में उन्हें राष्ट्रद्रोही बताया है, उसमें उन्हें गोली मारकर उनके प्रति नफरत आधारित हिंसा को प्रोत्साहित किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा कृत्रिम बुद्धिमता का दुरुपयोग कर उनकी इस प्रकार की छवि को प्रस्तुत कर रही है, जिससे राज्य का साम्प्रदायिक सौहार्द बिगड़े और उसका केंद्रीय बिंदु वह बनें।

पूर्व सीएम ने आगे आरोप लगाया कि, साल 2017 में भाजपा ने इसी प्रकार का दुष्प्रचार करते हुए जुमे की नमाज की छुट्टी का दुष्प्रचार किया था, जिसमें कहा गया था कि नमाज पढ़ने के लिए शुक्रवार को राज्य के सरकारी कार्यालयों में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है जबकि सब जानते हैं कि कोई भी सरकार किसी धर्म के त्योहार का अवकाश तो घोषित कर सकती है परंतु धर्म विशेष की प्रार्थना के लिए छुट्टी घोषित नहीं कर सकती है। उसके बावजूद भाजपा ने इस झूठ को फैलाया और अभी तक इस छुट्टी का गजट नोटिफिकेशन आज तक भाजपा नहीं दिखा पाई है।

लाउडस्पीकर से पूछे गए सवाल

पूर्व सीएम के काफी जोर देने के बाद पुलिस ने उन्हें बलबीर रोड तक जाने की अनुमति दी। बलबीर रोड पर हरदा ने लाउडस्पीकर के जरिए भाजपा मुख्यालय तक अपनी आवाज पहुंचाई और कई सवाल पूछे।

हरदा को कानून पर भरोसा तो कूच की नौटंकी क्यों : चौहान

संवाददाता, देहरादून

- भाजपा ने साधा पूर्व सीएम हरीश रावत पर निशाना
- भाजपा ने न तो वीडियो बनाया और न ही कोई प्रसारण किया

अमृत विचार: भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने कहा कि वायरल वीडियो को लेकर जिस तरह से पूर्व सीएम हरीश रावत ने भाजपा मुख्यालय कूच किया वह न केवल कानून पर अविश्वास है, बल्कि राजनीति से प्रेरित है।

चौहान ने कहा कि एक दिन पूर्व हरदा भाजपा के खिलाफ पुलिस को तहरीर देते हैं और कानून पर भरोसा जताते है, तो दूसरे दिन ही भाजपा मुख्यालय की ओर धमक जाते हैं। यह संयोग नही बल्कि पूरी तरह से सोची समझी रणनीति है। कहा कि कांग्रेस की मंशा को इसी से समझा जा सकता है कि खुद को पीड़ित बताकर हरदा प्रदर्शन को निकलते हैं तो उनके समर्थक एक एआई से जनरेट वीडियो के समर्थन मे नारेबाजी करते है। यह दोहरा पैमाना स्वीकार नही किया जा सकता कि अपने मामले मे कांग्रेस सड़क पर हो हल्ला कर रही है और भाजपा पर उसी प्रकृति के वीडियो को लेकर तमाम निशाने साध रही है।

प्रदेश मीडिया प्रभारी चौहान ने कहा कि पार्टी पहले ही साफ कर चुकी है कि पार्टी की ओर से न तो वीडियो बनाया गया और न ही उसका प्रसारण किया जा रहा है। जिस तरह के वीडियो कांग्रेस द्वारा भाजपा के खिलाफ प्रसारित किये जा रहे हैं तो उन्हे अपने पेज से हटाना होगा और भाजपा भी हटा देगी लेकिन जिस वीडियो की बात है कि अंकिता की हत्या न कोई दुर्घटना थी और न ही यह किसी एक व्यक्ति की मानसिक विकृति का मामला था। यह सत्ता-संरक्षित दरिंदगी का उदाहरण था, जहां उत्तराखंड की एक बेटी ने सत्ता की दरिंदगी के आगे झुकने से इंकार किया। अंकिता को अपनी अस्मिता का सौदा न करने की कीमत जान देकर चुकानी पड़ी।

पूर्व सीएम कर रहे है उसका भाजपा से कोई लेना देना नही।

उन्होंने कहा कि, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत इसलिए भाजपा पर हमलावर हैं, क्योकि उनकी तुष्टिकरण की नीति की राह मे वह भाजपा को रोड़ा समझती है। कहा कि भाजपा पुलिस में दर्ज शिकायत का वैधानिक रूप से जवाब देगी। भाजपा वैचारिक रूप से कांग्रेस की विरोधी है, लेकिन किसी को भी विरोध लोकतांत्रिक दायरे मे ही करना चाहिए।

अंकिता की हत्या सत्ता संरक्षित दरिंदगी का उदाहरण: आर्य

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने आरोप लगाया कि, जब सत्ता, पैसे और रसूख का अनैतिक गठजोड़ होता है, तब आम जनता की बेटियां कैसे सुरक्षित रहेंगी। आरोप लगाया कि, अंकिता हत्याकांड में भाजपा से जुड़े लोगों के माध्यम से जो नए तथ्य आए हैं उन्होंने देवभूमि के जनमानस को झकझोरकर रख दिया है।

नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि, हत्यारे और हत्याकांड के कारक सीधे तौर पर भाजपा व सरकार के ताकतवर लोगों से जुड़े थे इसलिए अंकिता के परिवार, कांग्रेस और उत्तराखंड की जनता की पुरजोर मांग पर भी अंकिता हत्याकांड की सीबीआई जांच नहीं हुई। नए तथ्यों से साफ हो गया है कि अंकिता की हत्या न कोई दुर्घटना थी और न ही यह किसी एक व्यक्ति की मानसिक विकृति का मामला था। यह सत्ता-संरक्षित दरिंदगी का उदाहरण था, जहां उत्तराखंड की एक बेटी ने सत्ता की दरिंदगी के आगे झुकने से इंकार किया। अंकिता को अपनी अस्मिता का सौदा न करने की कीमत जान देकर चुकानी पड़ी।

आरोप: घटनाओं में भाजपा नेता संलिप्त

हल्द्वानी : यशपाल आर्य ने आरोप लगाया कि, भाजपा सरकार के राज में

नैनीताल में वीभत्स कृत्य हुआ। लालकुआं में मासूम बच्ची से दुष्कर्म हुआ। किच्छा में चार साल की नाबालिग बच्ची की दुष्कर्म के बाद हत्या हुई। उत्तरकाशी में नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म हुआ। बागेश्वर व थराली में नाबालिग से दुष्कर्म का प्रयास किया गया। देहरादून स्थित राष्ट्रीय दृष्टि बाधिता संस्थान में दृष्टिविहीन छात्राओं से छेड़-छाड़ की घटना हुई। हेमा नेगी, पिंकी हत्याकांड, चंपावत में नाबालिग से दुष्कर्म और मंगलौर में सामूहिक दुष्कर्म हुआ। श्रीनगर में युवती से दुष्कर्म का प्रयास हुआ, द्वाराहाट में नाबालिग दलित युवती से दुष्कर्म हुआ, देहरादून में महिला को बंधक बनाकर दुष्कर्म किया गया, बहादराबाद में 13 साल की मासूम के साथ सामूहिक दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या हुई। अधिकांश घटनाओं में भाजपा नेता संलिप्त पाए गए।

भाजपा ने दी अटल जयंती पर श्रद्धांजलि

देहरादून: भाजपा ने भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को उनकी 101वीं जयंती पर पूरे राज्य में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से याद किया। पार्टी मुख्यालय से लेकर विधानसभा स्तर पर कार्यकर्ताओं ने उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शिविर कार्यालय में पूर्व पीएम वाजपेयी के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए नमन किया।

कहा कि अटल जी कुशल प्रशासक, ओजस्वी वक्ता तथा दूरदृष्टा नेता थे, जिन्होंने राष्ट्र निर्माण को नई दिशा प्रदान की। प्रदेशाध्यक्ष, सांसद महेंद्र भट्ट ने अटल जी के व्यक्तित्व को नमन करते हुए उन्हें चमत्कारिक बताया। कहा कि राष्ट्र के लिए उनके अनूठे कर्तव्य, गरीब कल्याण के सतत प्रयास और अद्वितीय संगठन सहयोग सदैव प्रेरणा देता रहेगा।

गोलीकांड में दो बदमाश गिरफ्तार

- गैंगस्टर विनय त्यागी पर बरसायी थीं गोलियां, काशीपुर के हैं दोनों

संवाददाता, हरिद्वार

अमृत विचार: गैंगस्टर विनय त्यागी को बुधवार को रुड़की से लक्सर पेशी पर जाते समय ताबड़तोड़ गोलियां बरसाने के मामले का हरिद्वार पुलिस ने 24 घंटे में खुलासा करते हुए ऊधमसिंह नगर जिले के काशीपुर निवासी दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

एसएसपी हरिद्वार प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने गुरुवार को बताया कि, इस सनसनीखेज गोलीकांड के मामले में मुख्य अभियुक्त सन्नी यादव उर्फ शेरा पुत्र कमल सिंह (28) निवासी गुलजारपुर, कोतवाली काशीपुर, ऊधमसिंह नगर और अजय (24) पुत्र कुंवर सैन निवासी खरमासा कॉलोनी, कोतवाली काशीपुर, ऊधमसिंह नगर को थाना खानपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सिकंदरपुर के जंगल में बिजनौर हाइवे के पास से गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तार दोनों आरोपी पूर्व में काशीपुर में हुई डकैती के मामले में जेल जा चुके हैं। एसएसपी ने बताया कि, प्रथम दृष्टया जांच में आरोपी सन्नी एवं विनय त्यागी के बीच पैसों का लेनदेन का विवाद चल रहा था। पैसे मांगने पर विनय त्यागी लगातार सन्नी यादव को जान से मरवाने की धमकी दे रहा था। जिस पर सन्नी काफी समय से विनय त्यागी की रेकी कर रहा था। उसे जानकारी मिली कि विनय त्यागी रुड़की जेल में बंद है और 24 दिसंबर को लक्सर न्यायालय में पेशी पर लाया जाएगा। इसी जानकारी के आधार पर सन्नी ने अपने साथी अजय के साथ मिलकर बदले की नीयत से घटना को अंजाम दिया था। दोनों आरोपियों से तमंचे और कारतूस बरामद हुए हैं।

एक्शन: एसआई व दो सिपाही संस्पेड

हरिद्वार : गैंगस्टर विनय त्यागी को पुलिस अभिरक्षा में पेशी के दौरान हथियारबंद बदमाशों द्वारा गोली मारने के मामले में एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने सख्त रुख अपनाते हुए लापरवाही के दृष्टिगत प्रारंभिक जांच में दोषी पाए जाने पर एक उपनिरीक्षक एवं दो कांस्टेबल को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। घटनाक्रम के संबंध में एसपी देहात को जांच के आदेश दिए गए हैं।

खानपुर विधानसभा ने जीती ट्रॉफी

हरिद्वार: हरिद्वार में सांसद खेल महोत्सव 2025 के अंतर्गत जनपद स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का समापन गुरुवार को रोशनाबाद खेल स्टेडियम में संपन्न हुआ। समापन समारोह में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीमों को प्रशस्ति पत्र और पदक देकर सम्मानित किया गया। सर्वाधिक अंक अर्जित करने पर सांसद खेल महोत्सव की ट्रॉफी विधानसभा खानपुर ने हासिल की। समापन समारोह में हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत, राज्यसभा सांसद कल्पना सैनी मौजूद रहे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वर्चुअल माध्यम से संबोधन प्रसारित किया गया, जिसमें उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। सांसद रावत ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव एक आयोजन नहीं, बल्कि गांव-गांव से खेल प्रतिभाओं को पहचान देने का सशक्त मंच बन चुका है।

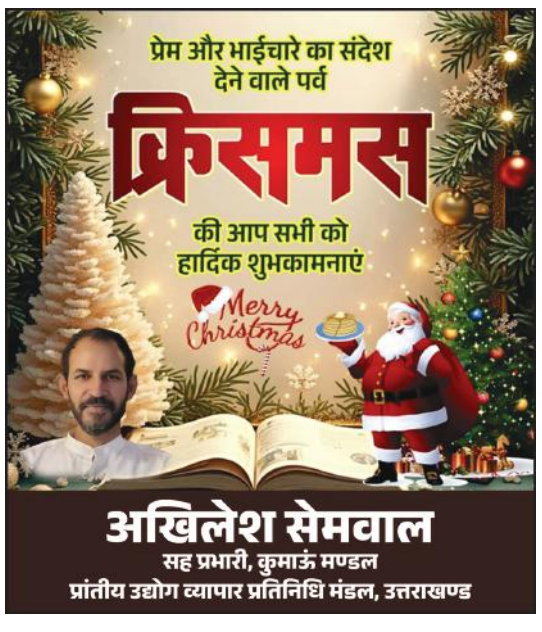

मांगलिक आयोजनों पर शराब बंद उल्लंघन पर होगा 21 हजार जुर्माना

संवाददाता, देहरादून

- टिहरी गढ़वाल की प्रतापनगर तहसील के खेत गांव में फैसला

अमृत विचार: टिहरी गढ़वाल की प्रतापनगर तहसील के खेत गांव पंचायत भवन में गुरुवार को ग्राम प्रधान जय सिंह मिश्रवाण की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में गांव के सर्वांगीण विकास और सामाजिक सुधार से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि अब गांव में किसी भी मांगलिक एवं शुभ कार्य-जैसे चूड़ा-कर्म, विवाह अथवा अन्य सामाजिक आयोजनों में शराब का पूर्ण रूप से निषेध रहेगा। ग्राम सभा ने स्पष्ट किया कि नियम का उल्लंघन करने पर संबंधित व्यक्ति से 21,000 रुपये का जुर्माना वसूला जाएगा।

ग्रामीणों का कहना है कि इस फैसले से नशाखोरी पर अंकुश लगेगा और गांव का सामाजिक वातावरण अधिक स्वस्थ, सुरक्षित व अनुशासित बनेगा।

महिला मंगल दल और युवा मंगल दल ने निर्णय का स्वागत करते हुए इसे गांव के लिए ऐतिहासिक कदम बताया। बैठक में कमल सिंह राणा, जबर सिंह रावत, रंजन प्रसाद भट्ट, सुरेंद्र सिंह सजवाण सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिला मंगल दल व युवा मंगल दल की सदस्याएं उपस्थित रहीं। सभी ने एक स्वर में इस नियम का पालन करने की शपथ ली।

सोशल मीडिया पर मेरे खिलाफ प्रसारित सामग्री हटवाएं: गौतम

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं उत्तराखंड में पार्टी मामलों के प्रभारी दुष्यंत कुमार गौतम ने अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर मीडिया और सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ प्रसारित कथित सामग्री को हटाने का आग्रह किया है।

गौतम ने राज्य सरकार से सोशल मीडिया मंचों और समाचार चैनलों को आवश्यक निर्देश देने की अपील की है। उत्तराखंड के गृह सचिव शैलेश बगौली को लिखे एक पत्र में गौतम ने कहा, 'मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि इसमें शामिल सोशल मीडिया मंचों, समाचार चैनलों को ऐसी सामग्री हटाने के निर्देश दें तथा इस तरह की सामग्री को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से प्रसारित करने से रोकें।' गौतम ने सोशल मीडिया और समाचार चैनलों की एक सूची भी प्रस्तुत की है जिनमें 'उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल करने और नुकसान पहुंचाने' के उद्देश्य से 'झूठे और दुर्भावनापूर्ण' आरोप लगाए गए हैं। भाजपा महासचिव ने पत्र में कहा, 'मैं एक सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्ता हूं जिसकी पूरे देश में आम जनता के बीच लंबे समय से अच्छी प्रतिष्ठा है। हाल में मेरी जानकारी में आया है कि एक आपराधिक साजिश के तहत कुछ निर्लज्ज आपराधिक तत्वों ने एक फर्जी और मनगढ़ंत ऑडियो रिकॉर्डिंग तैयार की है और उसे आगे बढ़ाने के लिए वे मीडिया और सोशल मीडिया पर इस तरह की घृणित, दुर्भावनापूर्ण और झूठी सामग्री प्रसारित कर रहे हैं।'

शीतकालीन पर्यटन को जन आंदोलन बनाएं: मुख्यमंत्री धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नैनीताल में विंटर कार्निवाल में किया आह्वान, कहा-शीतकालीन पर्यटन आत्मनिर्भर उत्तराखंड की मजबूत नींव

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को पर्यटन नगरी नैनीताल में आयोजित विंटर कार्निवाल में प्रतिभाग किया। उन्होंने शीतकालीन पर्यटन को जन आंदोलन बनाने और उत्तराखंड को समृद्ध एवं आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग का आह्वान करते हुए कहा कि शीतकालीन पर्यटन आत्मनिर्भर उत्तराखंड की मजबूत नींव है। नैनीताल कार्निवाल उत्तराखंड की आस्था, संस्कृति, परंपरा और स्वाभिमान का उत्सव होने के साथ-साथ ''विकास भी-विरासत भी'' की सोच को साकार करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शीतकालीन यात्रा के आह्वान से राज्य के सभी पर्यटन क्षेत्रों में शीतकालीन पर्यटन को लेकर अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिल रहा है। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। युवा ट्रेकिंग गाइड, होम-स्टे, होटल एवं पर्यटन से जुड़े अन्य कार्यों के माध्यम से आत्मनिर्भर बन रहे हैं और इन क्षेत्रों में पलायन में कमी आई है। कहा कि शीतकालीन पर्यटन से लोक कलाकारों, हस्तशिल्प, पारंपरिक व्यंजनों और स्थानीय उत्पादों को नया बाजार मिलेगा। कहा कि सरकार विकास के साथ-साथ सांस्कृतिक मूल्यों, कानून व्यवस्था और पारदर्शिता को भी सशक्त बना रही है। यूसीसी, नकल विरोधी कानून, सख्त भू-कानून और भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति से उत्तराखंड देश के अग्रणी राज्यों में अपनी पहचान बना रहा है।

कहा कि नैनीताल विंटर कार्निवाल से क्षेत्र में बढ़ते पर्यटन विकास को और अधिक गति मिलेगी। यह शीतकालीन कार्निवाल कई मायनों में विशेष है क्योंकि आज हम जहां एक ओर नैनीताल में इस भव्य विंटर कार्निवाल के लिए एकत्रित हुए हैं। वहीं, नैनीताल के समग्र विकास के लिए सैंकड़ों करोड़ रुपये की परियोजनाओं को भी जनता को समर्पित किया है।

आज का यह दिन इसलिए भी अत्यंत विशेष है क्योंकि आज हमारे पृथक राज्य निर्माण के स्वप्न को साकार करने वाले भारतीय राजनीति के अजातशत्रु पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म जयंती भी है। इस अवसर पर समस्त प्रदेश वासियों की ओर से अटल जी को कोटि कोटि नमन करते हुए उन्हें भावांजलि अर्पित करता हूं।

सात साल बाद विंटर कार्निवाल

सीएम ने कहा कि यह सुखद है कि नैनीताल की पावन भूमि पर सात वर्षों के लंबे अंतराल के बाद शीतकालीन कार्निवल का आयोजन इतने भव्य रूप में किया जा रहा है। इस शीतकालीन कार्निवल के माध्यम से जहां एक ओर यहां आने वाले लोगों को हमारी समृद्ध संस्कृति, परम्पराओं और प्राकृतिक सुंदरता को नजदीक से अनुभव करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। वहीं, पर्यटक हमारी लोक संस्कृति, कारीगरी और पारंपरिक स्वाद से भी परिचित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों से अपील की, कि जिस प्रकार पूर्व में नवरात्रों के अवसर पर नैनीताल में शरदोत्सव तथा ओटम फेस्टिवल का आयोजन किया जाता था। हमें ऐसे आयोजनों को पुनः शुरू करना चाहिए, ताकि क्षेत्र में सांस्कृतिक गतिविधियों और पर्यटन को बढ़ावा मिल सके।

नैनीताल विंटर कार्निवाल में गुरुवार को प्रस्तुति देते कलाकार। ● अमृत विचार

नैनीताल विंटर कार्निवाल में गुरुवार को स्मृति चिन्ह के साथ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी। ● अमृत विचार

विकास से मजबूत होगा नैनीताल का आधारभूत ढांचा

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यह सभी विकास कार्य जनपद नैनीताल के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने, पर्यटन सुविधाओं को बढ़ाने, जनोपयोगी विकास कार्यों को रफ्तार देने तथा रोजगार के नए अवसर सृजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

गुरुवार को नैनीताल में 13 विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास अवसर पर उन्होंने कहा कि, सरकार राज्य में निरंतर आधारभूत जनसुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ करने, अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान करने हेतु निरंतर संकल्पबद्ध है। उत्तराखंड सरकार राज्य के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है ताकि आम जनता को इसका सीधा लाभ मिल सके। आज जिन योजनाओं का शिलान्यास हुआ है, यह सभी कार्य समयबद्धता एवं गुणवत्ता युक्त हों, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। लोकार्पण योजनाओं में 29.16 करोड़ से सूखाताल झील को रिचार्जिंग जोन एवं टूरिस्ट डेस्टिनेशन प्वाइंट के रूप में विकसित किया गया जिसके अंतर्गत सूखाताल झील का संवर्धन एवं सौंदर्यीकरण का कार्य कराया गया। स्थल पर दो झीलों का निर्माण व उनके मध्य डक्ट का निर्माण, झील में पानी की शुद्धता हेतु एयरेशन प्लांट की स्थापना, 9 दुकानों का निर्माण, शौचालय ब्लॉक का निर्माण व विकसित स्थल पर प्रवेश हेतु मुख्य मार्ग से लगते हुए लिफ्ट एवं ट्रांजिट भवन का निर्माण एवं झील के चारों तरफ पैदल पथ का निर्माण कराया गया।

इसके अलावा 1.50 करोड़ की लागत से हल्द्वानी में जिला खनिज न्यास योजना अंतर्गत स्वीकृत कालाढूंगी रोड स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज हल्द्वानी में पुस्तकालय के संरचनात्मक दृढ़ता एवं पुनरुद्धार का कार्य कराया गया। इनके अलावा, नैनीताल जिले के विभिन्न क्षेत्रों के विकास के लिए 11 योजनाओं का शिलान्यास भी किया गया है।

इस अवसर पर विधायक सरिता आर्या, पालिकाध्यक्ष सरस्वती खेतवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, दायित्वधारी डॉ. अनिल कपूर डब्बू, दिनेश आर्या, नवीन वर्मा, मंडी परिषद के सलाहकार सदस्य मनोज जोशी, आयुक्त कुमाऊं व सचिव मुख्यमंत्री दीपक रावत, जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. मंजूनाथ टीसी सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि आदि मौजूद रहे।

नैनीताल में विकास योजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास करते सीएम धामी, साथ में विधायक सरिता आर्या। ● अमृत विचार

सिटी ब्रीफ

अभद्रता पर पत्रकारों का फूटा गुस्सा

नैनीताल : विंटर कार्निवाल के दौरान पुलिस व प्रशासन की ओर से लगातार पत्रकारों से अभद्रता के चलते गुरुवार को पत्रकारों का गुस्सा फूट गया। सीएम के मंच में आने से पूर्व पत्रकारों को इधर-उधर हटाने को लेकर पत्रकार आक्रोशित हो गए। पत्रकारों का कहना है कि पुलिस, प्रशासन व आयोजक संस्था की ओर से पत्रकारों के साथ पहले दिन से ही अभद्रता की जा रही है। पहले पत्रकारों को कवरेज के लिए अंदर नहीं घुसने दिया। अंदर पत्रकारों के लिए न बैठने न ही खड़े होने की व्यवस्था की गई। वहीं एक स्थान पर खड़े हुए पत्रकारों को पुलिस इधर-उधर खदेड़ती रही। गुरुवार को सीएम के आने से पहले जब पुलिस पत्रकारों को हटने के लिए बोली तो पत्रकारों ने विरोध जताया। विरोध जताने के दौरान पुलिस और पत्रकारों में धक्का मुक्की भी हो गई। गुस्साए पत्रकार मंच के सामने धरने पर बैठे तो अधिकारियों की सांस फूल गई। इस दौरान देर तक मंच के समीप हंगामा होता रहा। अधिकारियों के माफी मांगने पर एक घंटे बाद पत्रकार शांत हुए।

राजस्व गांव के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने का ऐलान

लालकुआं : सरकार द्वारा बिंदुखत्ता को राजस्व गांव घोषित करने का निर्णय विलोपित किए जाने के बाद क्षेत्र में मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। भाकपा (माले) ने भाजपा सरकार पर वनाधिकार अधिनियम के नाम पर जनता के साथ छल करने का आरोप लगाया है, वहीं कांग्रेस ने बिंदुखत्ता को राजस्व गांव का दर्जा दिलाने के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने का ऐलान किया है।आरटीआई के तहत हुए खुलासे के बाद राजस्व गांव की घोषणा विलोपित होने और पत्रावली जिलाधिकारी को वापस भेजे जाने की सूचना से क्षेत्र में भाजपा सरकार की आलोचना तेज हो गई है। भाकपा (माले) नेता कैलाश पांडे ने कहा कि पहले भाजपा ने जनता को राजस्व गांव का सपना दिखाया, अब उसे तोड़ दिया। इसके खिलाफ संघर्ष ही एकमात्र रास्ता है। उधर कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष पुष्कर सिंह दानू ने निर्णय की निंदा करते हुए कहा कि भाजपा का असली चेहरा सामने आ गया है। कांग्रेस उत्तरायणी के बाद संयुक्त बैठक कर आगे की रणनीति तय करेगी।

छह जनपदों में भीषण शीत दिवस के आसार

संवाददाता, हल्द्वानी

- मैदानी इलाकों में रहेगा घना कोहरा, पहाड़ों में निकलेगी धूप

अमृत विचार: मौसम विज्ञान केंद्र ने नैनीताल जिला समेत राज्य के छह जिलों में भीषण शीत दिवस रहने का अनुमान जताया है। इन जिलों के मैदानी इलाकों में अधिकतम तापमान 10 से 12 डिग्री तक रहेगा।

जारी किए गए बुलेटिन के अनुसार राज्य के नैनीताल, हरिद्वार, ऊधमसिंह नगर, चंपावत, देहरादून और पौड़ी जिलों के मैदानी इलाकों में कुछ स्थानों पर शीत दिवस रहेगा तो कुछ स्थानों पर भीषण शीत दिवस रहने की संभावना है। शुक्रवार को इन जिलों में मैदानी इलाकों में सुबह से ही घना कोहरा छा सकता है। कोल्ड-डे के दौरान लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग खासतौर से अपना ध्यान रखें।

हल्द्वानी में धूप निकलने से मिली राहत

शहर में सुबह से ही धूप रही और अपरान्ह तक धूप का असर बना रहा। दोपहर के समय लोगों ने चटक धूप का आनंद लिया। अधिकतम तामपान 20 .2 डिग्री और न्यूनतम तापमान 7 .2 डिग्री रहा। मुक्तेश्वर में दिन के समय अच्छी धूप निकली। अधिकतम तापमान 19 .6 डिग्री रहा जो सामान्य से छह डिग्री ज्यादा है। और न्यूनतम तापमान 4 .7 डिग्री दर्ज किया गया है।

इसके अलावा शीतलहर भी चल सकती है। मैदानी इलाकों में बारिश का अनुमान नहीं है। 3500 फिट से ज्यादा ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी होने की संभावना है।

बीमारी से तंग महिला ने लगाई फांसी, मौत

हल्द्वानी : पुलिस के अनुसार, सोमेश्वर अल्मोड़ा निवासी राजन सिंह बिष्ट अपनी 49 वर्षीय पत्नी मंजू और 22 साल की बेटी के साथ हिम्मतपुर मल्ला में किराए पर रहते हैं। बीते बुधवार को राजन किसी काम के सिलसिले में अल्मोड़ा गए थे। घर पर मंजू और बेटी थी। कुछ देर बाद बेटी भी कॉलेज चली गई। जब बेटी घर आई तो उसने मां को खिड़की की ग्रिल से लटका पाया। उसने इसकी सूचना पड़ोसी को दी। जिसके बाद उसने पिता को फोन किया। आनन-फानन में मंजू को फंदे से उतार कर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इधर, सुसाइड की सूचना पाकर राजन भी आनन-फानन में शहर पहुंचे। पुलिस ने गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द किया। राजन ने पुलिस को बताया कि मंजू अपनी बीमारी से परेशान थी।

पीलीभीत का ट्रक चालक था यूएस नगर में ट्रेन से कटने वाला अधेड़

- मंगलवार को मोतीनगर और हल्दूचौड़ के बीच हुई घटना
- मृतक के पास मिले मोबाइल नंबर से एक बाद हुई शिनाख्त

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : ट्रेन की चपेट में आने से पीलीभीत में रहने वाले ट्रक चालक की मौत हो गई। उसके पास से मिले मोबाइल नंबर से चालक की एक दिन बाद शिनाख्त हो सकी। गुरुवार को पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द किया।

बसंतपुर नोनियर पूरनपुर पीलीभीत निवासी मेजर सिंह (45 वर्ष) पुत्र कुंदन सिंह बीती 23 दिसंबर की रात हल्दूचौड़ और मोतीनगर के बीच ट्रेन की चपेट में आ गया। आरपीएफ ने इसकी सूचना स्थानीय पुलिस के साथ ही एंबुलेंस 108 को दी। उसे तत्काल डॉ. सुशीला तिवारी चिकित्सालय ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शिनाख्त न होने पर उसका शव मोर्चरी में रखा गया था। इस बीच पुलिस ने उसके पास मिले मोबाइल फोन पर मिले नंबर पर संपर्क किया तो उसकी शिनाख्त हुई। परिजन बृहस्पतिवार को मोर्चरी पहुंचे। उन्होंने बताया कि वह कुछ दिन पहले ही यहां पहुंचा था।

लकड़ी काटने पेड़ पर चढ़ा युवक सिर के बल गिरा

हल्द्वानी, अमृत विचार : अलाव और चूल्हे के लिए जंगल लकड़ी काटने गया युवक हादसे का शिकार हो गया। युवक पेड़ पर चढ़ कर लकड़ी काट रहा था और तभी उसका पैर फिसल गया। युवक सिर के बल जमीन गिरा और बुरी तरह लहूलुहान हो गया। उसे उपचार के लिए हल्द्वानी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। उसकी मौत से परिवार में कोहराम मचा है। भीमताल के सूर्या गांव निवासी कैलाश चंद्र आर्य (39 वर्ष) पेशे से किसान था और यहां परिवार के साथ रहता था। परिजनों का कहना है कि गुरुवार की सुबह कैलाश जंगल से चूल्हे और अलाव के लिए लकड़ी लेने गए थे। वह एक पेड़ पर चढ़ कर लकड़ी काट रहे थे, तभी उनका पैर फिसल गया और वह बेहद ऊंचाई से जमीन पर आ गिरे। वह सिर के बल गिरे और उन्हें गंभीर चोट आई। बुरी अवस्था में उन्हें उपचार के लिए हल्द्वानी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी मौत हो गई। चिकित्सकों का कहना है कि अत्यधिक रक्तस्राव होने की वजह से मौत हुई है। इधर, सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया।

ऐपण प्रतियोगिता में निहारिका ने मारी बाजी

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: लेक सिटी वेलफेयर क्लब, नैनीताल द्वारा विंटर कार्निवाल के अंतर्गत पारंपरिक लोककला को बढ़ावा देने के लिए ऐपण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 75 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पर्यटन अधिकारी अतुल भंडारी ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमारी लोक संस्कृति को संरक्षित रखने के लिए इस प्रकार के आयोजन अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि ऐपण जैसी पारंपरिक विधाओं को नवीन कला एवं आधुनिक दृष्टिकोण से जोड़ते हुए आगे बढ़ाया जाना चाहिए, ताकि नई पीढ़ी भी इससे जुड़ सके।

प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार निहारिका साह, द्वितीय पुरस्कार रीता पोखरिया, तृतीय पुरस्कार अंकिता रौतेला व सांत्वना पुरस्कार सुमन पंत एवं अनुष्का को दिया गया। इसके अतिरिक्त 45 प्रतिभागियों को प्रतिभागी पुरस्कार प्रदान किए गए, जिनमें नीमा जोशी, मंजू पांडे, अंजलि, आशा बिष्ट, ममता भाकुनी सहित अन्य प्रतिभागी शामिल रहे। प्रतियोगिता में लक्ष्मी चौकी, धुलिअर्घ की चौकी, जनेव चौकी एवं नवदुर्गा चौकी विषयों को रखा गया। निर्णायक की भूमिका ज्योति शाह एवं जानकी साह ने निभाई। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष आभा साह, सचिव सरिता त्रिपाठी सहित रमा भट्ट, खष्टी बिष्ट, रानी साह, विनीता पाण्डेय, दीपा पांडे, हेमा भट्ट, जीवन्ति भट्ट, गीता साह, प्रेमा अधिकारी, नीरु साह, रमा लोहनी, सविता कुलारा, दया कुंवर, दीपिका विनवाल रहे।

आंकड़ा

हल्द्वानी वन डिवीजन में नंधौर वन्यजीव अभ्यारण्य समेत पक्षी गणना हुई पूरी

सेंट्रल नेपाल के ब्लैक बाजा ने नंधौर में बनाया अपना घर

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : हल्द्वानी वन डिवीजन में पक्षी गणना पूरी हो गई है। इसमें सेंट्रल नेपाल में पाए जाने वाला ब्लैक बाजा पक्षी पहली बार उत्तराखंड में नंधौर वन्यजीव अभ्यारण्य में दिखाई दिया है। इसी के साथ ही रेड हेडेड प्रोगॉन भी दिखाई दी है, यह प्रजाति उत्तराखंड में सिर्फ नंधौर के जंगलों में ही मिलती है।

वन अधिकारियों के अनुसार, हल्द्वानी वन डिवीजन में हल्द्वानी से ऊधम सिंह नगर, चम्पावत और नेपाल बॉर्डर तक के जंगलों में पक्षी गणना पूरी हो गई। 19 से 22 दिसंबर तक इस चार दिवसीय गणना में वन टीमों के साथ ही नेचर गाइड, पक्षी प्रेमी और वॉलंटियर्स भी शामिल रहे। साल, मिश्रित पर्णपाती जंगलों, आर्द्रभूमि, घास के मैदानों और नदी किनारों में पक्षी गणना में पॉइंट काउंट और लाइन ट्रांजेक्ट जैसी मानक वैज्ञानिक तकनीकों का उपयोग किया गया था। इस वर्ष गणना में पक्षियों की प्रजाति में विविधता व वृद्धि दर्ज हुई है। पिछली बार वर्ष 2023 में पक्षियों की 168 प्रजाति मिली थी जबकि इस बार 215 प्रजातियां मिली हैं, जोकि पिछली गणना की अपेक्षा 47 ज्यादा है। इस वृद्धि में सर्दियों, ऊंचाई वाले प्रवासी, शिकारी पक्षी, जंगल पर निर्भर पक्षी और आर्द्रभूमि में पाई जाने वाली प्रजातियों में वृद्धि हुई है।

पक्षी गणना में मिलीं ये दुर्लभ प्रजातियां: इंटरनेशनल यूनियन कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) में पंजीकृत दुर्लभ, प्रजातियां भी मिली हैं जिनमें व्हाइट रम्पड वल्चर, स्टेपी ईगल, पैलास फिश ईगल, हिमालयन ग्रिफॉन वल्चर, ट हॉर्नबिल, ग्रेट स्लेटी वुडपेकर, सिनेरियस वल्चर, रूफस-बेल्ड ईगल,सिल्वर-ईयर मेसिया, कॉमन मर्गेंसर और कॉलर्ड फाल्कनेट शामिल हैं।

215 प्रजातियां हुई रिकॉर्ड, वर्ष 2023 में हुई गणना की अपेक्षा कृत 47 प्रजातियों में वृद्धि

सेंट्रल नेपाल में मिलता है ब्लैक बाजा

हल्द्वानी : डीएफओ कुंदन ने बताया कि ब्लैक बाजा नेपाल के सेंट्रल पार्ट में मिलता है, लेकिन इस वर्ष पहली बार यह पक्षी नंधौर वन्यजीव अभ्यारण्य की नंधौर रेंज में दिखाई दिया है। यह सीधे तौर पर संकेत है कि पक्षियों के लिए मुफीद वास स्थल है। उत्तराखंड में यह पक्षी पहली बार देखा गया है। इससे पूर्व यह पश्चिम बंगाल, उत्तरी पूर्वी राज्यों में देखा गया है। इसी तरह रेड हेडेड प्रोगॉन का भी लगातार दूसरी बार नंधौर में दिखना जैव विविधता के लिए बेहतरीन संकेत है।

पक्षियों को व्यापक रूप से पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य का बायो-इंडिकेटर माना जाता है, पक्षी गणना-2025 के निष्कर्ष बताते हैं कि नंधौर वन्यजीव अभ्यारण्य में पक्षियों के लिए आवास संरक्षण और प्रबंधन के प्रयास सकारात्मक पारिस्थितिक परिणाम दे रहे हैं। -**कुंदन कुमार**, डीएफओ हल्द्वानी वन डिवीजन

रंबा मिली न हाथ आया जनकराज

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : हल्द्वानी, नेपाली अपराधियों के निशाने पर है और इसकी सबसे बड़ी वजह है हल्द्वानी और नेपाल सीमा के बीच की दूरी, जिसे ढाई घंटे में तय किया जा सकता है। यही वजह है हल्द्वानी, नेपाली अपराधियों के मुफीद बनता जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय सीमा लांघ जाने के बाद स्थानीय पुलिस के लिए इन अपराधियों को पकड़ना लगभग नामुमकिन हो जाता है। नेपाल के अपराधी पिछले एक साल में दो बड़ी वारदातों को अंजाम दे चुके हैं और इन दोनों ही मामलों में पुलिस के हाथ खाली हैं।

दोनों मामलों में खास बात यह है कि दोनों घटनाएं नेपाली अपराधियों ने मुखानी थाना क्षेत्र में अंजाम दी। पिछले साल नवंबर को घटना भी सुर्खियों में थी। जब ऑनलाइन आवेदन कर एक एजेंसी से शहर के प्रतिष्ठित कारोबारी दीपक अग्रवाल ने नौकरानी मंगाई। मुखानी चौराहे के पास रहने वाले दीपक अग्रवाल घटना के दिन अपनी पत्नी के साथ घर में थे। जबकि बेटा-बहू हनीमून के लिए देश से बाहर गए थे। इस नेपाली नौकरानी रंबा ने नशीला जूस पिलाकर कारोबारी दंपति को बेहोश कर दिया और गैंग के साथ नेपाल फरार हो गई। पुलिस ने अपने सोर्सेस के बूते गैंग को नेपाल तक तलाशा, लेकिन रंबा हाथ नहीं आई।

अब ताजी वारदात मुखानी में ही राधिका ज्वैलर्स में हुई। इस घटना का मुख्य आरोपी भी नेपाली है, जिसने राधिका ज्वैलर्स के बगल में खाली दुकान किराए पर ली और दुकान मालिक को अपना नाम जनकराज जोशी बताया। 19 दिसंबर को यह वारदात हुई और पुलिस को इसका पता 21 दिसंबर की सुबह लगा और तब तक आरोपी भारत की सीमा लांघ कर नेपाल पहुंच चुके थे। दरअसल, सड़क मार्ग से भारत-नेपाल सीमा तक पहुंचने में लगभग ढाई से तीन घंटे लगते हैं। चूंकि अपराधी नेपाली मूल के होते हैं और ऐसे में उन्हें अंतरराष्ट्रीय सीमा से भाग निकलने के सारे रास्ते पता होते हैं।

एसपी सिटी मनोज कत्याल का कहना है कि हमारी टीमें लगातार काम कर रही हैं। हमारे पर कई अहम सुराग हैं और जल्द ही आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया जाएगा।

मुश्किल से पकड़ा था प्रेम, पुलिस चौकी से भाग गया

हल्द्वानी : रंबा को पकड़ने की उम्मीद एक बार तब जगी थी, जब घटना के कुछ समय बाद पुलिस ने प्रेम नाम का एक व्यक्ति को हिरासत में लिया। प्रेम नेपाल मूल का था और नशीला जूस पिलाने वाली रंबा का राजदार था। लंबे प्रयासों के बाद प्रेम पुलिस के हाथ आया था। पूछताछ के लिए पुलिस ने उसे आरटीओ पुलिस चौकी में रखा था। हालांकि पुलिस उससे कुछ उगलवा पाती, वह पुलिस चौकी से फरार हो गया। उसने बहाना बनाया कि उसे लघु शंका के लिए जाना है और मित्र पुलिस ने उसे बिना निगरानी के जाने दिया। जिसके बाद वह लौट कर ही नहीं आया।

अमृत विचार

हल्द्वानी , शुक्रवार,26 दिसंबर 2025

नैनीताल

क्रिसमस पर गिरजाघरों में हुईं प्रार्थना सभाएं, उत्साह छाया

सेंटा क्लॉज ड्रेस में बच्चों ने मन मोहा, हल्द्वानी के मैथोडिस्ट चर्च में पास्टर राजीव मैसी और पास्टर आशुतोष दानी ने प्रभु यीशु के प्रेम और बलिदान का संदेश दिया

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः क्रिसमस के अवसर पर शहर और आसपास के गिरजाघरों में गुरुवार को श्रद्धा और उत्साह का नजारा देखने को मिला। सेंट्रल मैथोडिस्ट चर्च और कैथोलिक चर्च में दिनभर प्रार्थनाएं, क्रिसमस कैरोल और विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए।

नैनीताल रोड स्थित मैथोडिस्ट चर्च में पास्टर राजीव मैसी और पास्टर आशुतोष दानी ने प्रभु यीशु के प्रेम और बलिदान का संदेश देते हुए प्रेम और सेवा के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। चर्च में देर रात तक विभिन्न धर्मों के लोग प्रार्थना और कैंडल जलाने पहुंचे। संडे स्कूल के अधीक्षक चंद्रेश थॉमस सहित कई लोग उपस्थित रहे। सेंट थेरेसा कैथोलिक चर्च, काठगोदाम में सुबह 10 बजे विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। फादर राजेश ने प्रेम, खुशी और विश्व बंधुत्व का संदेश देते हुए उपस्थित लोगों को बधाई दीं। क्रिसमस पर चर्च को सजाया गया था। साथ ही बच्चों ने सेंटा क्लॉज की ड्रेस पहनकर क्रिसमस उत्साह बढ़ाया। इस दौरान कार्यक्रम में सैकड़ों लोग शामिल हुए।

नैनीताल रोड स्थित मैथोडिस्ट चर्च में क्रिसमस के अवसर पर गुरुवार को प्रार्थना करते बच्चे। ● अमृत विचार

मैथोडिस्ट चर्च में क्रिसमस के अवसर पर प्रार्थना करते फादर।

सेंटा की ड्रेस में सांविका अग्रवाल, छात्रा, दीक्षांत इंटरनेशनल स्कूल, हल्द्वानी।

मैथोडिस्ट चर्च में क्रिसमस के अवसर पर कैंडल जलाकर प्रार्थना करतीं महिला श्रद्धालु। ● अमृत विचार

ज्योलीकोट में संत एंथोनी चर्च में धूमधाम से मनाया गया क्रिसमस

हल्द्वानी, अमृत विचार : क्रिसमस का त्योहार संत एंथोनी चर्च में हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। बुधवार देर रात और गुरुवार सुबह आयोजित विशेष प्रार्थना सभा में फादर नेल्सन ने प्रभु यीशु के जन्म को मानवता की रक्षा के लिए परमपिता की दिव्य योजना बताया। उन्होंने अपने संदेश में आपसी प्रेम, भाईचारा और समाज में व्याप्त असमानता को समाप्त करने के लिए अपने संपूर्ण जीवन को समर्पित करने की प्रेरणा दी। चर्च में बड़ी संख्या में उपस्थित ईसाई समुदाय ने कैरल गाकर खुशियों का इजहार किया और एक-दूसरे को बधाई दी। दिन भर चर्च में लोगों का लगातार आवागमन रहा। इस मौके पर सिस्टर मैरी, शोभा, लौरा, प्रताप सिंह, माया, अजित रेफियल, विमला, स्टीफन, विनोद, राजू, अनिल, जेम्स, सुमित, इमल्डा, कविता, रेजिना, कल्पना पॉल, चार्ल्स, विजय सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

सिटी ब्रीफ

पूर्व पीएम वाजपेयी की जयंती पर फल बांटे

रामनगर : पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने लखनपुर शहीद पार्क में उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर अटल जी के जीवन, राजनीतिक सफर और देश के लिए किए गए योगदान पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई तथा उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर व्याख्यान आयोजित हुआ। वक्ताओं ने उन्हें दूरदर्शी राजनेता, प्रखर वक्ता और संवेदनशील कवि बताया। इसके बाद भाजपा कार्यकर्ता रामदत्त संयुक्त चिकित्सालय पहुंचे, जहां भर्ती मरीजों को फल वितरित कर उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। कार्यक्रम में विधायक दीवान सिंह बिष्ट रहे।

पूर्व पीएम वाजपेयी की जीवन पर प्रदर्शनी लगाई

भीमताल : नगर पालिका परिषद भीमताल में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर अटल जी की जीवन यात्रा की प्रदर्शनी लगाई गई। कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक भीमताल राम सिंह कैड़ा ने किया। इस मौके पर सह संयोजक जिला मंत्री मनोज भट्ट, बीना आर्या, कमल जोशी, पंकज जोशी, रवि कुमार, दिनेश सांगुड़ी, रिहान खान, पंकज उप्रेती आदि मौजूद थे।

रामनगर में हर्षोल्लास से मना क्रिसमस पर्व

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: क्रिसमस का पर्व ईसाई समुदाय के द्वारा हर्षोल्लास से मनाया गया। नगर के एक होटल में आयोजित क्रिसमस कार्यक्रम में प्रभु यीशु मसीह को याद किया गया। उनसे विश्व की सुख व शांति के लिए दुआ की गई। कार्यक्रम में प्रभु यीशु के जीवन से जुड़े विभिन्न संस्करणों पर अधारित नाटक व गीत प्रस्तुत किये गये। इस मौके पर कार्यक्रम के आयोजक पेंटी कोस्टल चर्च से जुड़े पास्टर मुकेश भंडारी, पास्टर राजेश मसीह, पास्टर करन, मुख्य अतिथि राज्य महिला आयोग की पूर्व उपाध्यक्ष अमिता लोहनी, विशिष्ट अतिथि डॉ. ज़फर सैफी, हिना बख्श, डॉ. हर्षपाल, हरविंदर सिंह, कैलाश सैनी, कृपाल चौधरी, अमित चौधरी, वीरबाला चौधरी, एडवोकेट प्रियंका चौधरी, दयावती, अजय मसीह सहित बड़ी संख्या में ईसाई समुदाय के लोग मौजूद रहे।

क्रिसमस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते स्कूली बच्चे। ● अमृत विचार

उधर ग्रोइंग बड्स स्कूल में भी क्रिसमस पर कार्यक्रम किया गया। बच्चों द्वारा प्रस्तुत सुंदर सांस्कृतिक एवं नृत्य प्रस्तुतियां और बच्चों ने रचनात्मक कार्यक्रमों ने मन मोह लिया। स्कूल प्रबन्धक नेहा सिंघल, प्रिंसिपल आरती रावत सहित स्कूल स्टाफ व अभिभावक मौजूद रहे। उधर नारी शक्ति एवं बाल विकास जन जागृति समिति ने दिव्यांग बच्चों के साथ क्रिसमस का त्योहार मनाया। कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांग बच्चों के बीच खुशी बांटना, उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना और आपसी प्रेम, भाईचारे और सद्भाव का संदेश देना था। समिति की अध्यक्ष शबाना सैफी ने क्रिसमस पर्व के महत्व पर प्रकाश डाला।

क्रिसमस पर अंतर्राष्ट्रीय सौहार्द का संदेश

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, भीमताल कैंपस में अंतर्राष्ट्रीय सौहार्द और सांस्कृतिक एकता के संदेश के साथ क्रिसमस का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर कैंपस में अध्ययनरत 30 से अधिक विदेशी छात्रों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम में नाइजीरिया, केन्या, साउथ सूडान, युगांडा, इथियोपिया, इस्वातिनी, लाइबेरिया, जिम्बाब्वे सहित विभिन्न देशों से आए छात्रों ने भाग लिया, जिससे यह आयोजन बहुसांस्कृतिक एकता का जीवंत उदाहरण बन गया। छात्रों ने समूह एवं व्यक्तिगत प्रस्तुतियों के माध्यम से अपने-अपने देशों की परंपराओं, रीति-रिवाजों और क्रिसमस से जुड़ी सांस्कृतिक विशेषताओं को साझा किया। इस अवसर पर सभी अंतरराष्ट्रीय छात्रों को विशेष रूप से तैयार किए गए क्रिसमस उपहार वितरित किए गए। साथ ही, विभिन्न गतिविधियों और खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के उपरांत आयोजित क्रिसमस लंच के दौरान छात्रों एवं विश्वविद्यालय के शिक्षकों तथा कर्मचारियों को आपसी संवाद और सौहार्द बढ़ाने का अवसर मिला। विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो. (कर्नल) अनिल कुमार नायर ने कहा कि प्रारंभिक वर्षों में यह आयोजन सीमित संख्या में छात्रों के साथ शुरू हुआ था, जो आज एक बड़े और जीवंत स्वरूप में परिवर्तित हो चुका है। उन्होंने ग्राफिक एरा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) कमल घनशाला के समावेशी दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय प्रत्येक छात्र को समान महत्व देता है और उनके शैक्षणिक एवं व्यक्तिगत विकास के लिए हर संभव सहयोग प्रदान करेगा।

ग्राफिक एरा विश्व विद्यालय में क्रिसमस का उल्लासपूर्ण आयोजन ● अमृत विचार

नशे में धुत पुलिसकर्मी ने कार से तीन मजदूरों को कुचला, दो गंभीर

संवाददाता, नैनीताल

- पुलिस ने ड्रिंक एंड ड्राइव में कार्रवाई कर पुलिसकर्मी को हिरासत में लिया, पुलिस ने कार को किया सीज

अमृत विचार: शराब के नशे में पुलिस कर्मी ने कार से राह चलते तीन मजदूरों को कुचल दिया। जिसमें से दो मजूदरों की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें रेफर कर दिया है। पुलिस ने कार चला रहे पुलिस कर्मी के खिलाफ ड्रिंक एंड ड्राइव में कार्रवाई करते हुए हिरासत में ले लिया है।

जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह लगभग सवा नौ बजे के दौरान तल्लीताल से मजदूर कलेक्ट्रेट की ओर को जा रहे थे। इस दौरान डांठ से कलेक्ट्रेट को जाती कार संख्या यूके 04 एएम 0069 के चालक ने मजदूरों को पीछे से टक्कर मारकर कुचल दिया। कार की टक्कर से तीन मजदूर सड़क से नीचे जा गिरे। जिसमें से दो मजदूर बिहारी लाल व मोहन राम गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं तीसरे मजदूर राजू को भी हल्की चोटें आई हैं। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। राहगीरों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। प्रत्यक्षदर्शियों के कहना है कि चालक पुलिस कर्मी है, जो शराब के नशे में कार चला रहा था। जिसने तेज गति में कार दीवार पर टकराई और उसके बाद मजदूरों पर चढ़ा दी। लोगों का यह भी कहना है कि नशे में कार चालक भवाली रोड रोडवेज स्टेशन पर भी लाइनमैन चंदन बिष्ट के पैर में कार का टायर चढ़ाकर भागा था। पुलिस व राहगीरों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जहां घायलों के परिजनों का जमावड़ा लग गया। इसी दौरान पुलिस चालक को पकड़ कर मेडिकल के लिए अस्पताल ले आई। मेडिकल में चालक के नशे में होने की पुष्टी हुई। इस दौरान घायलों के परिजनों ने जमकर हंगामा काटा। डॉ. प्रशांत ओली ने बताया कि बिहारी लाल की कूल्हे की हड्डी व मोहन राम की रीड़ की हड्डी में चोट आई है। उपचार के बाद दोनों को हायर सेंटर रैफर कर दिया है। इस दौरान एसपी, सीओ, कोतवाल व एसओ समेत पुलिस फोर्स अस्पताल में तैनात रही।

एसपी यातायात व अपराध डॉ. जगदीश चन्द्र ने बताया कि शराब पीकर वाहन चलाने और लोगों को घायल करने पर कांस्टेबल राकेश बोरा के खिलाफ ड्रिंक एंड ड्राइव में कार्रवाई कर वाहन सीज कर हिरासत में लिया है। बताया कि पीड़ित की ओर से शिकायत मिलने पर अग्रिम कार्रवाई भी की जाएगी।

वाद्ययंत्र प्रतियोगिता में गायत्री प्रथम पायदान पर

संवाददाता, रामनगर

- विभिन्न राज्यों के दो सौ से अधिक बच्चे हुए थे शामिल
- अखिल भारतीय वाद्य यंत्र प्रतियोगिता का आयोजन

अमृत विचार: अखिल भारतीय वाद्य यंत्र प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में रामनगर की गायत्री रिखाड़ी ने पहला स्थान प्राप्त कर रामनगर और उत्तराखंड का नाम रोशन किया है। बता दें कि श्री हरिबल्लभ संगीत सम्मेलन जालन्धर पंजाब में 150 वर्षों से चली आ रही प्रतियोगिता में अखिल भारतीय स्तर पर पुणे,अमृतसर, लुधियाना, दिल्ली, लखनऊ, हल्द्वानी, कलकत्ता, बनारस आदि जगहों से आये लगभग 200 बच्चों ने अपना हुनर दिखाया। प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में नॉन परकेशन (वाद्य यंत्र) में गायत्री रिखाड़ी ने बांसुरी बजाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

गायत्री ने बांसुरी की प्रारंभिक शिक्षा अपने पिता विनीत रिखाड़ी से प्राप्त की और वर्तमान में गायत्री रिखाडी बांसुरी की शिक्षा स्वर संगम विद्यालय हल्द्वानी और दिल्ली में देश के जाने माने बांसुरीवादक प. राजेन्द्र प्रसन्ना से ले रही हैं।

गायत्री रामनगर के ही सेंट जॉन की 8वी की छात्रा हैं। इससे पहले वह लखनऊ में आयोजित क्लासिकल वॉयस ऑफ इंडिया बांसुरी में तृतीय स्थान और बहेला फॉउंडेशन कलकत्ता में वाद्य यंत्र प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त कर चुकी हैं। गायत्री रिखाड़ी का लक्ष्य संगीत और बाँसुरी में देश में बेहतर प्रदर्शन करते हुए उत्तराखंड का नाम रोशन करना है।

वार्षिकोत्सव में छात्रों ने पेश किए संस्कृति व देशभक्ति के कार्यक्रम

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: चकलुवा स्थित कस्तूरी मॉर्डन स्कूल में आयोजित वार्षिकोत्सव में छात्रों ने देश की चारों दिशाओं की संस्कृति, धर्म व देश प्रेम की रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर देश की अखंडता का संदेश दिया। बुधवार को कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि महापौर गजराज सिंह बिष्ट व प्रबंधक सौरभ मित्तल ने दीप प्रज्जवलित कर किया। मुख्य अतिथि महापौर गजराज बिष्ट ने कहा छात्रों की विभिन्न राज्यों की संस्कृति के रंगारंग कार्यक्रम से हमारी देश की संस्कृति की एकता व अखंडता का परिचय है। छात्रों ने कुमाउंनी, मलयालम, नेपाली, तमिलनाडू, गुजराती व पंजाबी सहित देश के विभिन्न राज्यों धर्म संस्कृति व देशभक्ति गीतों पर एक से बढ़कर एक रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर दर्शकों की वाहवाही लूटी। छात्रों ने पेड़, जल व दहेज प्रथा के बारे में जागरूक भी किया। मेधावी छात्रों को इस दौरान मुख्य अतिथि व विशिष्ठ अतिथियों द्वारा सम्मानित भी किया गया। इस दौरान प्रधानाचार्या आंचल अग्रवाल, रश्मि अग्रवाल मौजूद रहे। वहीं पीएमश्री राबाइका में आयोजित वार्षिकोत्सव में का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर पालिधकाध्यक्षा रेखा कत्यूरा व विशिष्ठ अतिथि जिपंस अनीता आर्या ने किया। छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। पूर्व प्रधानाचार्या बंसती अधिकारी, देवेन्द्र बिष्ट, राकेश भंडारी, प्रधानाचार्या उमा आर्या, हेमा पुरोहित, हीरा मर्तोलिया, शोभा रानी, नीलम कफल्टिया, देवकी रौतेला व ममता हर्बोला रहे।

वार्षिक उत्सव में रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं छात्राएं। ● अमृत विचार

गुरुद्वारा श्री गुरुनानक पुरा में साहिबजादों की शौर्य गाथा सुनाते बाल वक्ता।

लख्ते जिगर 4 साहिबजादों की शौर्य गाथाएं सुनाई

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: गुरुद्वारा श्री गुरुनानक पुरा में गुरुवार को विशेष दीवान सजाया गया, जिसमें श्री गुरु गोबिंद सिंह साहिब के चार पुत्रों (चार साहिबजादों) के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। उनकी शौर्य गाथा का वर्णन किया गया और उनकी शहीदी दिवस पर यह कार्यक्रम आयोजित हुआ।

इस अवसर पर चार साहिबजादों के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डालने के साथ ही उनकी शौर्य गाथा का वर्णन किया गया। शहीदी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में संगत ने इस महत्वपूर्ण अवसर पर चारों साहिबजादों के जीवन से प्रेरणा ली। चारों साहिबजादों के जीवन और उनकी शौर्य गाथा को याद किया और उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान हरलीन कौर, बिंद्रा गुरलीन कौर, सतविंदर कौर, जसबीर कौर, बलजीत कौर, मुख्य सेवादार हरजीत सिंह सच्चर, जसपाल सिंह कोहली, तरणप्रीत सेठी अमरजीत आनंद आदि मौजूद रहे।

अंकिता को न्याय की मांग को लेकर कांग्रेसियों ने फूंका भाजपा का पुतला

संवाददाता, लालकुआं

अमृत विचार: अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने की मांग को लेकर आज लालकुआं, बिंदुखत्ता व हल्दूचौड़ क्षेत्र में कांग्रेसियों ने जोरदार प्रदर्शन किया।

इस दौरान भाजपा सरकार का पुतला दहन किया गया और कहा गया कि जब तक अंकिता भंडारी के परिवार को न्याय नहीं मिलता, तब तक यह लड़ाई जारी रहेगी। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की तथा पुतला दहन किया।

प्रदर्शनकारियों के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आरोप था कि अंकिता हत्याकांड में कथित तौर पर भाजपा के बड़े चेहरों का नाम आना बेहद गंभीर और विचलित करने वाला विषय है,

लालकुआं में गुरुवार को विरोध प्रदर्शन करते कांग्रेस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

जो यह दर्शाता है कि सत्ता के रसूखदार लोग इस जघन्य अपराध में शामिल दोषियों को बचाने के लिए ढाल बने हुए हैं। कांग्रेस ने मांग की कि आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी कर मामले की निष्पक्ष सीबीआई जांच कराई जाए, ताकि सभी दोषी चेहरे बेनकाब हो सकें।

प्रदर्शन में युवा नेता हेमवती नंदन दुर्गापाल, भुवन पांडेय, पुष्कर दानू, हेमंत पांडे, कमल दानू, मोहन कुड़ाई, रविशंकर तिवारी, कमलेश यादव, प्रदीप बथ्याल, मीना कपिल, बीना जोशी, विजय सामंत, कुंदन सिंह मेहता, शाहिद अहमद, गोविंद दानू, खीमा नंद दुम्का सहित दर्जनों कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राष्ट्रीय कबड्डी टीम में लक्ष्मी का चयन

लालकुआं: वरिष्ठ कांग्रेस नेता कुंदन सिंह मेहता की पोती लक्ष्मी मेहता का राष्ट्रीय जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता में चयन हुआ हैं।विदित हो कि पश्चिम बंगाल में होने वाली राष्ट्रीय जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता में नैनीताल जिले से तीन बालिकाओं का चयन हुआ हैं जिसमें लक्ष्मी मेहता सहित चित्रा नयाल व माया जोशी का भी चयन हुआ हैं। लक्ष्मी मेहता के चयन पर पूर्व मंत्री हरिश्चंद्र दुर्गापाल, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पुष्कर सिंह दानू , मीना एकेडमी पब्लिक स्कूल की प्रबन्धक मीना कपिल, वरिष्ठ कांग्रेसी हेमवती नंदन दुर्गापाल, मोहन कुनाईं, महामंत्री प्रदीप बथ्याल, कुशाल सिंह मेहता, कैप्टन भगवान सिंह मेहरा, गोविन्द दानू, देवीदत्त पांडे, नपं अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह लोटनी, भाजपा मंडल अध्यक्ष नवीन पपोला, रणजीत सिंह गैड़ा, खुशहाल सिंह मेहता सहित क्षेत्र वासियों ने बधाई दी है।

संयुक्त चिकित्सा सेवा परीक्षा में गौतम का चयन

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: हौसले बुलंद कर रास्तों पर चल दे, तुझे तेरा मुकाम मिल जायेगा। बढ़ कर अकेला तू पहल कर, देख कर तुझको काफिला खुद बन जायेगा। किसी शायर के यह शब्द गौतम सिंह मौर्य पर सटीक बैठती है। गौतम ने महज 23 वर्ष की उम्र में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की संयुक्त चिकित्सा सेवा परीक्षा में प्रथम प्रयास में सफलता प्राप्त कर प्रतिष्ठित सेंट्रल हेल्थ सर्विसेज में चयनित हो रामनगर और पर्वतीय क्षेत्र के युवाओं का नाम रोशन किया है।

गौतम के पिता डॉ. शिरीष मौर्य का नाम देश के प्रतिष्ठित साहित्यकारों में शुमार है। वह भी रामनगर महाविद्यालय से पढ़े हैं तथा वर्तमान में कुमाऊं विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष हैं। रानीखेत में जन्मे डॉ. गौतम की प्रारंभिक शिक्षा नैनीताल में हुई, जबकि कक्षा 9 से 12 तक की पढ़ाई उन्होंने अपने गांव स्थित शाइनिंग स्टार स्कूल से पूरी की। वर्तमान में वे दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल, देहरादून में इंटर्न के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। उनका शोध मेडिकल साइंस की प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिका क्यूरियस में प्रकाशित हुआ है, जिसे अमेरिकन नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिकल साइंस द्वारा साइट किया गया है। डॉ. गौतम बताते हैं कि लिखित परीक्षा में सफलता के बाद 4 नवंबर को यूपीएससी, दिल्ली में उनका साक्षात्कार हुआ था। उनकी विशेष रुचि जनस्वास्थ्य और चिकित्सा प्रशासन में है, साथ ही वे साहित्य से भी जुड़े रहना चाहते हैं। डॉ. गौतम अपनी सफलता का श्रेय दादा-दादी, माता-पिता, परिजनों, शिक्षकों और मित्रों को देते हैं। उनकी उपलब्धि ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

सिटी ब्रीफ

नैनीताल में शिक्षक संघ की बैठक

हल्द्वानी : उत्तराखंड माध्यमिक शिक्षक संघ, जिला नैनीताल की बैठक गुरुवार को एचएन इंटर कॉलेज में आयोजित की गई। बैठक में गोल्डन कार्ड स्कीम को हाइब्रिड मोड में लागू करने से उत्पन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। शिक्षकों ने कहा कि प्रीमियम राशि में वृद्धि और अस्पतालों में सुविधाओं की कमी के कारण यह बदलाव उनके लिए उचित नहीं है। जिलाध्यक्ष शैलेंद्र चौधरी ने अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालयों में रिक्त पदों को तीन माह में मृत घोषित करने और भर्ती व स्थानांतरण के लिए निदेशालय से पुनर्जीवित कराने के आदेश की कड़ी आलोचना की। वहीं, जिला महामंत्री एलडी पाठक ने अशासकीय विद्यालयों में भी रिक्त चतुर्थ श्रेणी पदों पर नियुक्तियां किए जाने की मांग की।

यतीश रौतेला बने जिलाध्यक्ष

हल्द्वानी : देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल ने गुरुवार को रानीखेत में अपनी जिला इकाई का विधिवत गठन किया और यतीश रौतेला को जिलाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया। इस अवसर पर मंडल के संस्थापक अध्यक्ष हुकम सिंह कुंवर और प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष अनिल खंडेलवाल ने नए जिलाध्यक्ष को प्रमाण पत्र सौंपा। अल्मोड़ा के जिलाध्यक्ष मनोज पंवार ने रानीखेत इकाई के गठन का प्रस्ताव पेश किया था, जिसे प्रदेश संगठन ने मंजूरी दी। रानीखेत जिला इकाई के गठन पर पूर्व प्रमुख हीरा सिंह रावत, पूर्व जिला पंचायत सदस्य महेश आर्या और युवा व्यापारी महेंद्र सिंह रावत ने स्वागत किया। यतीश रौतेला ने अपने पदभार ग्रहण के अवसर पर प्रदेश इकाई का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जल्द ही पूरे जिले की इकाई एवं नगर इकाइयों का गठन किया जाएगा।

माध्यमिक संस्कृत शिक्षक संघ की कार्यकारिणी गठित

हल्द्वानी : जिला नैनीताल के माध्यमिक संस्कृत शिक्षक संघ की नई कार्यकारिणी का गठन श्री दुर्गादत्त कपिलाश्रमी उत्तर मध्यमा संस्कृत विद्यालय में संपन्न हुआ। चुनाव प्रभारी डॉ. राजेंद्र भट्ट के निर्देशन में सभी पदाधिकारियों का चयन निर्विरोध रूप से किया गया। चुनाव में कुलदीप पंत को जिलाध्यक्ष, मोहन चन्द्र भट्ट को उपाध्यक्ष तथा कीर्तिचन्द्र कलौनी को महामंत्री चुना गया। डॉ. कैलाश चन्द्र सनवाल कोषाध्यक्ष, डॉ. प्रकाशचन्द्र रूबाली मीडिया प्रभारी, डॉ. नारायण दत्त थुवाल सह मीडिया प्रभारी, भारत भूषण पांडे, वंदना तिवारी, केसी जोशी और मनोज पांडे को संरक्षक बनाया गया। कार्यकारिणी सदस्यों के रूप में कंचन डालाकोटी, दिनेश चन्द्र तिवारी, राकेश गुणवंत, मनोज पांडे और चन्द्र बल्लभ बेलवाल का चयन किया गया।

उड़ान आशाओं के पंख कार्यक्रम प्रस्तुत किया

हल्द्वानी : सेंट लोरेंस स्कूल के कैप्टन जेएन जोशी हॉल में कक्षा 4 और 5 के छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम उड़ान आशाओं के पंख पेश कियाा। इसका शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन, वंदना और स्वागत नृत्य से हुआ। छात्रों ने विद्यालय जीवन की यात्रा, मोबाइल की लत, बाल मजदूरी, महिला सशक्तिकरण और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के प्रेरक जीवन संघर्ष सहित कई सामाजिक मुद्दों को नृत्य-नाट्यों से पेश किया। महिला खिलाड़ियों की उपलब्धियां, योग प्रदर्शन और स्व. रतन टाटा को समर्पित कार्यक्रमों ने दर्शकों को प्रभावित किया। कार्यक्रम के गेस्ट ऑफ ऑनर प्रशांत शर्मा रहे। इस अवसर पर संरक्षिका शांति जोशी, निदेशक अनिल जोशी, सुनील जोशी, प्रधानाचार्य अनिता जोशी, अंजू पाठक, संजय सुयाल, उदय भट्ट व कुबेर भुटियानी आदि उपस्थित रहे।

अगले 25 दिनों के अंदर होनी चाहिए बर्फबारी, इस बार पड़ रही है सूखी ठंड जिससे प्रभावित हो सकती है फसल

अगर बर्फबारी नहीं हुई तो सेब उत्पादन पर असर तय

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : नैनीताल जिले में सेब उत्पादन पर कई काश्तकारों की आजीविका निर्भर है। यहां काश्तकारों के पास सेब के बागान हैं। सेब की फसल के लिए बर्फबारी बहुत जरूरी होती है लेकिन पिछले कुछ सालों से ठंड के दिनों में नैनीताल जिले में बर्फबारी न के बराबर हो रही है। अब उद्यान विशेषज्ञों का कहना है कि अगले कुछ सप्ताह में अगर बर्फबारी हो जाए तो इससे सेब उत्पादन बढ़ेगा, नहीं तो इसका विपरीत असर पड़ेगा।

नैनीताल जिले में 541 हेक्टेयर भूमि में सेब का उत्पादन होता है। जिले के रामगढ़, मुक्तेश्वर, ओखलकांडा, धारी आदि क्षेत्रों में सेब उत्पादन होता है। पिछले वर्षों के दौरान नैनीताल जिले में सेब का रकबा और उत्पादन दोनों में ही इजाफा हुआ है। वर्तमान में जिले में करीब सालाना 2070 मीट्रिक टन सेब का उत्पादन होता है। यहां पैदा होने वाला सेब हल्द्वानी समेत बरेली, मुरादाबाद और दिल्ली तक की मंडियों में पहुंचता है। सेब की फसल के लिए बर्फबारी का होना बहुत जरूरी है। बर्फबारी के पास जमीन के अंदर नमी काफी दिनों तक रहती है। बर्फ धीरे-धीरे पिघलती है और जमीन के अंदर पानी जाता रहता है। यह नमी गर्मियों के समय पेड़ों को फायदा पहुंचाती है। इसके अलावा सेब उत्पादन में एक अन्य महत्तवपूर्ण कारक चिलिंग ऑवर्स होते हैं। अच्छी गुणवत्ता के सेब के लिए 800 से 1200 घंटों की ठंड बेहद जरूरी होती है। अगर चिलिंग ऑवर्स पूरे नहीं हुए तो पेड़ों में कलियां कम बनती हैं और फलों का आकार और स्वाद भी प्रभावित होता है।

बर्फबारी के अनुमान धरे रह गए

हल्द्वानी : इस बार मौसम विभाग ने अच्छी बर्फबारी का अनुमान जताया था लेकिन इस बार सूखी ठंड पड़ रही है। 25 दिसंबर आ गया और बर्फबारी नहीं हुई है। उद्यान विशेषज्ञों का कहना है कि सेब की फसल को तभी लाभ मिलेगा जब ज्यादा से ज्यादा 20 से 25 जनवरी तक बर्फबारी हो जाए। जिला उद्यान अधिकारी प्रेमा राणा ने बताया कि हम सभी को बर्फबारी का इंतजार है। विभाग को पता है कि सेब का अच्छा उत्पादन काश्तकारों के लिए बहुत जरूरी है।

बुद्ध पार्क में हुई गोष्ठी में मूलनिवासी संघ और भीम आर्मी के सदस्य मौजूद रहे।

समाज में भेदभाव करने वाले तथ्यों का हो विरोध

हल्द्वानी, अमृत विचार : बुद्ध पार्क में धार्मिक पुस्तकों के सुलेखों की प्रतियां जलाई गईं। वक्ताओं ने संविधान और धार्मिक पुस्तकों के बीच का फर्क भी बताया। वक्ताओं ने कहा कि धार्मिक किताबों में जाति व्यवस्था और महिलाओं की स्थिति को लेकर विवाद है जो भेदभावपूर्ण माने जाते हैं। इसमें शूद्रों और महिलाओं को कमतर आंकने, उन्हें शिक्षा और संपत्ति से वंचित रखने और महिलाओं को हमेशा पुरुषों के अधीन रखने की बातें हैं। डॉ. भीमराव आंबेडकर जैसे समाज सुधारकों ने इसका विरोध किया और इसे जलाया भी, जबकि कुछ लोग इसे प्राचीन सामाजिक व्यवस्था का दर्पण मानते हैं। कहा कि हमें डॉ. आंबेडकर, ज्योतिबा फुले के बताए मार्ग पर चलकर उन सभी तथ्यों का विरोध करना है जो समाज में भेदभाव की स्थिति उत्पन्न करते हैं। इस दौरान मूलनिवासी संघ के प्रदेश अध्यक्ष दीपक चनियाल, सुंदरलाल बौद्ध, वैजैयंती चनियाल, उमा सांगुड़ी, हरिराम टम्टा, भीम आर्मी जिलाध्यक्ष नफीस अहमद खान, महेश चंद्र आर्य, संजय कुमार टम्टा, आकाश भारती, मोहनलाल आर्य, पंकज आंबेडकर, किशन चंद्रा, पीआर टम्टा, जीआर टम्टा, मुकेश बौद्ध आदि रहे।

अटल की नीतियां, विचार आज भी सभी के लिए हैं प्रेरणा स्रोत

पूर्व पीएम व भारत रत्न अटल विहारी वाजपेयी की जयंती पर शहर में जगह-जगह हुए कार्यक्रम, लोगों ने उनके आदर्शों को अपनाने का लिया संकल्प

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : भाजपा विधायक बंशीधर भगत के ऊंचापुल स्थित आवास पर पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई। विधायक व जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट ने पूर्व पीएम के चित्र पर पुष्पांजलि अपिर्त की और उनके बताए आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

जिलाध्यक्ष बिष्ट ने कहा कि अटल न केवल एक कुशल प्रशासक और दूरदर्शी नेता थे बल्कि वह राजनीति में मर्यादा, संवाद और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रबल समर्थक भी थे। उनका सम्पूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, सुशासन और समरस समाज के निर्माण को समर्पित रहा। उनकी नीतियां, विचार आज भी सभी के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। विधायक भगत ने कहा कि अटल राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्र को सर्वोपरि मानने वाले ऐसे महान नेता थे, जिन्होंने संसद में स्पष्ट शब्दों में कहा था कि सरकारें आएंगी-जाएंगी लेकिन मेरा यह देश रहना चाहिए। यह कथन राष्ट्रप्रेम, लोकतांत्रिक आस्था और राजनीतिक परिपक्वता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि अटल का विकसित भारत का विजन आज भी उतना ही प्रासंगिक है।वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उसी संकल्प को साकार करने की दिशा में देश निरंतर आगे बढ़ रहा है। इस दौरान संदीप सनवाल, प्रदेश प्रवक्ता विकास भगत, कमल नयन जोशी, ब्लॉक प्रमुख मंजू गौड़, प्रताप बोरा, पार्षद चंद्रप्रकाश आर्या, महेश शर्मा, माया तिवारी, पंकज निगल्टिया आदि रहे।

ऊंचापुल स्थित आवास पर पूर्व पीएम वाजपेयी को पुष्पांजलि अर्पित करते विधायक बंशीधर भगत व अन्य। ● अमृत विचार

नगर निगम में राष्ट्रनायक प्रदर्शनी का शुभारंभ करते सांसद अजय भट्ट, मेयर गजराज बिष्ट व अन्य। ● अमृत विचार

पूर्व पीएम की जयंती पर नगर निगम ने लगाई प्रदर्शनी

हल्द्वानी : भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर नगर निगम प्रागंण में राष्ट्रनायक की जीवन यात्रा प्रदर्शनी का उद्घाटन सांसद अजय भट्ट, महापौर गजराज बिष्ट व प्रदेश महामंत्री तरूण बंसल ने किया। सांसद भट्ट ने कहा कि अटल जी ने देश में सुशासन के नये अध्याय जोड़े थे जिसके लिये उनके जन्मदिन को सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्हीं के अद्म्य साहस से भारत विश्व में परमाणु शक्ति बनकर उभरा। महापौर बिष्ट ने कहा कि पूरा उत्तराखंड अटल के आगे कृतज्ञ है क्योंकि उन्होंने राज्य का गठन किया था। वह अपनी शैली से पक्ष विपक्ष दोनों के आदर्श रहे हैं जो सही मायने में उनको भारत रत्न बनाता है। यह प्रदर्शनी आम जन के लिये भी एक सप्ताह तक नगर निगम में लगी रहेगी। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष राजेन्द्र बिष्ट, प्रदेश अध्यक्ष किसान मोर्चा महेन्द्र नेगी, प्रदेश महामंत्री युवा मोर्चा दीपेन्द्र कोश्यारी, जिला उपाध्यक्ष नवीन भट्ट, जिला महामंत्री विनीत अग्रवाल, राज्य मंत्री रेनू अधिकारी एवं सुरेश भट्ट, मंडल अध्यक्ष नीरज बिष्ट, जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा चंदन बिष्ट, पार्षद तनुजा जोशी, बीना चौहान आदि रहे।

अटल बिहारी वाजपेयी जन्मदिवस पर हाफ मैराथन का आयोजन

हल्द्वानी : गुरुवार को लामाचौड़ चौराहे अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस पर अटल बिहारी वाजपेयी जन्मदिवस समिति की ओर से हाफ मैराथन का आयोजन किया गया। मैराथन का शुभारंभ जिला पंचायत सदस्य डॉ. छवि काण्डपाल ने हरी झंडी दिखाकर किया। यह दौड़ लामाचौड़ चौराह से शुरू होकर बचीनगर, कुरियांगांव, फतेहपुर होते हुए वापस लामाचौड़ पर समाप्त हुई। समारोह के समापन अवसर पर आयोजन समिति ने उत्तराखण्ड रजत जयंती के अवसर पर अटल बिहारी वाजपेयी को उनके राज्य निर्माण में अतुल्य योगदान के लिए नमन किया। साथ ही उत्तराखण्ड राज्य आंदोलनकारी रेनू जोषी, भोपाल चिलवाल, चंद्रशेखर तिवारी, मोहन पाठक, गजराज सिंह बिष्ट, सुमन बोरा, प्रदीप भंडारी और शशांक शर्मा को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि गजराज बिष्ट ने कहा कि उत्तराखंड राज्य की स्थापना के लिए लंबे समय तक आंदोलन और संघर्ष किए गए। 9 नवंबर 2000 को तत्कालीन प्रधानमंत्री टल बिहारी वाजपेयी के मार्गदर्शन में उत्तराखंड राज्य का निर्माण हुआ। उन्होंने कहा कि हाफ मैराथन का उद्देश्य नव पीढ़ी को खेलों के प्रति जागरूक करना और नशे से दूर रखना है। आयोजक प्रमोद बोरा ने बताया कि इस वर्ष की मैराथन विशेष रूप से राज्य निर्माण में संघर्ष करने वाले आंदोलनकारियों को समर्पित की गई थी। दौड़ में कुल 435 प्रतिभागियों ने भाग लिया। बालक वर्ग में रोहित प्रथम, राहुल द्वितीय और शोभाराम तृतीय स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में पायल प्रथम, पलक द्वितीय और कंचन तृतीय स्थान पर रहीं। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष राजेन्द्र बिष्ट, महेश शर्मा, ब्लॉक प्रमुख मंजू गौड़, जिला उपाध्यक्ष नवीन भट्ट, मंडल अध्यक्ष संदीप सनवाल, प्रताप बोहरा, प्रधान भीम बिष्ट रहे।

संस्कार भारती ने दिव्यांगों के साथ किया तुलसी पूजन

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: संस्कार भारती की नैनीताल इकाई ने गुरुवार को तुलसी पूजन दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया। संस्था के पदाधिकारियों और सदस्यों ने जेएसआर इंदु दिव्यांग स्कूल, बसई पहुंचकर बच्चों के साथ उत्सव को हर्षोल्लास के साथ मनाया। कार्यक्रम के दौरान संस्कार भारती ने विद्यालय प्रबंधन के समन्वय से जरूरतमंद बच्चों को 10 ब्लेजर वितरित किए। बच्चों को ठंड से बचाव को ऊनी टोपियां प्रदान की गईं। बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाने के लिए उन्हें मिष्ठान स्वरूप जलेबी और समोसे खिलाए गए।

संस्कार भारती के पदाधिकारियों ने कहा कि संस्था का उद्देश्य समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सेवा का भाव पहुंचाना है। इस दौरान जिला अध्यक्ष भूपेंद्र खाती, प्रांत प्रचार प्रमुख ईशान अग्रवाल, महामंत्री संदीप अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अंकित गर्ग, कार्यकारी अध्यक्ष ऋषि अग्रवाल, सदस्य नितेश अग्रवाल, पारस अग्रवाल, महेश्वर बाजपेई, कला विधा से पूनम गुप्ता, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शलभ मित्तल, जिला उपाध्यक्ष विनीत रिखाड़ी, मीडिया प्रमुख भरत तिवाड़ी, नीतू चौहान सहित विद्यालय प्रबंधन के हिमांशु रावत, संदीप रावत रहे।

बसई में तुलसी पूजन करते संस्कार भारती के सदस्य।

राम मंदिर में किया तुलसी पूजन

हल्द्वानी : रामलीला मैदान में राम मंदिर में गुरुवार को मां तुलसी सेवा समिति की ओर से तुलसी पूजन किया गया। आचार्य पंडित विवेक शर्मा और पंडित गिरीश दुर्गापाल के नेतृत्व में श्रद्धालुओं ने भगवान विष्णु और माता तुलसी का विधि विधान से पूजन कर विश्व कल्याण की कामना की। समिति के संरक्षक और ज्योतिषी अशोक वार्ष्णेय ने बताया कि गुरुवार को पंचमी तिथि का यह विशेष संयोग तुलसी पूजन करने वालों के लिए अत्यंत फलदायी रहा। डायरेक्टर पंडित विवेक शर्मा ने तुलसी को स्वास्थ्य और प्रकृति का रक्षक बताते हुए इसके महत्व पर प्रकाश डाला। समिति की अध्यक्षा सीमा देवल ने कहा कि समिति पिछले कई वर्षों से तुलसी पूजन के माध्यम से समाज को अपनी संस्कृति से जोड़ने का कार्य कर रही है।

अटल जयंती व तुलसी पूजन पर पौधे बांटे

हल्द्वानी: जज फार्म वार्ड संख्या-52 स्थित जन मिलन केंद्र में गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती व तुलसी पूजन दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण और औषधीय पौधों के महत्व के बारे में जानकारी दी गई।

सेवानिवृत्त रेंजर मदन सिंह बिष्ट के सहयोग से लोगों को औषधीय पौधा कासनी निशुल्क वितरित किया गया। इस अवसर पर मदन सिंह बिष्ट ने कासनी के औषधीय गुणों, इसके उपयोग और रोपण की विधि की जानकारी देते हुए लोगों को वनस्पतियों के संरक्षण के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में पार्षद रेखा बिनवाल, केएस सजवान, एससी बिनवाल, दीप पांडे और अशोक अग्रवाल सहित कई स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

खेल फिटनेस, मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी

एमबापीजी कॉलेज में महोत्सव का दीप जलाकर शुभारंभ करते सांसद अजय भट्ट।

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : सांसद खेल महोत्सव के समापन अवसर पर गुरुवार को एमबीपीजी कॉलेज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम का लाइव वर्चुअल प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में सांसद अजय भट्ट सहित विशिष्ट अतिथि, नैनीताल–उधम सिंह नगर संसदीय क्षेत्र के खिलाड़ी, जनप्रतिनिधि व राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी उपस्थित रहे। इस अवसर पर सांसद अजय भट्ट ने एमबीपीजी के ऑडिटोरियम हॉल के लिए 2.5 लाख रुपये देने की घोषणा की। साथ ही गौलपार में प्रस्तावित खेल विश्वविद्यालय में नाइट मैच के लिए 2 लाख रुपये देने की भी घोषणा की।

उन्होंने कहा कि खेल विश्वविद्यालय बनना क्षेत्र के लिए गर्व की बात है और यह भविष्य में उत्कृष्ट खेल केंद्र के रूप में विकसित होगा। सांसद अजय भट्ट ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत लोकसभा स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें खेल, फिटनेस और मनोरंजन का अद्भुत संगम देखने को मिला। यह आयोजन युवाओं को खेलों में आगे बढ़ने का अवसर देने के साथ-साथ फिट इंडिया मूवमेंट को भी मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि खेल न केवल स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं, बल्कि मानसिक मजबूती, एकता, टीमवर्क और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना भी विकसित करते हैं। उन्होंने बच्चों और युवाओं से पढ़ाई के साथ-साथ प्रतिदिन खेलों के लिए समय निकालने, मोबाइल का सीमित उपयोग करने व नशे से दूर रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्मदिवस के अवसर पर कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने कार्यकाल में सुशासन को नई दिशा दी और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं के माध्यम से देश के विकास में अहम योगदान दिया।

समापन समारोह में विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ-साथ पूर्व राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में दर्जा राज्यमंत्री सुरेश भट्ट, नवीन वर्मा, दिनेश आर्य, भाजपा प्रदेश महामंत्री तरुण बंसल, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट सहित कंचन उप्रेती, नीरज बिष्ट, दीप कोश्यारी, भुवन जोशी, हिमांशु मिश्रा, आभा गोस्वामी, प्रभारी उप निदेशक खेल रशिका सिद्दीकी, प्रदेश संयोजक सुरेश पांडे, निर्मला पंत, लक्ष्मण खाती, हरीश भाकुनी, त्रिलोचन जीना, देवेंद्र भट्ट, विनय जोशी, दीपक पाण्डेय, कमलेश बिष्ट, वीरेंद्र दानू रहे।

कार्यक्रम

क्षेत्रीय प्रमुख धनीराम ने किया संबोधित, कहा-हिंदू संस्कृति करेगी दुनिया का मार्गदर्शन

आरएसएस के बाल स्वयंसेवकों ने शहर में निकाला पथ संचलन

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से गुरुवार को बाल स्वयंसेवकों ने पथ संचलन किया। यह संचलन एमबीपीजी कॉलेज से तिकोनिया चौराहा होते हुए फिर एमबीपीजी कॉलेज पर समाप्त हुआ।

इससे पूर्व एमबीपीजी कॉलेज मैदान में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सेवा प्रमुख धनीराम, नगर संघचालक विवेक कश्यप ने भारत माता व संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार एवं पूज्य गुरूजी को याद करते हुए उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। क्षेत्र सेवा प्रमुख धनीराम ने बौद्धिक देते हुए कहा कि जब-जब भारत माता की गोद में राष्ट्र पुनर्जागरण की आवश्यकता हुई तब-तब कुछ महापुरुषों ने अपने जीवन की आहुति देकर समाज को एक नई दिशा दी। ऐसे ही एक महान विभूति थे परम पूज्य डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार, जिन्होंने अनुभव किया कि जब तक समाज संगठित नहीं होगा, तब तक भारत पुनः अपने गौरव को प्राप्त नहीं कर सकेगा। इसी उद्देश्य से उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की। एक ऐसा संगठन जो भारत की सांस्कृतिक आत्मा को जागृत कर राष्ट्र प्रथम की भावना को जन-जन तक पहुँचाने के लिए समर्पित हो।

उन्होंने बताया कि आज दुनिया के प्रत्येक धर्म को मानने वाले लोगों ने भी हिंदू विचारधारा को स्वीकार करना प्रारंभ कर दिया है क्योंकि उनके पास भी अपना जितना चरमोत्कर्ष ज्ञान था वह सब ने प्राप्त कर लिया अब उनके पास भी कोई विचारधारा नहीं बची है इसीलिए अब हिंदू संस्कृति ही दुनिया का मार्गदर्शन करेगी। जो पद चिन्ह बनाता है वहीं सूरमां दुनिया में पूजा जाता है। हमें अब सब लोगों के प्रश्नों पर चलने की जरूरत नहीं है बल्कि पदचिह्न बनाने की जरूरत है। जिससे हमारे पीछे आने वाली पीढ़ी इन चुनौती के साथ चल सके। हिंदुत्व की विचारधारा सब के घर-घर में पहुंचनी चाहिए क्योंकि भारत का भला करने के लिए आपके अलावा कोई भी आने वाला नहीं है इसलिए यहां सैन्टा नहीं बल्कि संत लोगों की जरूरत है। जब-जब धर्म की हानि हुई तब तब प्रभु ने धर्म की रक्षा करने के लिए मनुष्य का रूप धारण किया इस दौरान जिला प्रचारक जितेंद्र, नगर प्रचारक प्रभाकर, नगर कार्यवाह प्रकाश, जिला शारीरिक प्रमुख सूरज, सहजिला बौद्धिक प्रमुख कमलेश, नगर शारीरिक प्रमुख कमल, नगर प्रचार प्रमुख डॉ. नवीन शर्मा, नगर व्यवस्था प्रमुख गिरीश, सह नगर कार्यवाह तनुज गुप्ता, प्रहलाद मेहरा, उपनगर कार्यवाह, ललित, हिंमाशु, रूपचन्द्र, योगेश आदि स्वयंसेवक रहे।

नैनीताल रोड पर पथ संचलन निकालते बाल स्वयं सेवक। ● अमृत विचार

अमृत विचार

हल्द्वानी , शुक्रवार, 26 दिसंबर 2025

रुद्रपुर

खटीमा के सेंट जेवियर स्कूल में क्रिसमस पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल बच्चे। ● अमृत विचार

बाजपुर के सेंट मेरी चर्च में सजी प्रभु यीशु की मनोरम झांकी। ● अमृत विचार

बाजपुर के आलापुर स्थित मॉडर्न पब्लिक स्कूल में क्रिसमस मनाते स्कूली बच्चे।

क्रिसमस पर भाईचारे और मानवता का पाठ पढ़ाया

हर्षोल्लास के साथ मनाया क्रिसमस, चर्च में सुबह से होने लगीं प्रार्थनाएं, यीशु मसीह के बताए मार्ग पर चलने का लिया संकल्प

संवाददाता,रुद्रपुर

अमृत विचार : ईसाई मिशनरी का पर्व क्रिसमस जिले के गिरजा घरों में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जहां सुबह से ही फादर द्वारा प्रार्थना सभा कर समुदाय को आपसी भाईचारे और मानवता का पाठ पढ़ाया और संकल्प दिलाया कि यीशु मसीह के बताए मार्ग पर चलकर इंसानियत का परिचय दिया जाए।

सुबह जैसे ही सूर्य की पहली किरण धरती पर पड़ी। वैसे ही शहर के आदर्श कॉलोनी स्थित सेंटर मेथोडिस्ट चर्च, गंगापुर रोड कैथोलिक चर्च, मॉडल कॉलोनी असेम्बली ऑफ गॉड चर्च तथा सिंह कॉलोनी स्थित करुणा प्रार्थना भवन में बड़ी संख्या में ईसाई समाज के लोग परिवार सहित पहुंचे। चर्चों को आकर्षक रोशनी, सितारों, मोमबत्तियों और क्रिसमस ट्री से सजाया गया था। गुरुवार को आयोजित प्रार्थना सभाओं में प्रभु यीशु के प्रेम, करुणा और क्षमा के संदेश को याद करते हुए समाज में शांति, सद्भाव और भाईचारे की कामना की गई।

वहीं जिले के काशीपुर, गदरपुर, बाजपुर, खटीमा, सितारगंज, जसपुर सहित अन्य क्षेत्रों के गिरजाघरों में भी ईसाई समुदाय के लोगों ने प्रभु यीशु की आराधना कर विश्व कल्याण और शांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर गिरजाघरों में बिजली की झालरों से साज-सज्जा की गई और प्रभु यीशु से जुड़ी झांकियां भी प्रस्तुत की गईं।

आदर्श कॉलोनी स्थित सेंट्रल मैथोडिस्ट चर्च में विशेष प्रार्थना सभा करवाते फादर।

खटीमा के सेंट जेवियर पब्लिक स्कूल कैंपस में क्रिसमस पर्व पर सजी झांकी। ● अमृत विचार

प्रभु यीशु का जन्मोत्सव मनाया

खटीमा के ज्योति सोसायटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उपहार बांटता सेंटा क्लाज।

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: टनकपुर रोड तिगरी स्थित सेंट जेवियर पब्लिक स्कूल कैंपस में क्रिसमस डे पर प्रभु यीशु के जन्म की झांकियां सजाई गईं।

विद्यालय प्रबंधक रेव फादर पीटर मालिथारा द्वारा प्रार्थना सभा उपरांत प्रभु यीशु की जीवन ज्योति स्वरूप और प्रेम और शांत शांति का संदेश दिया। कहा कि उनका जन्म मानव कल्याण के लिए हुआ था। प्रधानाचार्य सिस्टर थेरेसा एंटनी ने क्रिसमस की बधाई दी। अमाऊं स्थित चर्च में पास्टर हरगोविंद सिंह की अध्यक्षता में अनोईंग पॉल ने प्रभु यीशु की महिमा पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि मानव कल्याण के लिए प्रभु यीशु अवतरित हुए थे। उनके द्वारा मानव कल्याण का संदेश दिया गया। विशप डॉ. हरिश्चंद्र पॉल ने कहा कि प्रभु यीशु ने धरती पर शांति लाने के लिए जन्म लिया। इस दौरान बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। यहां रामनाथ, धनीराम, भोपाल, हरीश, जितेंद्र, मुन्नालाल आदि मौजूद रहे। बिचपुरी स्थित जगत की ज्योति सोसायटी द्वारा प्रार्थना सभा के बाद पास्टर ओमप्रकाश ने प्रभु यीशु की महिमा संबंधी प्रवचन किया। समिति अध्यक्ष महेश सिंह राणा ने प्रभु यीशु के भजन से गुणगान किया। समिति सदस्यों ने अर्धरात्रि में केक काटकर प्रभु यीशु का जन्मोत्सव मनाया। समिति अध्यक्ष महेश राणा कोषाध्यक्ष राजेश राणा ने लोगों को बधाइयां दीं। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष मोहित सिंह राणा, दीक्षा देवी सचिव, संजय सिंह प्रचारक, सलाहकार एडवोकेट प्रहलाद सिंह, रोहित राणा, लता देवी प्रेमलता, रेखा देवी, प्रेम सिंह, फूल कुमार, राजेश तिगरी, ओमप्रकाश तिगरी आदि मौजूद रहे।

सितारगंज के अनुग्रह आश्रम में अनुयायियों को संबोधित करते फादर रुडौल्फ। ● अमृत विचार

रात में तारीख बदलते ही गूंजा 'हैप्पी क्रिसमस ', विश्व शांति के लिए प्रार्थना की

सितारगंज : क्रिसमस डे पर अनुग्रह आश्रम (चर्च) में प्रार्थना सभा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। आश्रम के फादर रुडौल्फ ने सभी को क्रिसमस की बधाई दी और प्रभु यीशु के जीवन पर प्रकाश डाला। किच्छा मार्ग स्थित अनुग्रह आश्रम में बुधवार रात 12 बजे प्रभु यीशु के जन्म दिवस पर फादर रुडौल्फ ने केक काटा। इसके बाद मध्य रात्रि में ही देश और विश्व शांति के लिए प्रार्थना की गई। आकर्षक तरीके से सजाए गए चर्च की रोशनी देखते ही बनती थी। इस दौरान आकर्षक झांकियां भी सजाई गईं। बृहस्पतिवार को फादर रुडौल्फ की अगुवाई में सुबह दस बजे से प्रार्थना सभा आयोजित की गई। फादर जॉनी ने प्रभु का गुणगान किया और दीन दुखियों की मदद का संकल्प दिलाने के साथ ही प्रभु यीशु के जन्म दिन की बधाई दी। इस मौके पर नागेंद्र कुमार, संजय मसीह, गोल्डी, पूरन जॉन, सिस्टर जिल्सी, सिस्टर जोयस, सिस्टर लिशी मेरी, पूर्व विधायक नारायण पाल आदि मौजूद रहे। इधर, खटीमा मार्ग पर शालोम अराधनालय में प्रभु ईसा मसीह के जन्म दिन पर अराधना की गई। पास्टर सुनील प्रसाद जग्गू ने अनुयायियों को प्रेम का संदेश दिया।

सेंट मेरी चर्च को आकर्षक रूप से सजाया

बाजपुर : क्रिसमस-डे पर सेंटमेरी चर्च को आकर्षक रूप से सजाया गया। बुधवार देर शाम से ही श्रद्धालु चर्च में एकत्र होने लगे, जहां पल्ली पुरोहित फादर उदय डिसूजा के साथ प्रभु यीशु के गुणगान करते हुए भक्त झूमते नजर आए। मध्यरात्रि 12 बजे फादर द्वारा केक काटकर श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरण किया गया। गुरुवार सुबह आयोजित विशेष प्रार्थना सभा में महिलाओं, पुरुषों और बच्चों सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। चर्च परिसर में प्रभु यीशु के जीवन से जुड़ी अनेक मनोहारी झांकियां सजाई गईं, जिन्हें देखने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही। फादर उदय डिसूजा ने प्रवचन में कहा कि जगत कल्याण और संसार को दुख-पाप से मुक्ति दिलाने के उद्देश्य से लगभग 2025 वर्ष पूर्व ईश्वर के पुत्र प्रभु यीशु पृथ्वी पर अवतरित हुए थे। इस मौके पर फादर उदय, फादर राबर्ट मथायस, फादर आलोक, डाक्टर/सिस्टर सांड्रा, सेंटमेरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल की प्रधानाचार्या सिस्टर साइनी पाल, विनय, जैकब पॉल, लुई पॉल, दीपक पॉल, विमला दिलीप, सैम रिचर्ड, अमित, मुराद मैश आदि मौजूद रहे।

बच्चों ने क्रिसमस झांकी सजाकर मन मोह लिया

बाजपुर : आलापुर स्थित मॉडर्न पब्लिक स्कूल में क्रिसमस डे का पर्व उल्लासपूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस मौके पर नन्हे-मुन्ने बच्चों ने क्रिसमस झांकी सजाकर सभी का मन मोह लिया। स्कूल परिसर को रंग-बिरंगी सजावट से सजाया गया, जिससे पूरा माहौल उत्सवमय नजर आया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने गीत, नृत्य व अन्य मनोरंजक प्रस्तुतियां दीं। इस मौके पर विद्यालय की प्रिंसिपल निशि लखनपाल शर्मा के साथ नेहा लखनपाल शर्मा, किरन, मीना, पूजा ठाकुर, अल्का, माधवी, निहारिका, आकांक्षा, आशना आदि अध्यापिकाएं मौजूद रहीं।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की मनाई गई जयंती

संवाददाता, गदरपुर

अमृत विचार: भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा ने आज गदरपुर स्थित अपने कार्यालय पर भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर गुंजन सुखीजा ने अटल जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश मंत्री ने कहा कि अटल जी का व्यक्तित्व और कृतित्व हम सभी के लिए प्रेरणा का पुंज है। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र की सेवा और अंत्योदय के संकल्प को सिद्ध करने में समर्पित कर दिया। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष सुरेश खुराना, नगर पालिका अध्यक्ष मनोज गुंबर, सभासद अश्वनी कुमार, रमन छाबड़ा, महामंत्री अजय बठला, सुभाष गुंबर, संतोष गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

गदरपुर में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी को याद करते कार्यकर्ता।

बाजपुर में अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते भाजपा कार्यकर्ता।

जसपुर में पूर्व पीएम की जयंती मनाते भाजपाई। ● अमृत विचार

किच्छा में पूर्व पीएम वाजपेयी को नमन करते भाजपाई। ● अमृत विचार

जसपुर में भी पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि दी

जसपुर : भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती यहां श्रद्धापूर्वक मनाई गई। गुरुवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय पार्क में एकत्रित भाजपाइयों ने कार्यक्रम आयोजित कर पूर्व पीएम को श्रद्धा सुमन अर्पित किए तथा उन्हें याद किया। भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य खड़क सिंह चौहान ने कहा कि जनसेवा और राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के प्रति समर्पित उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है। भाजपाइयों ने पूर्व पीएम के विचारों, राष्ट्रसेवा और सुशासन को स्मरण करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस मौके पर पूर्व विधायक डॉ. शैलेंद्र मोहन सिंघल, मंडल अध्यक्ष राजकुमार चौहान, महेश प्रजापति, कमल चौहान, शीतल जोशी, सुधीर बिश्नोई, बलराम तोमर, तरुण पधान, विनोद प्रजापति, विजेंद्र गहलोत, विशाल कश्यप, गौरव प्रजापति, अनीता पवार आदि मौजूद रहे।

अटल स्मृति सम्मेलन में रखे विचार

किच्छा : पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर आवास विकास में ' 'अटल स्मृति सम्मेलन' ' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा नेता साकेत अग्रवाल व अन्य भाजपाइयों ने अटल जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की ।साकेत अग्रवाल ने कहा कि विचारधारा में दृढ़ता और व्यवहार में उदारता ही अटल जी की सबसे बड़ी पहचान थी। उन्होंने अटल जी को कुशल राजनेता, प्रखर वक्ता और संवेदनशील कवि बताते हुए उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। इस दौरान पूर्व विधायक राजेश शुक्ला, संयोजक धर्मराज जायसवाल मौजूद रहे।

तहसील के बाहर पार्क का नाम होगा अटल स्मृति पार्क

खटीमा : भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की जी की 100वीं जयंती पर उनको नमन करते हुए याद किया। नगर पालिका सभागार में भाजपा कार्यकर्ताओं ने बाजपेयी के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर उनको याद किया। पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी ने उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उनके आदर्शों एवं मार्गदर्शन का पालन करने एवं अपने जीवन में अटल जी के बताए आदर्शों का अनुसरण करने को कहा। उन्होंने तहसील के बाहर स्थित पार्क का नामकरण अटल स्मृति पार्क के नाम से किया। यह भी कहा कि अटल स्मृति पार्क में पूर्व पीएम वाजपेयी की विशाल मूर्ति स्थापित की जाएगी। इस अवसर पर दान सिंह रावत, महिला मोर्चा की पूर्व जिला अध्यक्ष विमला मुंडेला, जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा नीता सक्सेना, मोहनी पोखरिया, अनीता ज्याला, विमला बिष्ट, नीलू गुप्ता, सोनिया सुनेजा, सावित्री कन्याल, नगर अध्यक्ष जीवन धामी, अमित पांडे, मनोज वाधवा, विवेक रस्तोगी, रमेश जोशी आदि मौजूद रहे।

अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर पार्क का नामकरण करते पालिकाध्यक्ष।

गुलदार प्रभावित गांवों के लोगों को किया जागरूक

खटीमा : पूर्वी तराई वन प्रभाग हल्द्वानी के प्रभागीय वनाधिकारी हिमांशु बंगारी और उप प्रभागीय वनाधिकारी संचिता वर्मा में निर्देशानुसार वन विभाग की टीम ने गुलदार प्रभावित गांवों में ट्रैप कैमरे लगाए और लोगों से सतर्क रहने की अपील की। खटीमा रेंज के वन क्षेत्राधिकारी महेश चंद्र जोशी के निर्देशन में टीम ने गुलदार प्रभावित भगचुरी, मझोला, पालीगंज, खुदागंज, बरी अंजनिया, मुड़ेली आदि गांवों में दो ट्रैप कैमरे लगाए गए और गांव में जगह जगह चेतावनी हेतु पोस्टर भी लगाए गए। जिसके माध्यम से मानव वन्य जीव संघर्ष के बारे में ग्रामीण जनों को उचित दिशा निर्देश देकर महिलाओं और बच्चों को जागरूक भी किया गया। इस अवसर पर डिप्टी रेंजर केएस सम्मल, विनोद कर्म्याल, ग्राम प्रधान सोमनाथ मौर्य, हिमांशु पंत, दीपक कश्यप आदि मौजूद रहे।

वायरल वीडियो मामले में आरोपी हिरासत में

संवाददाता, रुद्रपुर/ काशीपुर

अमृत विचार: काशीपुर में सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक दुर्व्यवहार के मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सख्त रुख अपनाया है। 24 दिसंबर 2025 को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो प्रसारित हुआ था, जिसमें कुछ स्थानीय युवक कश्मीर निवासी बिलाल के साथ अभद्रता और मारपीट करते दिखाई दे रहे थे। जांच में यह घटना 22 दिसंबर की पाई गई।

कानूनी कार्रवाई और धाराएं मामले की गंभीरता और सांप्रदायिक संवेदनशीलता को देखते हुए एसएसपी के निर्देश पर पुलिस ने तत्काल संबंधित प्लेटफॉर्म से वीडियो को हटवाया। 25 दिसंबर को पीड़ित बिलाल की तहरीर पर कोतवाली काशीपुर में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस की अपील पुलिस ने वीडियो में दिख रहे युवकों की पहचान कर उन्हें हिरासत में ले लिया है। एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जनपद का सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और सोशल मीडिया पर भड़काऊ सामग्री साझा करने से बचें।

बांग्लादेश सरकार के खिलाफ गुस्सा

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे कथित अत्याचारों के विरोध में गुरुवार को ग्राम बन्नाखेड़ा में बांग्लादेश सरकार का पुतला दहन किया गया। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष यशपाल राजहंस के नेतृत्व में कार्यकर्ता बड़ी संख्या में चौराहे पर एकत्र, जहां जोरदार प्रदर्शन व नारेबाजी करते हुए बांग्लादेश सरकार का पुतला दहन किया। इस दौरान यशपाल राजहंस ने कहा कि बांग्लादेश में लगातार हिंदू समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि हाल ही में निर्दोष हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की कथित तौर पर निर्मम हत्या कर दी गई, जिससे देशभर के हिंदुओं में भारी आक्रोश है। उन्होंने कहा कि अब हिंदू समाज जाग चुका है और अत्याचारों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोषियों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्रवाई कराने और उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की गई। साथ ही उन्होंने "हिंदू जाग उठो" का आह्वान करते हुए कहा कि अब हिंदू पीछे हटने वाला नहीं है। कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश मुर्दाबाद के नारे लगाए और बांग्लादेश सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध दर्ज कराया। यशपाल राजहंस ने कहा कि हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के चलते समाज में भारी रोष व्याप्त है और इसी आक्रोश के चलते प्रतीकात्मक रूप से पुतला दहन किया गया है। इस मौके पर विशाल दक्ष कुमार, योगेश सैनी, चंद्रपाल दिवाकर, खेमकरण सैनी, राहुल कुमार, विनीत कुमार, अजय दिवाकर, सोनू निगम आदि मौजूद रहे।

बाजपुर के ग्राम बन्नाखेड़ा में बांग्लादेश सरकार का पुतला दहन करते कार्यकर्ता।

ब्रीफ न्यूज

पुत्र ने मां पर किया जानलेवा हमला

किच्छा : कोतवाली अंतर्गत आजाद नगर में रिश्तों को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। यहां मामूली पूछताछ पर एक पुत्र ने अपनी मां पर जानलेवा हमला कर दिया। 23 दिसंबर की सुबह सावित्री खुराना ने जब अपने पति और पुत्र विशाल से बाहर जाने का कारण पूछा, तो विशाल आक्रोशित हो गया। उसने संपत्ति विवाद को लेकर मां को जान से मारने की धमकी दी और घर के भारी लोहे के गेट को जोर से धक्का देकर उनकी ओर फेंक दिया। इस हमले में महिला के सिर और आंख पर गंभीर चोटें आईं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लहूलुहान महिला को अस्पताल पहुंचाया, जहां से उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। पीड़िता का आरोप है कि पुत्र पहले भी उनके साथ मारपीट कर चुका है। पुलिस ने आरोपी विशाल खुराना के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

बाउंड्री तोड़ने वालों पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग

काशीपुर : रामनगर रोड पर कुछ लोगों द्वारा जमीन पर बनाई गई बाउंड्री को तोड़ने के मामले पर जमीन स्वामी पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष शमशुद्दीन ने आज पत्रकारों को बताया कि बाउंड्री तोड़ने वाले लोगों के खिलाफ प्रशासन मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में शमशुद्दीन ने कहा कि 17 दिसंबर को मेरी जमीन पर बनी 260 फीट दीवार को कुछ लोगों द्वारा जेसीबी से तोड़ दिया गया, जबकि उनका कोई उक्त जमीन से लेना देना नहीं है, उनका यह भी आरोप है कि मेरी जमीन के सामने वन विभाग की जमीन है ना कि उक्त लोगों की कोई जमीन है उन्होंने कहा कि जिस जमीन को वह अपनी बता रहे हैं उस जमीन को उन्होंने पहले अन्य लोगों को बेच दिया है। लेकिन उक्त लोग उक्त जमीन में विवाद बढ़ाकर मामले को उलझाना चाहते हैं। उन्होंने एसएसपी को भी एक तहरीर सौपी है। इस मौके पर सुनील छाबड़ा, नरेंद्र रस्तोगी, शाहिद मंसूरी मौजूद रहे।

अवैध मिट्टी खनन पर दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियां सीज

शक्तिफार्म : निर्मल नगर क्षेत्र में लंबे समय से चल रहे अवैध मिट्टी खनन के खिलाफ राजस्व विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। तहसीलदार हिमांशु जोशी के नेतृत्व में टीम ने गुरुवार तड़के छापेमारी कर अवैध खनन में लिप्त दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त कर सीज कर दिया। हालांकि, छापेमारी की भनक लगते ही कई खनन माफिया वाहन लेकर मौके से फरार होने में कामयाब रहे। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, निर्मल नगर में सूखी नदी और कृषि भूमि से दिन-रात खनन किया जा रहा है, जिससे सरकार को लाखों के राजस्व की हानि हो रही है।

मेयर को संदेश भेजकर साइबर ठगी की कोशिश

संवाददाता,रुद्रपुर

- आरटीओ के नाम पर भेजा था चालान, लिंक खोलते ही व्हाट्सएप हो जाता है हैक

अमृत विचार:-साइबर ठगी का ग्राफ इतना बढ़ता जा रहा है कि ठगों ने ठगी करने के नये-नये तरीके निकालना शुरू कर दिए है। जिसको लेकर मेयर विकास शर्मा के मोबाइल पर एक लिंक आता है जिसमें आरटीओ का चालान भरने का लिंक था। मेयर ने चालान की जानकारी अपने साथियों से मांगी तो यह पता चला कि जैसे ही लिंक खोला जाता है, वैसे ही साइबर ठग व्हाट्सअप ग्रुप के अलावा मोबाइल को हैक कर लेते हैं और साइबर ठगी को अंजाम दे डालते है।

गुरुवार की सुबह मेयर विकास शर्मा रोजमर्रा की भांति अपने कार्यालय पहुंचे तो अचानक मोबाइल पर नौ नंबर का व्हाटसअप मैसेज देखा। मैसेज भेजने वाले की डीपी पर इंस्पेक्टर वर्दी पहने व्यक्ति की फोटो लगी हुई और बार-बार लिंक पर क्लिक कर एआरटीओ चालान भरने का संदेश आ रहा था। इस दौरान मेयर ने जब एआरटीओ चालान की जानकारी अपने समर्थकों से ली। तो एक पार्षद ने बताया कि उसके मोबाइल पर भी इसी प्रकार का मैसेज आया था और जब लिंक पर क्लिक किया, तो व्हाटसअप ग्रुप के साथ ही मोबाइल हैक हो गया था। जो कि साइबर ठगों द्वारा भेजा गया था। मोबाइल हैक होते ही साइबर ठग सारी जानकारी जुटाने के बाद खातों से रकम या फिर साइबर अपराध को अंजाम दे डालते है।

31 दिसंबर तक चलेगी श्रीमद् भागवत कथा, धार्मिक अनुष्ठानों का चुघ परिवार रहा मुख्य यजमान

तुलसी पूजन से पहले निकाली गई कलश यात्रा

संवाददाता,रुद्रपुर

अमृत विचार:-अटल स्मृति शताब्दी वर्ष को लेकर तुलसी माता पूजन दिवस के मौके पर सार्वजनिक संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा अमृत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आयोजन शुरू हो चुका है। जिससे पहले भव्य कलश यात्रा निकाली गई और धार्मिक अनुष्ठान के मुख्य यजमान चुघ परिवार रहा। यात्रा मुख्य मार्गों से होते हुए कार्यक्रम स्थल पर जाकर समाप्त हुई।

भारत भूषण चुघ ने बताया कि धार्मिक आयोजनों से जहां वातावरण भक्तिमय हो जाता है वहीं आपसे प्रेम और सौहार्द का वातावरण बनता है। आज की पीढ़ी को हमारे धार्मिक रीति रिवाज और संस्कारों से प्रेरणा लेनी चाहिए ताकि एक स्वस्थ समाज का निर्माण हो। बताया कि 26 दिसंबर को सती चरित्र, भरतो पाख्यान और श्री सुकदेव महाराज के जन्म का वर्णन किया जाएगा। 27 दिसंबर को प्रहलाद चरित्र एवं दान की महत्ता के बारे में बताया जाएगा।

28 दिसंबर को वामन भगवान कथा और कृष्ण जन्मोत्सव मनाया जाएगा। 29 दिसंबर को कृष्ण की बाल लीलाएं और गोवर्धन पूजन, 30 दिसंबर को कृष्ण रुक्मणी विवाह और 31 दिसंबर को कृष्ण सुदामा मिलन के उपरांत व्यास मंडली की विदाई होगी।

उन्होंने बताया कि कथा स्थल दुर्गा माता मंदिर कस्तूरी वाटिका बगवाडा रोड पर आयोजित होगा। इस मौके पर कनिका चुघ, पवन लोधी, रामबाबू शर्मा, राम पाराशर, अनुज भट्ट, आरडी जोशी, प्रेम सिंह, प्रीती शर्मा, अनुज पंडित, पिंकी पांडे, भीम त्रिपाठी, सजल कुमार श्रीवास्तव, किरण शर्मा, अर्चना भट्ट, राजलक्ष्मी, लक्ष्मी चंद आदि मौजूद रहे।

श्रीमद् भागवत कथा से पहले कलश यात्रा में शामिल मुख्य यजमान। ● अमृत विचार

तुलसी पूजन कार्यक्रम आयोजित किया

बाजपुर : अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद और राष्ट्रीय बजरंग दल द्वारा गुरुवार को तुलसी पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रधान अशोक कंबोज ने की।इस मौके पर अशोक कंबोज और विभाग अध्यक्ष भगवंत सिंह मियान ने तुलसी पूजन के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। महंत विकासनाथ महाराज ने सभी सनातनी बंधुओं को एकजुट रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान हिंदू धर्म योद्धा अरुण भारद्वाज, सनी प्रजापति, सतीश प्रजापति, विक्की कश्यप, प्रमोद राजहंस, शोभित कंबोज, विक्रम सिंह, जेपी गुप्ता, शंकर प्रजापति, अजय कुमार, हिमांशु कश्यप, विजय कुमार, सचिन कुमार, गणेश यादव, पन्नालाल, रामबाबू पाल, अशोक कंबोज, अनिल कुमार, आशु सिंह, विमल कुमार, राजू सैनी आदि मौजूद रहे।

इधर विधायक की प्रेसवार्ता, उधर लगने लगा शिलापट

विवादित भूखंड चंद्रदेव मंदिर का है मामला, सूचना मिलते ही पुलिस ने रुकवाया कार्य, न्यायालय अवमानना नोटिस के बाद पलटवार किया

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : न्यायालय अवमानना नोटिस में नामजद स्थानीय विधायक शिव अरोरा एक तरफ पत्रकार वार्ता कर रहे थे। वहीं दूसरी तरफ विवादित भूखंड पर यथास्थिति का आदेश होने के बाद भी विधायक के नाम का शिलापट लगाने की तैयारी चल रही थी। जिसकी सूचना मिलते ही पुलिस ने निर्माण कार्य को रुकवा दिया और मामला फिर एक बार सोशल मीडिया में सुर्खियां बटोरने लगा।

बताते चले कि किच्छा बाईपास मार्ग स्थित किनारे चंद्रदेव मंदिर का भूखंड का है। जिस पर वर्तमान भूखंड पर केपी गंगवार का कब्जा बताया जा रहा है। विवादित प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन था और छह जनवरी सुनवाई की तिथि तय हुई थी कि 21 दिसंबर को विधायक शिव अरोरा समर्थकों की भीड़ लेकर विवादित भूखंड पहुंचे और परिवादी पक्ष के पुजारी व महिला से हाथापाई की घटना हुई। जिसको लेकर याचिकाकर्ता केपी गंगवार ने पुनः न्यायालय में प्रार्थना पत्र दायर किया। जिसके बाद अदालत ने विधायक शिव अरोरा सहित नौ लोगों के अलावा 100 अज्ञात को नामजद करते हुए अवमानना का नोटिस जारी करते हुए पेश होने की तिथि मुकर्रर कर दी थी। अभी मामला शांत भी नहीं हुआ था कि गुरुवार को सूचना मिलती है कि विवादित भूखंड पर विधायक के नाम का शिलापट लगाया जा रहा है। जिसकी पुष्टि भूखंड पर कार्य कर रहे मिस्त्री ने भी की थी। मिस्त्री का कहना था कि ठेकेदार द्वारा ही विधायक के नाम का शिलापट लगाने का काम दिया है। दूसरी ओर जब याचिकाकर्ता केपी गंगवार को इसकी भनक लगी तो याचिकाकर्ता ने तत्काल सीओ सहित आला अधिकारियों को अवगत कराया। जिसके बाद रंपुरा चौकी पुलिस कर्मी मौके पर जाते हैं और निर्माण कार्य को रुकवा देते हैं। शिलापट लगाने की चर्चा सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोरने लगा।

विवादित भूखंड पर शिलापट लगाने की जानकारी लेती पुलिस। ● अमृत विचार

विवादित स्थल पर पड़ी ईट। ● अमृत विचार

पिंडदान के स्थान पर मिस्त्री पहुंचा विवादित भूखंड

रुद्रपुर : शिलापट लगाने के प्रकरण में जब विधायक शिव अरोरा से पूछा गया तो विधायक का कहना था कि विधायक निधि से पिंडदान स्थल का विस्तारीकरण किया जा रहा है। जो कि विवादित भूखंड के बेहद करीब है, लेकिन ठेकेदार के आदेश पर मजदूर और मिस्त्री गलतफहमी के कारण विवादित भूखंड पर शिलापट लगाने की तैयारी करने लगे। जिसकी जानकारी मिलते ही कार्यदायी ठेकेदार को फटकार लगाई गई और न्यायालय के आदेशों का पालन करने की हिदायत देते हुए तत्काल कार्य रुकवाने का आदेश दिया गया। जिसके बाद शिलापट का कार्य पिंडदान स्थल पर शुरू हुआ। उनके द्वारा कोई भी शिलापट लगाने का आदेश नहीं दिया था।

विधायक बार-बार कर रहे आदेशों की अवहेलना

रुद्रपुर : विवादित भूखंड के याचिकाकर्ता केपी गंगवार ने कहा कि विधायक बार-बार न्यायालय के आदेशों की अवहेलना कर रहे हैं। जिसको लेकर वह हर बार न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर स्थिति से अवगत कराने की कोशिश कर रहे है। जिस प्रकार गुंडई के बल पर मंदिर का ताला तोड़कर कब्जा करने का प्रयास किया गया। उसी प्रकार गुरुवार को भी विवादित भूखंड पर शिलापट लगाने की कोशिश की गई। जिसकी जानकारी मिलते ही मिस्त्री द्वारा स्वीकार किया गया कि ठेकेदार के आदेश पर विधायक का शिलापट लगाने का काम मिला है। जिसकी जानकारी तत्काल पुलिस के आला अधिकारियों को दी और पुलिस कर्मियों ने निर्माण कार्य को रुकवाया है। शिलापट प्रकरण को भी अदालत के सामने पेश किया जाएगा।

धर्म की रक्षा के लिए जेल जाने को हैं तैयार : विधायक

रुद्रपुर : गुरुवार को अवमानना नोटिस जारी होने के बाद पलटवार करते हुए विधायक शिव अरोरा ने अपने कार्यालय पर प्रेस वार्ता की। उन्होंने कहा कि धर्म की रक्षा के लिए वह जेल जाने को भी तैयार है,लेकिन धार्मिक स्थल पर कब्जा नहीं होने दिया जाएगा। कहा कि याचिकाकर्ता द्वारा अदालत के सामने गलत तथ्य पेश कर गुमराह किया है। न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करना भारतीय नागरिक की जिम्मेदारी है। भू माफिया हो या फिर धार्मिक आस्था पर ठेस पहुंचाने वालों का विरोध किया जाएगा। दूसरे पक्ष ने अभी तक अदालत में कोई भी पक्ष नहीं रखा है और याचिकाकर्ता खुलेआम अदालत के आदेश को एकपक्षीय करार दे रहे है। भुर्जी समाज अपना पक्ष रखकर दूध का दूध पानी का पानी कर देगा। चंद्र देव महाराज के मंदिर पर पूजा अर्चना करने पर कोई रोक नहीं है। वह कोर्ट में पेश होकर विवादित भूखंड पर याचिकाकर्ता के इरादों को बताया जाएगा। उनके विधायक कार्यकाल में भू माफियाओं को खदेड़ा जाएगा।

पीएम-सीएम पर की टिप्पणी

रुद्रपुर:-पीएम-सीएम और गौवंशीय पशुओं के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी करने का मामला सामने आया है। विशेष समुदाय के युवकों के खिलाफ तहरीर देने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार रेशम बाड़ी वार्ड-12 निवासी पप्पू रस्तोगी ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि उसकी मोहल्ले में ही ज्वेलरी की दुकान है। दोपहर 12 बजे दो विशेष समुदाय के युवक फेसबुक आईडी पर मिलियन फॉलोवर्स व्यक्ति की तारीफ कर रहे थे कि तभी विशेष समुदाय का ही युवक आया और पहले गोवंशीय पशुओं पर अशोभनीय टिप्पणी करते हुए देश के प्रधानमंत्री और प्रदेश के मुख्यमंत्री के खिलाफ अभद्र और अशोभनीय शब्दों का प्रयोग करने लगा। जब इसका विरोध किया,तो युवक ने हाथापाई शुरू कर दी। आरोप था कि इससे पहले भी युवक सांप्रदायिक तनाव पैदा करने का प्रयास कर चुका है और सोशल मीडिया पर भी अशोभनीय टिप्पणी करता रहता है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जिसकी जानकारी मिलते ही हिंदूवादी नेता बिट्टू शर्मा ने रंपुरा चौकी प्रभारी से मुलाकात कर जल्द गिरफ्तारी का मुद्दा उठाया।

घने कोहरे में आपस में टकराए दो डंपर

कोहरे में टक्कर के बाद क्षतिग्रस्त डंपर। ● अमृत विचार

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: क्षेत्र में घने कोहरे के कारण सड़कों पर हादसों का सिलसिला शुरू हो गया है। बीती रात आईआईएम के पास एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें दो डंपर आपस में टकरा गए। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

जानकारी के अनुसार, क्षेत्र में छाए घने कोहरे के कारण सामने का दृश्य साफ नहीं था। इसी दौरान एक डंपर अनियंत्रित होकर आगे चल रहे दूसरे डंपर में पीछे से जा घुसा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहनों के अगले हिस्से को क्षति पहुंची, लेकिन दोनों ही गाड़ियों के चालक सुरक्षित बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही संबंधित पक्षों में बातचीत हुई। वाहन स्वामी पप्पू निवासी रामपुर ने जानकारी दी कि दुर्घटना के बाद दोनों डंपर स्वामियों ने सूझबूझ का परिचय दिया। पुलिस कार्रवाई के बजाय दोनों पक्षों ने आपस में समझौता कर लिया है, जिसके बाद मामला शांत हो गया। कुंडेश्वरी चौकी प्रभारी चंदन बिष्ट ने बताया कि एक्सीडेंट की सूचना चौकी तक नहीं पहुंची हालांकि जानकारी मिली थी कि दोनों पक्षों में समझौता हो गया था। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। उन्होंने कोहरे के दौरान वाहनों की रफ्तार धीमी रखने और फाग लाइट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने कि वाहन चालकों से अपील की है। ताकि ऐसे हादसों से बचा जा सके।

बाजपुर में ई-रिक्शा यूनियन पदाधिकारियों की बैठक लेते कोतवाल नरेश चौहान।

नगर को जाममुक्त रखने को अहम निर्णय लिए

बाजपुर : बाजपुर क्षेत्र में ई-रिक्शा यूनियन के गठन के बाद गुरुवार को कोतवाल नरेश चौहान ने यूनियन पदाधिकारियों और ई-रिक्शा चालकों की बैठक ली। बैठक में नगर को जाममुक्त रखने के लिए कई अहम निर्णय लिए गए। बैठक में तय हुआ कि नगर क्षेत्र में बिना पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) के कोई भी ई-रिक्शा नहीं चलेगा। जिन ई-रिक्शाओं के पास रजिस्ट्रेशन नहीं है, उन्हें एक माह का समय दिया जाएगा। इसके बाद नियमों का पालन न करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सभी ई-रिक्शाओं के दाहिने तरफ जाली लगाना अनिवार्य किया गया है। चालकों को यह भी निर्देश दिया गया कि वह निर्धारित रूट पर ही संचालन करेंगे। नगर में भीड़भाड़ को देखते हुए बैठक में यह सहमति बनी कि एक दिन में केवल 20 ई-रिक्शा ही शहर के अंदर संचालित होंगे। यह व्यवस्था 6 जनवरी 2026 से लागू होगी। ई-रिक्शा यूनियन के संरक्षक नवदीप कंग, अध्यक्ष नदीम मौजूद रहे।

दरोगा को घसीटते हुए ले गया चालक

- दरोगा को आई मामूली चोट, काट दिया चालान
- सीज हुआ टुकटुक, डीडी चौक का है मामला

संवाददाता,रुद्रपुर

अमृत विचार: यातायात पुलिस विभाग के दरोगा को टुकटुक रोकना उस वक्त महंगा पड़ गया। जब चालक दरोगा को घसीटता हुआ सौ मीटर तक ले गया। जिस कारण दरोगा को मामूली चोट आई और सहकर्मियों में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में टुकटुक चालक को पकड़ा और चालानी कार्रवाई करते हुए टुकटुक को सीज कर दिया।

हुआ यूं कि रोजमर्रा की भांति यातायात विभाग में दरोगा राम सिंह डीडी चौक पर ड्यूटी पर तैनात थे कि तभी गलत दिशा से आता हुआ एक टुकटुक दिखा। जैसे ही दरोगा ने टुकटुक का अगला हिस्सा पकड़ा ही था कि चालक सामने खड़े दरोगा को घसीटता हुआ डीडी चौक से लेकर अग्रसेन चौक तक ले गया। जिसकी दूरी करीब सौ मीटर रही होगी। दरोगा को घसीटता हुआ देख यातायात पुलिसकर्मी दौड़ पड़े और चालक को पकड़कर यातायात चौकी डीडी चौक लेकर आए। जहां दरोगा को मामूली चोट का उपचार कराने के बाद पुलिस ने चालक के खिलाफ एमबी एक्ट में चालानी कार्रवाई की और टुकटुक को सीज कर दिया। दरोगा के साथ हुई घटना चर्चा का विषय बनी हुई है।

सीज की कार्रवाई करती पुलिस। ● अमृत विचार

विरोध

अंकिता भंडारी के हत्यारों को फांसी देने की मांग, हत्यारोपियों को बचाने का लगाया आरोप, भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की

दिनेशपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार का पुतला फूंका

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: कांग्रेसियों ने प्रदेश सरकार पर अंकिता हत्याकांड के आरोपियों को बचाने का आरोप लगाते जमकर नारेबाजी करते हुए पुतला फूंका। उनका आरोप था कि सरकार प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा व सम्मान को अनदेखा कर रही है।

गुरुवार को सायं 5 बजे झंडा चौक चक्कीमोड़ पर दर्जनों कांग्रेसी एकत्र हुए। इस दौरान कांग्रेस प्रदेश महामंत्री ममता हालदार ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार हर मोर्चे पर सफल होती दिख रही है। जिपं पूर्व उपाध्यक्ष त्रिनाथ विश्वास ने कहा कि भाजपा सरकार में महिलाओं के साथ उत्पीड़न व यौन शोषण बढ़ा है। सरकार आरोपियों को बचाने के लिए उन्हें वीआईपी बताकर कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। यूथ कांग्रेस पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सुमित्तर भुल्लर ने कहा कि प्रदेश में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। प्रदेश की भाजपा सरकार महिलाओं पर अत्याचार कर रहे अत्याचारियों को बचाने में लगी हुई है। पूर्व विधायक प्रेमानंद महाजन ने कहा कि प्रदेश में बढ़ रही गुंडागर्दी व भ्रष्टाचार को रोकने के लिए प्रदेश की जनता को जागरूक होना पड़ेगा। नुक्कड़ सभा को ब्लॉक अध्यक्ष चंदन सिंह नयाल, कोपा पूर्व प्रधान मनोज देवराड़ी, सहकारी समिति डायरेक्टर मोहित चौहान उर्फ कमांडो, कांग्रेस नेता श्याम सिंह देऊपा, नगराध्यक्ष नारायण हालदार आदि ने संबोधित किया। इस मौके पर वरिष्ठ नेता कुंवर सिंह सकतपुरिया, जिला उपाध्यक्ष नित्यानंद मंडल, किशोर सामंत, वीरेंद्र नाथ हालदार, अजय राय, ललित खोलिया, चंचल सिंह देऊपा, चंद्रमणि देवराड़ी, कृष्ण पद विश्वास, विनोद कमार, सुभाष हालदार, हरिपद मंडल, विश्वजीत ढाली, शुभान पानू, शुभम शर्मा, नरेंद्र सिंह मेहता, गोपाल मंडल आदि मौजूद रहे।

दिनेशपुर के झंडा चौक चक्कीमोड़ पर भाजपा सरकार का पुतला फूंकते कांग्रेसी।

खटीमा में भाजपा प्रदेश सरकार का पुतला फूंकते कांग्रेस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने को लेकर कांग्रेसी लामबंद

खटीमा : कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उत्तराखंड की बेटी अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने को लेकर मुख्य चौक पर राज्य की भाजपा सरकार का पुतला दहन किया। मुख्य चौक पर एकत्र हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि अंकिता भंडारी हत्याकांड के दिन जिस प्रकार घटना स्थल पर बुलडोजर चलाया गया, उसे लेकर शुरू से ही कांग्रेस ने सवाल उठाए थे। उस समय भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री को "हनुमान" और "धाकड़" बताकर इस कार्रवाई का महिमा मंडन किया। जबकि कांग्रेस का मानना था कि यह कार्रवाई साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से की गई है। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष विनोद चंद, मान सिंह, जिलाध्यक्ष महिला कांग्रेस रेखा सोनकर, नरेंद्र आर्या, राजकिशोर सक्सेना मौजूद रहे।

शेयर ट्रेडिंग का झांसा देकर हड़पे 24.50 लाख

संवाददाता,रुद्रपुर

- कम निवेश कर दोगुना मुनाफे का दिया लालच

अमृत विचार: ऑनलाइन शेयर ट्रेडिग का झांसा देकर लाखों रुपये की साइबर ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार गांव सहदौरा पुलभट्टा किच्छा निवासी जितेंद्र सिंह ने बताया कि 27 सितंबर को मोबाइल पर चित्रा शर्मा नाम की महिला ने मैसेज भेजा। जो खुद को बुटीक संचालिका बताते हुए शेयर ट्रेडिंग की जानकारी दे रही थी। बताया कि वह कम निवेश कर दोगुना मुनाफा कमा रही है। व्हाट्सअप चैटिंग के दौरान शेयर ट्रेडिंग की डिटेल भी भेजी।

जैसे ही लिंक पर क्लिक किया, वैसे ही शेयर ट्रेडिंग की वेबसाइट खुल गई और कॉलर के कहने पर उसने 30 अक्टूबर से 11 नवंबर तक बताए खाते में 24.50 लाख की रकम डाल दी और कई दिन बीत जाने के बाद खाते में मुनाफा नहीं आया तो महिला कॉलर टालमटोल करने लगी। दबाव बनाने पर कॉलर ने संपर्क करना बंद कर दिया और वेबसाइट भी बंद हो गई। जिसके बाद साइबर ठगी का एहसास हुआ।

सिटी ब्रीफ

असम राइफल्स के पूर्व सैनिकों का वार्षिक सम्मेलन

खटीमा : असम राइफल्स के पूर्व सैनिकों का वार्षिक सम्मेलन तहसील परिसर में सूबेदार क्लर्क नेत्र सिंह ज्याला की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। बैठक में उन्होंने सर्वप्रथम पूर्व सैनिकों और मातृ शक्ति के प्रति आभार व्यक्त किया जो कि इस ठंडे के मौसम अपना कीमती समय निकाल कर दूर दूर इलाके से आए हैं। तत्पश्चात शहीद सैनिकों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजलि दी गई। बैठक में महानिदेशालय से आए पत्रों और निर्देशों से अवगत कराया गया। सम्मेलन में 80 पूर्व सैनिक, वीर नारी और मातृ शक्ति उपस्थित रहे। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष जोहार सिंह पोखरिया, प्रताप सिंह महर, भूपेंद्र चंद्र पांडे उपाध्यक्ष, सचिव किशन सिंह अधिकारी, कोषाध्यक्ष पूरन सिंह महर, आनंद सिंह, दलीप सिंह पोखरिया उपस्थित रहे।

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने 23 वर्ष पूरे किए

काशीपुर : अखंड, मजबूत और समरस भारत के संकल्प के साथ मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने अपने 23 वर्ष पूर्ण कर 24 वें वर्ष में प्रवेश किया। स्थापना दिवस के अवसर पर मंच के कार्यकर्ताओं ने काशीपुर में द्रोणा सागर स्थित गौशाला पहुंचकर गौ-सेवा की और समाज को सेवा, शांति और सद्भाव का संदेश दिया। इस मौके पर डा. मोहम्मद हसन नूरी क्षेत्र संयोजक, पश्चिमी उत्तर प्रदेश/उत्तराखंड ने कहा कि सेवा रहमत और इंसानियत ही इस्लाम का मूल संदेश है। वहां राष्ट्रीय संयोजक तुषार कांत हिंदुस्तानी, मिर्जा नदीम बेग, अली जान, नौशाद अली अंसारी आदि मौजूद रहे।

मैत्री- विभा महोत्सव के साक्षी बने देश भर से आए हजारों अनुयायी

हर्षोल्लास से मनाया ठाकुर अनुकुलचंद्र का 138 वां जन्मोत्सव, कई कार्यक्रम हुए

संवाददाता शक्तिफार्म

अमृत विचार : श्री श्री ठाकुर अनुकुलचंद्र का 138वां जन्मोत्सव नगर में मैत्री विभा महोत्सव के रूप में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

मुख्य सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि ठाकुर अनुकुलचंद्र ने समाज निर्माण में मातृत्व को सर्वोच्च स्थान दिया है। उन्होंने अपने उपदेशों में कहा है कि मां ही बच्चे की पहली गुरु होती है, इसलिए संस्कारित समाज की नींव माताओं के हाथ में है। वक्ताओं ने ठाकुर अनुकुलचंद्र के वचनों और जीवन दर्शन पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने उनकी वाणी "जीवन का उद्देश्य मनुष्य बनना है, केवल जीना नहीं" को वर्तमान समय के लिए अत्यंत प्रासंगिक बताया। उन्होंने कहा कि ठाकुर का संदेश व्यक्ति को चरित्रवान, कर्तव्यनिष्ठ और समाजोपयोगी बनने की प्रेरणा देता है। सभा में ठाकुर अनुकुलचंद्र के उपदेश "चरित्र ही मनुष्य की सबसे बड़ी पूंजी है" पर विशेष जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि यदि व्यक्ति अपने जीवन में इन वचनों को आत्मसात कर ले, तो पारिवारिक और सामाजिक जीवन स्वतः सुदृढ़ हो जाता है। इस मौके पर आंचलिक उत्सव कमेटी अध्यक्ष सूरज देवनाथ, रवि मजूमदार, तपन मंडल, उत्तम दास, सुजीत मजूमदार, सुब्रत दास, बांकेश सरदार, हराधन शाह, हराधन साना, दिलीप सरकार, अनूप राय, समर देवनाथ, अरुण मंडल, पंचानन मंडल, संजय हालदार, तापस दास, त्रिनाथ विश्वास, सब्यसाची हालदार, उमाशंकर बनर्जी, नंदलाल मजूमदार, महेंद्र सरकार, संजीत मिस्त्री, जितेंद्र मंडल, श्रीपति विश्वास आदि मौजूद रहे।

मातृ सम्मेलन के दौरान भजन प्रस्तुत करते भक्त। ● अमृत विचार

मातृ सम्मेलन हुआ आयोजित

श्री श्री ठाकुर अनुकुलचंद्र के जन्मोत्सव पर मातृ सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में वक्ताओं ने ठाकुर जी के उपदेशों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि, नारी परिवार व समाज की आधारशिला है। मातृशक्ति से सदाचार, सेवा और संस्कारों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम का समापन प्रार्थना के साथ हुआ।

मैत्री- विभा सम्मेलन में रहे मुख्य वक्ता

श्री श्री ठाकुर अनुकुलचंद्र के जन्मोत्सव पर आयोजित मैत्री विभा महोत्सव के दौरान बरेली से आए विश्वजीत बनर्जी, दिल्ली के श्यामल गांगुली, जौनपुर के डॉ. नीलेश श्रीवास्तव, पंतनगर के डॉ. आशीष घोष, देहरादून के एवी आले, पीलीभीत के कृतिकांत मंडल एवं शक्तिफार्म के नरेंद्र नाथ चटर्जी मुख्य रूप से वक्ता रहे।

नदन्ना में विकसित भारत गारंटी का रोजगार मिशन पर चर्चा

खटीमा : ग्राम पंचायत नदन्ना में ग्राम प्रधान माया जोशी की अध्यक्षता में विकसित भारत गारंटी रोजगार मिशन ग्रामीण के संबंध में चर्चा हुई। जिसमें ग्राम प्रधान जोशी ने बताया कि यह बिल मनरेगा की जगह एक नया ढांचा लाने की कोशिश है, जो ग्रामीण रोजगार को विकसित भारत 2047 के विजन से जोड़ता है। यह भी बताया गया कि मनरेगा में 100 दिन रोजगार दिया जाता था। जबकि नए बिल में 125 दिन रोजगार दिया जाएगा। मनरेगा में 15 दिन में भुगतान होता था जबकि नए बिल में 7 दिन में भुगतान दिया जाएगा। उन्होंने सरकार द्वारा चलाई जा रही जा रही योजनाओं की जानकारी दी। संचालन रोजगार सेवक सुनील कुमार ने किया। इस अवसर पर वीर सिंह राणा, अनमोल राणा, हर सिंह थापा, सोनम राणा, दिनेश जोशी, ममता बिष्ट, खिला नंद जोशी, आशा जोशी, सरिता राणा, कमलेशी देवी, नवीन चंद्र भट्ट राजेंद्र सिंह सामंत, हनुमान सिंह, मिथलेश देवी मौजूद रहे।

धर्म जागरण समन्वय ने स्वामी श्रद्धानंद को याद किया

खटीमा : धर्म जागरण समन्वय द्वारा स्वामी श्रद्धानंद के बलिदान दिवस पर उनके चित्र के सम्मुख पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने कहा कि स्वामीजी की 1926 में 23 दिसंबर को हत्या हुई थी। महाराज जी ने हिन्दू से मुस्लिम व ईसाई बने लाखों लोगों को पुनः हिन्दू धर्म में घर वापसी कराकर पूरे देश में एक लहर ला दी थी। कार्यक्रम में सुधीर बंसल, गुरमीत सिंह, नरेश राणा, गणेश तिवारी, सूरज रस्तोगी, कौशल्या बाफिला, भगवान सिंह राणा मौजूद रहे।

बार एसोसिएशन के गिरजेश बने अध्यक्ष

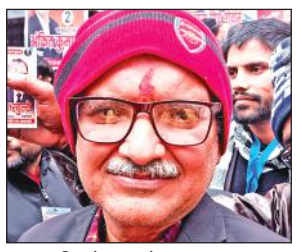

अध्यक्ष गिरजेश खुल्बे।

सचिव यशवंत चौहान।

संवाददाता, काशीपुर

- यशवंत चौहान बने सचिव, छुटपुट हंगामा होता रहा

अमृत विचार: बार एसोसिएशन का चुनाव छुटपुट हंगामे के बाद शांतिपूर्वक संपन्न हो गया। इस दौरान 545 मत प्राप्त करके गिरजेश खुल्बे बार एसोसिएशन काशीपुर के अध्यक्ष चुने गए। जबकि 486 मत प्राप्त कर यशवंत चौहान सचिव बने हैं।

बुधवार की देर रात तक विभिन्न पदों के लिए मतगणना की गई। अध्यक्ष पद पर गिरजेश खुल्बे ने 545 मत हासिल कर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी मनेश अग्रवाल को 337 मतों से हराया। उपाध्यक्ष पद पर विधु शेखर ने 211 मत हासिल कर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी सनत पैगिया को 5 मतों से हराया। सचिव पद पर यशवंत चौहान ने 486 मत हासिल कर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी अनूप शर्मा को 232 मतों से हराया। संयुक्त सचिव पद पर अंकित चौधरी ने 424 मत हासिल कर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी महेंद्र सिंह को 233 मतों से हराया।

कोषाध्यक्ष पद पर भुवन चंद्र नौटियाल ने 280 मत हासिल कर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी अरविंद सिंह को 9 मतों से हराया। पुस्तकालय अध्यक्ष पद पर राकेश प्रजापति ने 394 मत हासिल कर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी सोहन सिंह नेगी को 56 मतों से हराया। आय-व्यय निरीक्षक पद पर गौरव मेहरोत्रा ने 442 मत हासिल कर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी धमेंद्र कुमार को 149 मतों से हराया।

जबकि कार्यकारिणी सदस्य के लिए केदार सिंह, कैलाश कुमार, नरगिस, पंकुल गुप्ता, प्रीति कश्यप, प्रीति शर्मा, रणजीत सिंह विर्क व शुभम कुमार विजयी घोषित किए गए।

लोक संस्कृति दिवस मनाया गया

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: सरस्वती एकेडमी के प्रांगण में उत्तराखंड लोक संस्कृति दिवस बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान पूरा विद्यालय परिसर कुमाऊनी संस्कृति के रंगों में रंगा नजर आया।

कार्यक्रम का शुभारंभ चेयरपर्सन ज्योति पाल, संरक्षक जगदीश पाल, प्रधानाचार्य रामयश ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने छबीली, छलिया, झोड़ा नृत्य एवं कुमाऊनी लोक गीतों पर मनमोहक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मन मोह लिया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान गीता ज्याला, माया जोशी, जिला पंचायत सदस्य हीरा मुंडेला, पूर्व प्रधान अनिल चंद, सुमित पाल, पूरन जोशी, दीपक मुंडेला, बसंत बल्लभ नागरकोटी, प्रशासिका विनीता चंद, नन्द किशोर वर्मा आदि रहे। इधर डिजिटल लाइब्रेरी, थारू राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज में लोक संस्कृति दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी के निर्देशन में आयोजन समिति के निर्मल न्योलिया, डॉ. महेंद्र प्रताप पाण्डेय, मनीषा कल्पासी तथा ललित मोहन जोशी द्वारा बडोनी के व्यक्तित्व और कृतित्व निबंध, लोक भाषा भाषण तथा लोक गीत प्रतियोगिताओं को संपादित कराया। जिसमें विभिन्न विद्यालयों से चयनित 45 बच्चों ने प्रतिभाग किया। निबंध में मॉडल राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की सिमरन ने प्रथम स्थान पाया।

सरस्वती एकेडमी बिगराबाग में लोक संस्कृति दिवस पर कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे।

वीर चंद्र गढ़वाली को याद किया गया

खटीमा: उत्तराखंड क्रांति दल के जिलाध्यक्ष राम सिंह धामी के निवास पर देवभूमि उत्तराखंड के वीर सपूत पेशावर कांड के महानायक वीर चंद्र सिंह गढ़वाली की जयंती पर उन्हें याद करते हुए शत-शत नमन किया गया। जयंती समारोह में उक्रांद के राज्य निर्माण सेनानी प्रकोष्ठ के केंद्रीय अध्यक्ष शिव शंकर भाटिया ने वीर सपूत पेशावर कांड के महानायक वीर चंद्र सिंह गढ़वाली के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वीर चंद्र गढ़वाली ने 23 अप्रैल 1930 को कमांडर की अवज्ञा कर निहत्ते लोगों पर गोली चलाने से इनकार कर दिया था। जयंती समारोह में धन बहादुर चंद, विनोद राजपूत, होशियार सिंह जेठी, दुर्गा सिंह सामंत, भवानी शंकर मौजूद रहे।

महाराजा शूर सैनी की जयंती पर निकाली शोभायात्रा

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: महाराजा शूर सैनी जी की जयंती पर सैनी समाज द्वारा निकाली गई विशाल शोभायात्रा का महानगर कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं ने महानगर अध्यक्ष अलका पाल के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया।

प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी सैनी समाज के द्वारा महाराज शूर सैनी जी की विशाल शोभायात्रा स्थानीय किला बाजार से आरंभ होकर नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरती हुई लक्ष्मीपुर पट्टी स्थित सैनी धर्मशाला में पहुंचकर समाप्त हुई। इस अवसर पर महानगर कांग्रेस कमेटी की महानगर अध्यक्ष अलका पाल के नेतृत्व में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने स्थानीय किला बाजार में शोभायात्रा का पुष्पांजलि कर भव्य स्वागत किया। शोभा यात्रा का स्वागत करते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य एवं प्रदेश महासचिव अनुपम शर्मा ने कहा कि समाज की एक जुटता के लिए महापुरुषों की शोभायात्राओं का विशेष महत्व है,वहीं महानगर अध्यक्ष अलका पाल ने कि कहा पिछड़े वर्ग के महान नायको जैसे माता अहिल्याबाई होल्कर जी और महाराजा शूर सैनी जी सहित विभिन्न वर्गों के महापुरुषों की शोभा यात्राओं से जहां समाज एकजुट होता है, वही आपसी समाजस्य भी बढ़ता है। शोभा यात्रा आयोजन समिति के पदाधिकारी के द्वारा महानगर अध्यक्ष अलका पाल, एआईसीसी सदस्य एवं प्रदेश महासचिव अनुपम शर्मा, पूर्व महानगर अध्यक्ष मुशर्रफ हुसैन, संजय चतुर्वेदी, पीसीसी सचिव जितेंद्र सरस्वती आदि उपस्थित कार्यकर्ताओं को अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर गोपाल सैनी, टीका सिंह सैनी, एडवोकेट राजेंद्र सैनी, अशोक सैनी, घनश्याम सैनी, रामकिशोर सैनी, पार्षद सुरेश सैनी, तेज बहादुर सैनी, बृजेश सैनी, ओम प्रकाश सैनी, राजवीर सैनी, विजेंद्र सैनी, सौरभ सैनी आदि ने शोभायात्रा में प्रतिभाग किया।

काशीपुर में शोभायात्रा निकालते सैनी समाज के लोग। ● अमृत विचार

काशीपुर में निकलता नगर कीर्तन। ● अमृत विचार

शहीद दिवस पर काशीपुर में निकला नगर कीर्तन

काशीपुर : सिख धर्म के दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह के चारों वीर साहिबजादों, साहिबजादा अजीत सिंह, जुझार सिंह, जोरावर सिंह और फतेह सिंह तथा माता गुज्जर कौर के अद्वितीय बलिदान को यहां श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कुंडेश्वरी चौराहे पर दूध लंगर व रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 50 यूनिट रक्त एकत्र हुआ। मलकीत सिंह विर्क ने साहिबजादों की कुर्बानी को याद करते हुए बताया कि साहस उम्र का मोहताज नहीं होता। श्री गुरु गोविंद सिंह जी के साहिबजादों ने यह दिखा दिया कि सच्चाई और आत्मसम्मान के लिए खड़े होना सबसे बड़ा धर्म है। वहीं, जसपुर खुर्द स्थित गुरुद्वारे से नगर कीर्तन निकला गया। कार्यक्रम में गुरबख्श सिंह बग्गा, साहब सिंह विर्क, लवजीत संधू, तरसेम सिंह कनाडा, जगप्रीत सिंह, गुरपेज़ सिंह विर्क, सुखवंत सिंह ढिल्लों, गुरप्रीत सिंह पुरेवाल, प्रीत बाजवा, बंटी सलारिया आदि उपस्थित रहे।

जिला क्रिकेट लीग का हुआ आगाज

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ़ उधम सिंह नगर के तत्वावधान में सीनियर पुरुष वर्ग के जिला क्रिकेट लीग प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच एमेनिटी स्पोर्ट्स ग्राउंड पर कर्मा क्रिकेट अकादमी और एमेनिटी स्पोर्ट्स अकादमी के मध्य खेला गया।

एमेनिटी स्पोर्ट्स अकादमी के कप्तान शशांक पंत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया और 44.1 ओवरों में 241 रनों पर पूरी टीम आउट हो गई। टीम खिलाड़ी मृत्युंजय नेगी ने 102 रन की शानदार पारी खेली। आयुष त्रिपाठी ने 37 और शशांक पंत ने 30 रनों का टीम को योगदान दिया। कर्मा क्रिकेट अकादमी की तरफ से अनिंश बत्रा ने 5 और आयुष पंत ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कर्मा क्रिकेट अकादमी की पूरी टीम 126 रनों पर ऑल आउट हो गई।

कर्मा क्रिकेट अकादमी के आमिर ने 39 और अनीश बत्रा ने 24 रनों का योगदान दिया। एमेनिटी स्पोर्ट्स अकादमी की तरफ चेतन सिंह ने 4 और आदित्य राणा ने 3 विकेट लिए। एमेनिटी स्पोर्ट्स अकादमी ने कर्मा क्रिकेट अकादमी को 115 से हराकर अपना पहला मैच जीत कर दो अंक हासिल कर लिए। इस दौरान मैन ऑफ द मैच मृत्युंजय नेगी रहे। अंपायर की भूमिका राजेंद्र कुमार और जेपी सिंह द्वारा निभाई गई। ऑनलाइन स्कोरिंग अरमान द्वारा की गई। इससे पूर्व उद्घाटन मैच के मुख्य अतिथि क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के उप सचिव नूर आलम ने फीता काटकर किया।

जिला क्रिकेट लीग में प्रतिभाग करते खिलाड़ी। ● अमृत विचार

इनोवेशन हाउस का रहा दबदबा

खटीमा : डायनेस्टी मॉडर्न गुरुकुल एकेडमी छिनकी फार्म में आयोजित वार्षिक खेलोत्सव के चौथे दिन इनोवेशन हाउस ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी बढ़त बनाई। प्रतिदिन की भांति बृहस्पतिवार को कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा के पूर्व प्रदेश महामंत्री भाजपा राजू भंडारी, ठाकुर सिंह खाती, केडी भट्ट, बीएस मेहता, जेएस बसेड़ा, भुवन चंद्र भट्ट, नवीन कापड़ी, शंकर लोहनी, जगदीश पांडे, शांति पांडे, सावित्री चंद और प्रबंधन समिति ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। चार दिन के खेलों में इन्वेंशन, डिस्कवरी, इनोवेशन व क्रिएशन हाउस के बीच कांटे की टक्कर जारी है। सर्वाधिक अंक प्राप्त कर इनोवेशन हाउस प्रथम स्थान पर बना हुआ है।

खटीमा के चकरपुर में खेल सामग्री वितरित करते ग्राम प्रधान और अन्य।

जीबी पंत कॉलेज सहित 12 विद्यालयों में खेल सामग्री बांटी

खटीमा : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की पहल पर खटीमा क्षेत्र के विद्यालयों में सीएसआर फंड से खेल सामग्री का वितरण किया गया। मुख्यमंत्री धामी के नशा मुक्त उत्तराखंड के अभियान के तहत धामी ने उद्योगपतियों से उत्तराखंड के विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं सहित खेल को बढ़ावा देने की अपील की थी। जिसके तहत खटीमा क्षेत्र के विद्यालयों को सौगात मिली है। खेल सामग्री प्राप्त करने वालों में हेमवती नंदन बहुगुणा महाविद्यालय, गोविंद बल्लभ पंत इंटर कॉलेज चकरपुर, राजकीय इंटर कॉलेज बंडिया, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज खटीमा, राजकीय प्राथमिक विद्यालय कुटरी, राजकीय प्राथमिक विद्यालय पचौरिया, टेकचंद बंसल शिशु मंदिर चकरपुर, शहीद हरिकिशन शिक्षण संस्थान इंटर कॉलेज अशोक फॉर्म, राजकीय प्राथमिक विद्यालय मेलाघाट, राजकीय मॉडर्न प्राथमिक विद्यालय थारू पट्टी, राजकीय प्राथमिक विद्यालय बंड़िया शामिल हैं। खेल सामग्री वितरण कार्यक्रम में ग्राम प्रधान कुटरी दीपा देवी, प्रधानाचार्य पंचदेव सिंह, मोहन जोशी, दीवान रावत, सूरज कुमार, रविंद्र बंसल, बबीता कुमारी, पुष्पा देवी आदि मौजूद थे।

आक्रोश | ग्रामीणों ने वाहनों को सड़क पर रोककर जाम लगाया

ओवरलोड डंपरों का विरोध किया

ग्राम बरवाला में आक्रोशित ग्रामीणों को समझाती केलाखेड़ा थाने की पुलिस।

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: केलाखेड़ा क्षेत्र के ग्राम बरवाला में गुरुवार को ओवरलोडिंग डंपरों के विरोध में ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। भारी क्षमता से अधिक लदे डंपरों के रोजाना तेज रफ्तार से गुजरने से परेशान ग्रामीणों ने वाहनों को सड़क पर रोककर जोरदार विरोध जताया, जिसके कारण मुख्य मार्ग पर लंबा जाम लग गया और आवागमन काफी देर तक बाधित रहा। ग्रामीणों का आरोप है कि ओवरलोडिंग डंपरों की तीव्र रफ्तार और तेज आवाज से दुर्घटनाओं का खतरा हमेशा बना रहता है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, पूर्व में इस मार्ग पर कई हादसे हो चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। स्थिति से व्यथित होकर ग्रामीणों ने सुबह सड़क जाम कर दिया। वहीं सूचना पर केलाखेड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शन कर रहे लोगों को किसी तरह समझा-बुझाकर शांत कराया। पुलिस ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि ओवरलोडिंग वाहनों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं ग्रामीणों ने स्पष्ट कहा कि अब वे केवल आश्वासन नहीं, बल्कि समस्या का स्थायी समाधान चाहते हैं।

खटीमा में वक्फ बोर्ड के चेयरमैन शादाब शम्स का स्वागत करते कार्यकर्ता।

वक्फ बोर्ड के चेयरमैन शादाब शम्स का स्वागत

खटीमा : उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के चेयरमैन शादाब शम्स के खटीमा पहुंचने पर जामा मस्जिद के प्रशासक कामिल खान के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया। शादाब शम्स ने कहा कि देश भर में मोदी सरकार द्वारा वक्फ अमेंडमेंट बिल के जरिए वक्फ संपत्तियों के संरक्षण करने एवं वक्फ माफियाओं पर नकेल कसने की शुरुआत है। जामा मस्जिद परिसर में उन्होंने कहा कि पीएम मोदी जो वक्फ संपत्तियों को संरक्षित करने के लिए अमेनमेंट बिल लाए हैं, वह उम्दा कदम है। उन्होंने उम्मीद पोर्टल में तमाम वक्फ संपत्तियों को दर्ज करने की भी अपील की। उन्होंने वक्फ माफियाओं पर नकेल कसने हेतु धामी एवं मोदी सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि वक्फ अल्लाह की संपत्ति कहते है इसलिए उसका हिसाब किताब भी साफ सुधरा होना चाहिए। इस अवसर पर जामा मस्जिद के प्रशासक कामिल खान, डॉक्टर यूनिस चौधरी, डॉक्टर हसन नूरी, गुलफाम शेख, असलम अंसारी, लईक अहमद, अब्दुल शकूर, दानिश खान, शब्बीर हुसैन आदि मौजूद रहे।

शिविर में बच्चों ने की साफ सफाई

संवाददाता, शांतिपुरी

अमृत विचार: शांतिपुरी नंबर एक में आदर्श राजकीय इंटर कॉलेज के सात दिवसीय शिविर में चौथे दिन मुख्य अतिथि वन विभाग क्षेत्राधिकारी डॉली रेंजर नवीन पवार ने बच्चों को वन के महत्व व बचाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि जीवन जीने के लिये ऑक्सीजन हमें पेड़ पौधों से मिलती है। इसलिये हमे अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाकर जीवन चक्र को संतुलित करना चाहिये। वही बौद्धिक कार्यक्रम में मौन पालन स्वरोजगार से भुबन चंद्र बुघानी, पत्रकार वीरेंद्र कोरंगा, अंतराष्ट्रीय व्हीलचेयर क्रिकेट खिलाडी धन सिंह कोरंगा, पीटीए अध्यक्ष मोहन कोरंगा ने भी एनएसएस छात्र छात्राओं का हौसला बढ़ाया। इस दौरान बच्चों ने आसपास ग्राम सभा की साफ-सफाई की और जागरूकता अभियान से ग्रामीणों को नशा, कुरीतियों को लेकर जागरूक किया। इस दौरान पीटीए अध्यक्ष मोहन कोरंगा, वन दरोगा राजकुमार यादव, जगदीश कांडपाल, वनजीव प्रेमी सोनू कार्की, दिग्विजय खाती, लक्ष्मण कोरंगा, एन एस एस प्रभारी प्रियंका पवार, अमित गुप्ता, चंदन नेगी आदि मौजूद रहे।

राजकीय इंटर कॉलेज के एनएसएस शिविर को संबोधित करते वन क्षेत्राधिकारी नवीन पवार।

ब्रीफ न्यूज

आंगनबाड़ी केन्द्रों पर हुई मातृशक्ति सम्मानित

आंगनबाड़ी केन्द्र सोनगांव चौखुटिया में गोद भराई कार्यक्रम। ● अमृत विचार

बैरती (अल्मोड़ा)। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत क्षेत्र के आंगनबाड़ी केन्द्रों सोनगांव, उलैनी, आगरमनराल व खीड़ा आदि पर गर्भवती महिलाओं के गोद भराई कार्यक्रम संपन्न हुए। इनमें गर्भवती महिलाओं को फल, फूल व नारियल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आंगनबाड़ी क्षेत्रीय सुपरवाइजर राधिका बिष्ट, चंपा फुलारा कार्यकत्री चंपा बिष्ट, शोभा नेगी, सुनीता, किरन त्रिपाठी, बिमला मनराल, प्रभा गोस्वामी व खिमुली देवी आदि रहे।

नोडल अधिकारी ने सुनीं हेलागोठ में जनसमस्याएं

बनबसा : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कैंप कार्यालय नोडल अधिकारी केदार सिंह बृजवाल के द्वारा ग्राम चंदनी के हेलागोठ तोक में जनसंवाद कर समास्याएं सुनीं गई। इस अवसर पर ग्रामीणों द्वारा मुख्य रूप से भू-कटाव रोकथाम, आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण, सौर ऊर्जा व्यवस्था, शौचालय एवं गौशाला निर्माण आदि की मांग की गईं। मौके से ही बृजवाल ने डीएम मनीष कुमार से दूरभाष पर वार्ता कर समाधान के संबंध में आवश्यक चर्चा की। यहां वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी जीवन सिंह नेगी, ग्राम प्रधान चंदनी प्रमिला ज्याला आदि जनप्रतिनिधि व ग्रामीण उपस्थित रहे।

न्याय में देरी, न्याय से इंकार के समान

हल्द्वानी : यूकेडी ने अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने की मांग को लेकर आंदोलन किया। साथ ही कहा कि न्याय में देरी नहीं होनी चाहिए। उक्रांद के केंद्रीय युवा प्रभारी कमल जोशी ने कहा अंकिता भंडारी सिर्फ एक नाम नहीं है, बल्कि उत्तराखंड की हर बेटी की सुरक्षा और सम्मान का सवाल है जब तक दोषियों को कड़ी सजा नहीं मिलती, उत्तराखंड क्रांति दल चुप नहीं बैठेगा। साथ ही स्पष्ट किया कि न्याय में देरी, न्याय से इंकार के समान है। यूकेडी नेताओं ने दो टूक शब्दों में कहा कि यह आंदोलन यहीं समाप्त नहीं होगा, बल्कि आने वाले समय में इसे और व्यापक स्तर पर चलाया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में अंकिता भंडारी को श्रद्धांजलि अर्पित कर आंदोलन का समापन किया गया।

नववर्ष को लेकर पुलिस अलर्ट

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः नववर्ष के स्वागत को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने जिलेभर में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत कर दिया है। किसी भी प्रकार की अव्यवस्था, हुड़दंग या कानून-व्यवस्था भंग करने की कोशिशों से निपटने के लिए पुलिस पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रही है।

पर्यटन सीजन के चलते बिनसर, कसारदेवी, मारचूला, रानीखेत सहित अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों पर देश-विदेश से पर्यटकों की आमद बढ़ने लगी है। इसको देखते हुए सभी प्रवेश द्वारों पर सघन चेकिंग अभियान शुरू कर दिया है। संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की गहन जांच के साथ पूछताछ की जा रही है, ताकि असामाजिक व आपराधिक तत्वों की आवाजाही पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। एसएसपी देवेंद्र पींचा के निर्देश पर नगर क्षेत्रों, चौराहों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई है। सीसीटीवी के माध्यम से लगातार निगरानी रखी जा रही है, वहीं इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्मों पर भी सतर्क दृष्टि रखकर अफवाह फैलाने वालों पर नजर रखी जा रही है।

अल्मोड़ा में अग्निशमन उपकरणों की जांच करती पुलिस टीम। ● अमृत विचार

फायर हाइड्रेंटों की कार्यशीलता की जांच की

नववर्ष के दौरान बढ़ने वाली भीड़ और आयोजनों को देखते हुए अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को भी चाक-चौबंद किया गया है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी नरेंद्र सिंह कुंवर के निर्देशन में फायर सर्विस टीम ने नगर क्षेत्र में स्थापित सभी फायर हाइड्रेंटों की कार्यशीलता की जांच की। विभाग ने महत्वपूर्ण संस्थानों और संवेदनशील स्थलों का फायर रिस्क निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अधिकारियों ने बताया कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए विभाग पूरी तरह तैयार है और सुरक्षा मानकों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बडन मेमोरियल चर्च में ईसाई समुदाय के लोगों ने की प्रार्थना सभा

अल्मोड़ा में धूमधाम से मनाया क्रिसमस

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः नगर में क्रिसमस पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ईसाई समुदाय के लोगों ने प्रभु यीशु मसीह से देश में अमन-शांति और भाईचारे की कामना की। नगर स्थित बडन मेमोरियल चर्च में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। ईसाई समुदाय के साथ ही विभिन्न धर्मों के लोगों ने भी चर्च पहुंचकर क्रिसमस-डे मनाया और प्रार्थना सभा में सहभागिता की।

बडन मेमोरियल चर्च में क्रिसमस को लेकर विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। सुबह साढ़े दस बजे प्रार्थना के साथ कार्यक्रमों की शुरुआत हुई।

अल्मोड़ा बडन मेमोरियल चर्च में बुधवार को क्रिसमस के अवसर पर प्रार्थना सभा में मौजूद लोग। ● अमृत विचार

इस अवसर पर चर्च के पादरी रॉबिंसन दास ने मुख्य संदेश देते हुए कहा कि प्रभु यीशु मसीह का जन्म संपूर्ण मानव जाति के उद्धार के लिए हुआ। उन्होंने प्रेम, शांति और सौहार्द के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। प्रभु यीशु मसीह के जन्म की खुशी में चर्च समूह द्वारा विशेष कैरल्स गीत प्रस्तुत किए गए। इस दौरान विधायक मनोज तिवारी, निर्वतमान पालिकाध्यक्ष प्रकाश चंद्र जोशी, कांग्रेस नगर अध्यक्ष तारा चंद्र जोशी, पंकज पॉल मैसी, साज सिंह, संगीत सिंह, सुशील डेविड, सुनील सिंह, शिखा दास, रागिनी मैसी, प्रथम मैसी, साक्षी स्टीफन, दिया मार्क्स, विटी विल्सन, एम ट्रेसी, वी सनी, सुषमा डेविड रहे।

बांग्लादेश में हिंदू युवक की हत्या पर रोष

हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार रोकने की मांग, मारे जा रहे हिंदुओं को दी श्रद्धांजलि

सवाददाता, रानीखेत

अमृत विचार : बांग्लादेश में मार-मारकर जिंदा जला दिए गए हिन्दू युवक दीपू चंद दास और वहां लगातार हो रही हिन्दुओं की वीभत्स हत्याओं, हिन्दू बहन-बेटियों के बलात्कार, हिन्दू धर्म परिवर्तन और जेहाद की घटनाओं के विरोध में गुरुवार को गांधी चौक में बांग्लादेश का पुतला दहन किया गया और दीपू चंद दास सहित बेकसूर मारे जा रहे हिंदुओं को श्रद्धांजलि दी गई।

इस अवसर पर विश्व हिन्दू परिषद के जिलाध्यक्ष हर्षवर्धन पंत ने कहा कि बंगलादेश में सुनियोजित तरीके से हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। ये जेहादी मानसिकता जो अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बांग्लादेश, ईरान से आगे बढ़कर अब हमारे घरों में लगातार घुसने की कोशिश कर रही है जिसका कड़ा प्रतिरोध व प्रतिकार होना चाहिए ताकि जेहादी मानसिकता हमारे परिवारों से दूर रहे।

वक्ताओं ने बांग्लादेश की लोमहर्षक घटना का जिक्र करते हुए बताया कि किस तरह धर्म के नाम पर पीट-पीटकर मार दिये गये दलित हिन्दू परिवार के इकलौते चिराग दीपू चंद दास को अधमरा कर चौराहे पर टांग कर जिंदा जला दिया गया और उनके परिवार की महिलाओं का सामूहिक बलात्कार किया गया। तदुपरांत बांग्लादेश का पुतला दहन कर दीपू चंद दास सहित बेकसूर मारे जा रहे हिंदुओं को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई।

कार्यक्रम में विश्व हिन्दू परिषद जिलाध्यक्ष हर्षवर्धन पन्त, विभाग संगठन मंत्री वेद प्रकाश, नगर अध्यक्ष नवल किशोर पाण्डेय, परासर तिवारी, नारायण सिंह, मनमोहन, पंकज, कमल कुमार, हेम चन्द्र, जिपं सदस्य हिमांशु कुमार, मदन कुवार्बी, तरुण जोशी, ललित जोशी, पावस जोशी, प्रीती गोस्वामी, विमल भट्ट, मोहन नेगी, मनोज अग्रवाल, रवि मोहन अग्रवाल, दीपक भंडारी, विपिन कुमार भार्गव, ललित मेहरा, दर्शन मेहरा, उमेश पंत आदि मौजूद रहे।

टनकपुर में बांग्लादेश सरकार का पुतला दहन करते हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

बांग्लादेश सरकार का किया पुतला दहन

टनकपुर, अमृत विचार : बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रहे अत्याचार के खिलाफ हिंदूवादी संगठनों ने नगर में बांग्लादेश सरकार के पुतले के साथ प्रदर्शन कर पुतला दहन किया। उन्होंने बांग्लादेश सरकार से हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को रोकने की मांग की। गुरुवार को बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं के साथ अत्याचार के खिलाफ हिंदू वादी संगठनों ने आक्रोश जताया। बजरंग दल के जिला संयोजक पवन मेहता वह प्रखंड मंत्री शुभम के नेतृत्व में हिंदूवादी संगठनों ने बांग्लादेश सरकार के पुतले के साथ नगर में जुलूस निकालकर प्रदर्शन किया, बाद में उन्होंने पीलीभीत चुंगी में बांग्लादेश सरकार का पुतला दहन किया। उन्होंने बांग्लादेश सरकार से तत्काल हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार रोकने की मांग की। पुतला दहन में भरत कुमार, संजय कश्यप, शिवम राठौर, निखिल कश्यप, राहुल कुमार, विनय चंद, सुमित भारती, अंशु रस्तोगी, नितिन कुमार आदि मौजूद रहे।

खंभे को लेकर उपजे विवाद ने पकड़ा तूल

अल्मोड़ाः हवालबाग विकासखंड के गधौली गांव में रास्ते पर लगे खंभे को लेकर शुरू हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीरों के आधार पर क्रॉस प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ताजा तहरीर पर पुलिस ने आठ नामजद लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया है।

गधौली निवासी पवन सिंह बोरा ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि 16 दिसंबर को पड़ोसियों के साथ रास्ते में लगे खंभे को लेकर कहासुनी हो गई थी। विवाद धीरे-धीरे बढ़ता गया और मारपीट तक पहुंच गया। बताया कि उनकी माता चंपा देवी घर लौट रही थीं, तभी रास्ते को लेकर बहस शुरू हो गई। आरोप है कि इस दौरान चंपा देवी, भावना देवी और रधुली देवी के बीच हाथापाई हो गई। पीड़ित के अनुसार घटना की जानकारी मिलते ही वह मौके पर पहुंचे, जहां कथित रूप से भावना देवी ने पत्थर से वार कर दिया, जिससे उनका मोबाइल क्षतिग्रस्त हो गया। इधर, कोतवाल योगेश चंद्र उपाध्याय ने बताया कि तहरीर के आधार पर भावना देवी, रधुली देवी, गोविंद सिंह, जानकी देवी, मोहित कनवाल, लीला देवी, पारस कनवाल और विशन सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सौंदर्यीकरण कार्यों का डीएम ने किया निरीक्षण

सौंदर्यीकरण कार्यों के निरीक्षण के दौरान डीएम मनीष कुमार, प्रतिनिधि व अन्य।

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की घोषणा के अंतर्गत जनपद चम्पावत के प्रमुख प्राकृतिक पर्यटन स्थल सिप्टी वाटरफॉल के सौंदर्यीकरण एवं गूल निर्माण कार्यों का जिलाधिकारी मनीष कुमार ने स्थलीय निरीक्षण किया।

इस परियोजना के लिए कुल 78.20 लाख की धनराशि स्वीकृत की गई थी, जिसके सापेक्ष 55.75 लाख की धनराशि में कुमाऊं मण्डल विकास निगम नैनीताल द्वारा सम्पूर्ण कार्य सम्पन्न किए गए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यों की भौतिक प्रगति, गुणवत्ता तथा तकनीकी मानकों के अनुपालन की विस्तार से समीक्षा की। डीएम द्वारा ट्रैक रूट के निर्माण एवं सौंदर्यीकरण, मुख्य एंट्रेंस गेट, स्टोन मैसनरी बेंचेज, पर्यटकों की सुविधा के लिए रेस्ट शेल्टर, पर्यटन मार्गदर्शन एवं सुरक्षा से संबंधित साइनेज सहित अन्य सहायक संरचनाओं का अवलोकन किया गया। डीएम ने निर्देश दिए कि सभी संरचनाएं क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता के अनुरूप विकसित की गई हों तथा निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ट्रैक रूट को पर्यटकों के लिए सुरक्षित बनाए रखा जाए तथा आवश्यकतानुसार चेतावनी बोर्ड एवं सुरक्षा संकेतक लगाए जाएं, जिससे पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। कहा कि सिप्टी वाटरफॉल का शांत, स्वच्छ एवं अत्यंत सुंदर प्राकृतिक वातावरण ऐसा है, जिसे प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक बार अवश्य अनुभव करना चाहिए।

मानव-वन्यजीव संघर्ष पर विभाग सतर्क

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः वन्यजीवों की बढ़ती सक्रियता और मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को देखते हुए वन विभाग सतर्क हो गया है। क्षेत्र में गुलदार और भालू की बढ़ती गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए विभाग ने प्रभावित गांवों में पिंजरे लगाए हैं और जन-जागरूकता अभियान तेज कर दिया है।

वन विभाग द्वारा आगामी 27 दिसंबर को प्रभाग दिवस आयोजित किया जा रहा है। जहां ग्रामीणों की शिकायतें सुनी जाएंगी और समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जाएगा। वन क्षेत्राधिकारी गोपाल दत्त जोशी ने अधिक से अधिक ग्रामीणों से कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की है। इधर, गुलदार की मौजूदगी से प्रभावित सीमलखेत के तोक पुरानालोहबा में विभाग ने पिंजरा लगाया है। वहीं ईड़ा, श्यालसुना, गनाई, भटकोट, सीमलखेत और रामपुर जमड़िया गांवों में गुलदार और भालू को पकड़ने के लिए अब तक कुल छह पिंजरे लगाए जा चुके हैं। वन विभाग की टीम लगातार प्रभावित क्षेत्रों में गश्त कर रही है। इड़ा, भटकोट, ड्यूना, मिरई, श्यालसुना, सीमलखेत, रामपुर जमड़िया और गनाई जैसे गांवों में ग्रामीणों को सतर्क किया जा रहा है। उन्हें शाम के बाद अकेले बाहर न निकलने, घरों के आसपास साफ-सफाई रखने, झाड़ियां काटने, रोशनी की उचित व्यवस्था करने और बच्चों व महिलाओं को समूह में आने-जाने की सलाह दी गई है। यहां मनमोहन तिवारी, वन दरोगा पंकज तिवारी, राहुल कुमार, सतपाल सिंह, प्रदीप, कार्तिक, भानु, रवि नैलवाल, ललित रौतेला, मनोज कुमार, दिनेश भट्ट, शेखर नाथ, तनुजा पाठक, सोनिया, विद्या, रुचि, मनोज सिंह, पंकज कुमार और तारा नेगी आदि रहे।

गुलदार आतंक प्रभावित क्षेत्र में विभाग द्वारा लगाया गया पिंजरा। ● अमृत विचार

द्वाराहाट में शिक्षा की गुणवत्ता पर मंथन

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ द्वाराहाट का त्रैवार्षिक अधिवेशन एवं शैक्षिक उन्नयन गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान शिक्षण व्यवस्था को सशक्त बनाने, नई शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक प्रतिनिधि नारायण रावत, संघ के प्रदेशध्यक्ष विनोद थापा, जिलाध्यक्ष पंकज पांडे, जिला महामंत्री पुष्कर कुंवर, पूर्व जिला महामंत्री युगल मठपाल एवं ब्लॉक अध्यक्ष ललित मोहन जोशी द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। वहीं प्रदेशध्यक्ष विनोद थापा ने संगठन के प्रयासों से हाल के महीनों में जारी विभिन्न शासनादेशों की जानकारी दी। अधिवेशन के द्वितीय सत्र में जिलाध्यक्ष पंकज पांडे, जिला कोषाध्यक्ष अमित शर्मा एवं चुनाव पर्यवेक्षक दीनबंधु उपाध्याय की देखरेख में विकासखंड द्वाराहाट की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें दीपक पांडेय को सर्वसम्मति से अध्यक्ष, नरेंद्र बोरा को मंत्री, चंदन बोरा को कोषाध्यक्ष, जगदीश चंद्र को वरिष्ठ उपाध्यक्ष तथा हेमा कोहली को वरिष्ठ संयुक्त मंत्री चुना गया। अंत में जिलाध्यक्ष द्वारा नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई। यहां गिरधर राणा, पंकज पंत, दीपक पांडेय, नीता पंत, त्रिलोक अधिकारी, साधना सिंह, नमिता चौधरी गजेंद्र किरौला, प्रकाश रौतेला, पूनम वर्मा, शकुंतला अधिकारी, देवेंद्र सिंह, दीक्षा जोशी, आशा पांडेय, बाला दत्त आदि रहे।

खेलों को दिनचर्या का हिस्सा बनाएं

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः एचएनबी स्टेडियम में आयोजित सांसद खेल महोत्सव का गुरुवार को भव्य समापन हुआ। समापन अवसर पर सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

महोत्सव के अंतर्गत वॉलीबॉल, खो-खो, कबड्डी, फुटबॉल, बैडमिंटन और बॉक्सिंग जैसी जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं संपन्न कराई गईं। बॉक्सिंग में सब जूनियर 64 किलोग्राम वर्ग में रुद्र प्रताप सिंह तथा एलीट 60 किलोग्राम वर्ग में निखिल आर्या ने स्वर्ण पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया। वॉलीबॉल अंडर-18 बालक वर्ग में सल्ट की टीम विजेता रही, जबकि द्वाराहाट उपविजेता बना। ओपन बालक वर्ग में कॉलेज टीम ने प्रथम तथा स्टेडियम अल्मोड़ा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। बैडमिंटन में अंडर-15 बालक वर्ग में ईशांत भाटिया, अंडर-15 बालिका एकल में नव्या, अंडर-19 बालक वर्ग में हर्षित और बालिका एकल में ज्योति मेहता ने प्रथम स्थान हासिल किया। टीम स्पर्धा के अंडर-15 बालक वर्ग में चम्पावत विजेता और अल्मोड़ा उपविजेता रहा। फुटबॉल का फाइनल मुकाबला मुनस्यारी और चम्पावत के बीच खेला गया, जिसमें चम्पावत की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुनस्यारी को 4-1 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। टम्टा ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यहां डीएम अंशुल सिंह, मेयर अजय वर्मा, जिलाध्यक्ष महेश नयाल, कैलाश शर्मा, रघुनाथ सिंह चौहान, भाजपा नगर अध्यक्ष विनीत बिष्ट आदि मौजूद रहे।

प्रतियोगिता के अव्वल प्रतिभागियों को सम्मानित करते अतिथि। ● अमृत विचार

रानीखेत में अंकित हत्याकांड को लेकर सरकार का पुतला दहन करते कांग्रेसी।

अंकिता को न्याय दिलाने के लिए कांग्रेस का प्रदर्शन

रानीखेत, अमृत विचार : प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर अंकिता भंडारी हत्याकांड में पीड़िता को न्याय दिलाने, हत्याकांड में शामिल वीआईपी का नाम उजागर करने तथा दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग को लेकर यहां गांधी चौक में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार का पुतला दहन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए कहा कि अंकिता को न्याय दिलाए बिना कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी। उन्होंने मांग की कि इस जघन्य हत्याकांड में शामिल सभी दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि जब तक अंकिता भंडारी को न्याय नहीं मिल जाता और दोषियों को सजा नहीं दी जाती, तब तक यह संघर्ष सड़कों पर जारी रहेगा। कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष अरुण रावत, महिला जिलाध्यक्ष गीता पवार, ग्राम प्रधान वलना प्रीति पंत, कॉर्डिनेटर कुलदीप कुमार, पूर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष भगवंत नेगी, अगस्त लाल साह, त्रिभुवन शर्मा, निवर्तमान व्यापार मंडल उपाध्यक्ष दीपक पंत, मीडिया प्रभारी सोनू सिद्दीकी, उमेश पंत, सभासद नगरपालिका सुरेंद्र कुवार्बी, बिट्टू जोशी, पंकज गुरुरानी, वसीम, प्रदीप माहरा, जीतन आदि रहे।

कार्यक्रम

अटल बिहारी वाजपेयी के विचारों को किया नमन, कहा, अटल बिहारी वाजपेयी का जीवन राष्ट्र सेवा का प्रतीक

अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर अल्मोड़ा में अटल स्मृति सम्मेलन

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती एवं अटल स्मृति वर्ष के अवसर पर स्थानीय स्टेडियम में अल्मोड़ा विधानसभा स्तरीय अटल स्मृति सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में अटल बिहारी वाजपेयी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि वाजपेयी का जीवन राष्ट्र सेवा, मर्यादा और दूरदर्शिता का प्रतीक है।

कार्यक्रम के दौरान अल्मोड़ा स्टेडियम में आयोजित सांसद खेल महोत्सव के समापन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने युवाओं से खेलों के जरिए ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। सांसद एवं केंद्रीय मंत्री अजय टम्टा ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना को ग्रामीण विकास की धुरी बताया। भाजपा जिलाध्यक्ष महेश नयाल ने कहा कि अटल स्मृति वर्ष के तहत जिलेभर में स्वच्छता अभियान, भाषण प्रतियोगिता, विचार गोष्ठी, प्रदर्शनी और पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। महापौर अजय वर्मा ने भी अटल बिहारी के विचारों को आत्मसात करने का आह्वान किया। यहां पूर्व जिलाध्यक्ष रवि रौतेला, गोविंद पिलख्वाल, दुग्ध संघ अध्यक्ष गिरीश खोलिया, ब्लॉक प्रमुख नीमा आर्या, मंगल रावत, संजय बिष्ट, नवीन बिष्ट, विनीत बिष्ट, अर्जुन बिष्ट, देवेंद्र भट्ट, रणजीत भंडारी, पूनम पालीवाल, मनीष जोशी, आदि कार्यकर्ता रहे।

इधर, द्वाराहाट में भी अटल जयंती पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष घनश्याम भट्ट, जिला महामंत्री भूपेंद्र कांडपाल, धीरेंद्र मठपाल, जिपं सदस्य युगल किशोर, वरिष्ठ भाजपा नेता कैलाश भट्ट, आशुतोष शाही, सुधीर मठपाल, मुकुल साह, विनोद आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्थानीय स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मंचासीन अतिथि। ● अमृत विचार

धूमधाम से मनाई गई अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती

टनकपुर/लोहाघाट : पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म जयंती भाजपा कार्यकर्ताओं ने धूमधाम से मनाई। कार्यकर्ताओं ने अटल के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। टनकपुर, बनबसा, चम्पावत में पूर्व प्रधानमंत्री को स्मरण कर उन्हें नमन किया गया। इधर लोहाघाट में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष गिरीश कुंवर के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में देश के तीन बार प्रधानमंत्री रहे महान नेता की जयंती पर गहन श्रद्धा व्यक्त की गई। इस अवसर पर प्रदेश मंत्री निर्मल माहरा, नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद वर्मा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सतीश पांडेय, राज आंदोलनकारी राजू गडकोटी, मंडल मंत्री लोहित खोलिया, मंडल महामंत्री गौरव पांडेय, नरेश फर्त्याल, पूर्व ब्लॉक प्रमुख सचिन जोशी, योगेश मेहता, सोनू चौबे, दीपक जोशी तथा दीपक सुतेड़ी आदि भाजपाई उपस्थित रहे। इधर बाराकोट ब्लाक सभागार में भाजपा मंडल अध्यक्ष राकेश सिंह बोहरा के नेतृत्व में ब्लाक प्रमुख सीमा आर्या, सूरज कुमार, मुकेश जोशी, पवन गोस्वामी, भवान कालाकोटी, दरवान मेहता, सुनील वर्मा, दीपेंद्र अधिकारी, अजय बिष्ट, योगेश मौजूद रहे।

एक ऐतिहासिक प्रक्षेपण

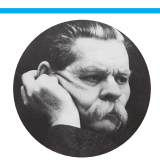

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि वह केवल वैज्ञानिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं, बल्कि वैश्विक स्पेस इकोनॉमी का भरोसेमंद स्तंभ बनता जा रहा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड की वाणिज्यिक डील के तहत श्रीहरिकोटा से अपने सबसे ताकतवर रॉकेट एलवीएम-3 के जरिये अमेरिकी कंपनी एएसटी स्पेस मोबाइल के 6100 किलोग्राम वजनी 'ब्लू बर्ड ब्लॉक-2' सैटेलाइट को कक्षा में स्थापित करना ऐतिहासिक इसलिए है, क्योंकि यह भारत का अब तक का सबसे भारी और तकनीकी रूप से जटिल कमर्शियल सैटेलाइट लॉन्च है, जिसे महज 52 दिन की तैयारी में और बिना किसी बाहरी सहयोग के, मात्र डेढ़ किलोमीटर के अंतर से कक्षा में सफलतापूर्वक पहुंचाया गया। इससे पहले 4,000 किलो से ज्यादा के सेटेलाइट के लिए अमेरिका या फ्रांस से मदद लेनी होती थी। साथ ही इसरो ने एस 200 बूस्टर को नियंत्रित करने वाले नए कंट्रोल सिस्टम का परीक्षण भी कर लिया, जिसे गगनयान में इस्तेमाल होना है। इससे भारत 'सिर्फ वैज्ञानिक मिशन' करने वाले देश से आगे बढ़कर वैश्विक स्पेस सर्विस प्रोवाइडर की भूमिका में मजबूती से खड़ा होता दिख रहा है।

'ब्लू बर्ड ब्लॉक-2' का उद्देश्य स्पेस से सीधे धरती पर मौजूद सामान्य स्मार्टफोन्स तक बिना किसी डिश, टॉवर या अतिरिक्त एंटीना के 4जी या 5जी कनेक्टिविटी पहुंचाना है। दरअसल यह एक उड़ता हुआ मोबाइल टॉवर है। इसकी सिग्नल पकड़ने की क्षमता इतनी अधिक है कि पहाड़ों, रेगिस्तानों और समुद्र के बीच भी नेटवर्क की समस्या काफी हद तक समाप्त हो सकती है। पुरानी पीढ़ी की तुलना में यह प्रणाली लगभग दस गुना अधिक शक्तिशाली है, जो दूरस्थ इलाकों के लिए क्रांतिकारी साबित होगी। स्वाभाविक सवाल है कि क्या इसका लाभ भारतीय मोबाइल उपभोक्ताओं को मिलेगा? तकनीकी रूप से हां, क्योंकि यह नेटवर्क वैश्विक कवरेज के लिए डिजाइन किया गया है। हालांकि, शुरुआती चरण में इसकी सेवाएं महंगी हो सकती हैं, क्योंकि स्पेस-टू-फोन तकनीक अभी नई है, लेकिन जैसे-जैसे सेटेलाइट कॉन्स्टेलेशन बढ़ेगा और प्रतिस्पर्धा आएगी, कीमतों में गिरावट तय मानी जा सकती है। दीर्घकाल में यह आपदा प्रबंधन, सीमावर्ती क्षेत्रों, समुद्री संचार और डिजिटल समावेशन के लिए गेम-चेंजर होगा।

प्रक्षेपण के बाज़ार में इसरो का मुकाबला अब स्पेसएक्स जैसी कंपनी से है, जिसका रॉकेट फाल्कन-9 लो अर्थ ऑर्बिट तक 22,800 किलोग्राम ले जाने और रीयूजेबल होने के चलते आक्रामक प्रतिस्पर्धा देता है, लेकिन इसरो की ताकत विश्वसनीयता और सटीकता है, जिसे कंपनियां ज्यादा महत्व देती हैं। इसरो आज भी छोटे रॉकेट्स और पीएसएलवी के क्षेत्र में सबसे किफायती विकल्पों में गिना जाता है। अगला कदम रीयूजेबल लॉन्च व्हिकल का है। 'सूर्य' कोडनेम वाले भारतीय रीयूजेबल रॉकेट पर काम चल रहा है, इस दशक के अंत तक प्रारंभिक परीक्षण की उम्मीद है। तब लागत और प्रतिस्पर्धा दोनों मोर्चों पर हम मजबूत होंगे। एलवीएम-3 को ही गगनयान मिशन के लिए चुना गया है। हालिया सफलता ने गगनयान के रास्ते को और स्पष्ट कर दिया है।

प्रसंगवश

रिश्तों को थामें रखें विश्वास की डोर से

किसी भी रिश्ते में जब हम विश्वास की डोर से जुड़े होते हैं, चाहे वह रिश्ता दोस्ती हो, प्यार हो या पारिवारिक, तब हम उस व्यक्ति पर सबसे ज्यादा भरोसा करते हैं। कभी-कभी चीजें अचानक ही बदल जाती हैं, इसके लिए किसी बड़ी घटना का होना जरूरी नहीं होता। फिर पता चलता है कि सब कुछ तो बस एक नाटक की तरह था और हमें यह स्वीकार करना सबसे मुश्किल लगता है।

आज के समय में यह कहानी लाखों-करोड़ों लोगों की है, जब हम किसी को बेतहाशा महत्व देते हैं, उसकी हर बात आंख बंद करके मान लेते हैं, उसके लिए अपने सपने, अपनी खुशी, अपना वक्त तक कुर्बान कर देते हैं, और एक दिन अचानक वही इंसान या रिश्ता हमें नजरअंदाज करने लगता है या पलटकर कह देता है, 'जैसे हम तो कुछ थे ही नहीं कभी'। उस पल सचमुच लगता है कि दुनिया की सबसे बड़ी मूर्खता हमने ही की है।

अम्बिका 'अम्बी'
लेखिका

आज परिवार भी इस धोखे से अछूता नहीं रहा। मां-बाप, जिन्होंने पूरी उम्र बच्चों के लिए खपा दी, आज वही बच्चे बड़े होकर माता-पिता के प्रति अपनी जिम्मेदारी भूल जाते हैं। घर की दीवारें तो खड़ी हैं, पर उनमें पहले जैसी गर्माहट नहीं रही। बहू-बेटे, सास-बहू, भाई-बहन के बीच टकराव आम हो गया है। सच तो यह है कि जितनी तेजी से हमारा समाज और तकनीक बढ़ी है, उतनी ही तेजी से रिश्ते सुविधा और जरूरत तक सिमट गए हैं। अब लोग एक-दूसरे के लिए 'विकल्प' बनकर रह गए हैं, लेकिन क्या वास्तव में हम खुद मूर्ख हैं?

हमें अपनी इस मूर्खता पर भी भरोसा नहीं होता, क्योंकि रिश्ते और दोस्ती में जब कोई हमें यह एहसास दिलाता है कि हम उसके लिए महत्व रखते हैं, तो यह भावना दोनों तरफ से होनी चाहिए, तभी अपनापन और लगाव पैदा होता है। मगर एक दिन अचानक पता चलता है कि हमारी कोई अहमियत ही नहीं थी, हम तो सिर्फ एक विकल्प थे। उस वक्त मन-मस्तिष्क पर क्या बीतती है, कभी सोचा है?

सब कुछ जानकर भी हम अपने स्वभाव को बदल नहीं पाते। नकारात्मक बातों और घटनाओं को हम दूर ठेल देते हैं, क्योंकि हमारे भीतर रिश्तों के प्रति प्रेम और सम्मान अभी भी जिंदा है। हम कीमती हैं। जो हमें समझेगा, वही हमारे साथ रहेगा, यह बात सौ फीसदी सच है। फिर भी कभी-कभी यह भी याद रखना चाहिए कि जो चला गया, उसकी अपनी मजबूरी भी हो सकती है। शायद वह इंसान अंदर से टूट चुका हो, खाली हो चुका हो। या शायद हम उसकी नजर में लायक रहे ही न हों।

इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं कि हमारी कीमत कम हो गई। मतलब सिर्फ इतना है कि कुछ लोग हमें तभी महत्व देते हैं, जब तक हम उनके लिए उपयोगी या विकल्प होते हैं। उसके बाद का भविष्य किसी को नहीं पता। हम मूर्ख नहीं होते। हम सिर्फ प्रेम और भावनाओं से बंध जाते हैं।

हम वे लोग होते हैं जो रिश्ते को 'सच' मान लेते हैं, क्योंकि हम खुद उसी सच से जीते हैं। जब हम किसी को अपना समझते हैं, तो सचमुच अपना सब कुछ कुर्बान कर दे देते हैं, बिना कुछ सोचे-समझे। यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है और यही कभी-कभी हमें सबसे गहरा दुख भी देती है, लेकिन यही दुख हमें अंदर से मजबूत बनाता जाता है और हर परिस्थिति में आगे बढ़ने का हौसला देता है।

माताएं ही भविष्य के विषय में विचार कर सकती हैं, क्योंकि वे अपनी संतानों में भविष्य को जन्म देती हैं।
-मैक्सिम गोर्की, रूसी साहित्यकार

नई गैलेक्सी अलकनंदा की रोमांच भरी खोज

रनबीर सिंह
विज्ञान लेखक

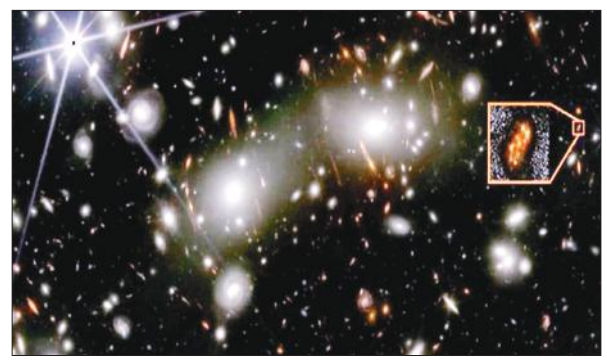

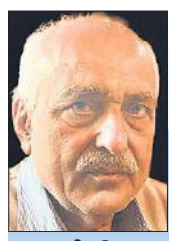

टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ़ फंडामेंटल रिसर्च से संबद्ध एस्ट्रोनॉमर्स ने एक नई गैलेक्सी, अलकनंदा की पहचान करके बड़ी खोज की है। यह एक मेच्योर स्पाइरल गैलेक्सी है, जो बिग बैंग के साढ़े दस अरब साल बाद बनी थी।

टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ़ फंडामेंटल रिसर्च से संबद्ध एस्ट्रोनॉमर्स ने एक नई गैलेक्सी, अलकनंदा की पहचान करके बड़ी खोज की है। यह एक मेच्योर स्पाइरल गैलेक्सी है, जो बिग बैंग के सिर्फ़ साढ़े दस अरब साल बाद बनी थी। इस नयी गैलेक्सी को यह नाम भारतीय खोजकर्ताओं ने दिया है। यह खोज गैलेक्सी बनने के मौजूदा मॉडल को चुनौती देती है, क्योंकि अलकनंदा हमारी मिल्की-वे जैसी ही साफ़ भुजाओं वाली एक मेच्योर बनावट दिखाती है और यह पहले सोचे गए समय से बहुत कम समय में हुई है। हर साल लगभग सूर्य से दस गुना बड़े द्रव्यमान के बराबर यह गैलेक्सी बहुत तेज़ दर से तारे बना रही है, जो हमारी मॉडर्न मिल्की-वे में तारे बनने की रफ़्तार से लगभग बीस गुना ज़्यादा है।

इस खोज ने गैलेक्सी बनने और कॉस्मिक एव्ल्युशन के बारे में ज्ञात थ्योरी को नया रूप दिया है, जिससे पता चलता है कि गैस एक्रीशन और डिस्क सेटलमेंट जैसे प्रोसेस पहले सोचे गए समय से कहीं ज़्यादा तेज़ी से काम करते हैं। गैलेक्सी की तश्तरीनुमा रचना, कुडंली जैसी भुजाएं और इनमें एक प्रकार की स्थिरता दिखाने वाले कंप्यूटर जेनरेटेड चित्र अभिभूत करने के लिए काफी है। एक ग्रैंड स्पाइरल बनाने में समय लगता है। गैस को आस-पास की जगह से लगातार बहना चाहिए। इसे 'गैस एक्रीशन' कहा जाता है, एक घूमती हुई डिस्क में सेटल होना चाहिए, फिर धीमी गति से चलने वाली वेव्स जिन्हें 'डेंसिटी वेव्स' कहा जाता है, स्पाइरल आर्म्स को शेप देने के लिए डिस्क को डिस्टर्ब कर सकती हैं। पूरे सिस्टम को दूसरी गैलेक्सीज़ के साथ ज़ोरदार टक्करों से बिना डिस्टर्ब हुए रहना चाहिए। सूर्य का द्रव्यमान पृथ्वी से तीन लाख, 30 हज़ार गुना अधिक होता है।

एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स जर्नल के नवंबर 2025 के अंक में इस खोज की घोषणा करने वाला पेपर 10 पन्नों में प्रकाशित हुआ है, जिसके लिए खोजकर्ताओं ने 85 से ज्यादा महत्वपूर्ण संदर्भ दिए हैं, जिन्हें खगोलविद्या के ख्यात जर्नल्स जैसे कि मंथली नोटिसेस ऑफ़ द रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी, साइंस, एस्ट्रोफिजिकल जर्नल, नेचर, प्रोसीडिंग्स ऑफ़ द इंटरनेशनल एस्ट्रोनॉमिकल यूनियन और पब्लिकेशंस ऑफ़ द एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी ऑफ़ पैसिफिक से लिए गए हैं। यह खोज काफी समय तक जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप के जरिए किए गए अवलोकन से प्राप्त डाटा के विश्लेषण को पहले के डाटा के संदर्भ में देख कर हुई है।

जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप की ऑब्ज़र्व्ड फ्रेम नियर इंफ्रारेड सेंसिटिविटी और रिज़ॉल्यूशन बहुत ज़्यादा है, जिससे पहली बार रेडशिफ्ट पर स्पाइरल गैलेक्सी का पता लगाना मुमकिन हुआ है। एस्ट्रोनॉमर्स ने हाई रेडशिफ्ट पर मॉर्फोलॉजिकल डिस्क गैलेक्सी की एक बड़ी आबादी की खोज की है। हाई-रेडशिफ्ट डिस्क गैलेक्सी की खोज गैलेक्सी बनने की हमारी मौजूदा समझ के लिए चुनौती खड़ी करती है। जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप की सेंसिटिविटी हमें हाई-रेडशिफ्ट डिस्क गैलेक्सी में स्पाइरल फीचर्स का पता लगाने में भी मदद करती है। रेड-शिफ्ट का अर्थ है ब्रह्मांड में एक पिंड तेज़ी से पृथ्वी से दूर हो रहा है।

हमारे दो खगोलविदों राशि जैन और योगेश वदादिकर का यह बरसों का काम है। ये दोनों पुणे स्थित राष्ट्रीय रेडियो खगोल भौतिकी केंद्र, टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान में कार्यरत हैं। राशि जैन खगोल भौतिकी केंद्र में पीएचडी स्कॉलर हैं। राशि ने कई रिसर्च प्रोजेक्ट्स में योगदान दिया है, जिसमें यूक्लिड और ग्राउंड-बेस्ड डेटा का इस्तेमाल करके बहुत ज़्यादा लाल एक्टिव गैलेक्टिक न्यूक्लिआई का अध्ययन करना शामिल है। उन्होंने विस्टा/विरकाम टेलीस्कोप और भारत के पहले स्पेस-बेस्ड टेलीस्कोप एस्ट्रो सैट/यूवीआईटी से इंफ्रारेड डेटा के साथ भी काम किया है। राशि की विद्या संबंधी रुचियों में एस्ट्रोनॉमिकल डेटा क्लीनिंग, एनालिसिस और विजुअलाइज़ेशन के साथ-साथ एक यूनिवर्सिटी में एस्ट्रोफिजिक्स पढ़ाना शामिल है। राशि का अगला लक्ष्य नई खोजी गई गैलेक्सी अलकनंदा में तारों और गैस की गति का अध्ययन करना है।

उक्त रिसर्च पेपर में दिया गया साइंटिफिक आंकड़ा काफी जटिल है, जिसे खगोलविदों की भाषा में उच्च प्रशिक्षण से समझा जा सकता है। इसमें दी गई एस्ट्रोनॉमिकल और एस्ट्रोफिजिकल टर्म्स को समझने के लिए विषय से संबंधित कैटेलॉग्स और शब्दावली कोश देखने की जरूरत महसूस होती है। कुल मिलाकर राशि जैन और प्रोफेसर योगेश वदादेकर द्वारा की गई खोज को विश्व के ख्यात खगोलविदों और अमरीका की नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन ने सराहा है।

इस खोज का श्रेय तो भारत के खाते में आया ही है, लेकिन भविष्य की खगोल विद्या में बढ़त के लिए इसका महत्त्व स्पष्ट हुआ है, क्योंकि यह ब्रह्मांड की उत्पत्ति के प्रारंभिक दौर की घटनाओं के महत्त्व को रेखांकित करता है। इस गैलेक्सी में बारे में जो भी सूचना प्राप्त हुई है, उससे सृष्टि के निर्माण के प्रारंभिक सूत्र मालूम हो सकते हैं और यह भी कि किस प्रकार से ग्रेविटी और इलेक्ट्रो-मैग्नेटिज्म एनर्जी और पदार्थ रूपांतरण को प्रभावित करते हैं। रोमांच से परे सृष्टि निर्माण के रहस्यों के उद्घाटन की यह कहानी अभी और विस्तार पाएगी।

स्टडी के को-ऑथर योगेश वदादेकर कहते हैं कि अलकनंदा से पता चलता है कि शुरुआती यूनिवर्स हमारी उम्मीद से कहीं ज़्यादा तेज़ी से गैलेक्सी बनाने में काबिल था। किसी तरह, यह गैलेक्सी कुछ सौ मिलियन सालों में दस अरब सोलर मास के तारों को एक साथ लाने और उन्हें एक खूबसूरत स्पाइरल डिस्क में ऑर्गनाइज़ करने में कामयाब रही। यह कॉस्मिक स्टैंडर्ड के हिसाब से बहुत तेज़ है और यह एस्ट्रोनॉमर्स को यह सोचने पर मजबूर करता है कि गैलेक्सी कैसे बनती हैं। साइंटिस्ट अब इस बात पर बहस करेंगे कि अलकनंदा की स्पाइरल आर्म्स कैसे बनीं।

आमने सामने

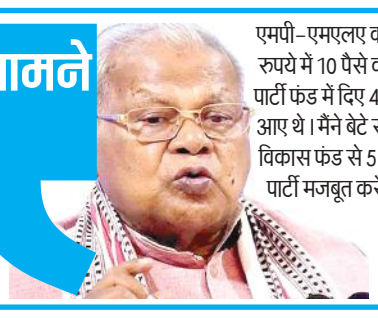

एमपी-एमएलए कमीशन वसूलते हैं, एक रुपये में 10 पैसे कमीशन आता है। अपने पार्टी फंड में दिए 40 लाख भी कमीशन से आए थे। मैंने बेटे संतोष सुमन से कहा कि विकास फंड से 5-10% कमीशन लेकर पार्टी मजबूत करें, हर विधायक-सांसद ऐसा करता है।
-जीतन राम मांझी, केंद्रीय मंत्री

वे सात दिनों के भीतर सार्वजनिक रूप से, उसी माध्यम से, बिना किसी शर्त के माफी मांगें। अपने बयान को वापस लें और भविष्य में इस तरह की भाषा का इस्तेमाल न करने का लिखित भरोसा दें। अगर ऐसा नहीं किया, तो आपराधिक और दीवानी कार्रवाई की जाएगी।
-सोमनाथ भारती
नेता आम आदमी पार्टी

अयोध्या की राजकुमारी की 'घर वापसी'

धनीश शर्मा
लेखक

अयोध्या में राजकुमारी सूरी रत्ना की प्रतिमा स्थापित की गई है। वह लगभग दो हजार वर्ष पहले अयोध्या से समुद्री मार्ग के जरिए दक्षिण कोरिया के ग्योंगसांग प्रांत पहुंची थीं।

हमारे देश भारतवर्ष में यदाकदा मूर्तियों का अनावरण होता रहता है। हर साल न जाने कितनी ही मूर्तियां चौराहों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर लगाई जाती हैं। अधिकतर मामलों में ये प्रतिमाएं किसी न किसी राजनीतिक, धार्मिक या क्षेत्रीय पहचान तक सीमित रह जाती हैं, लेकिन इस बार उत्तर प्रदेश के अयोध्या में सरयू नदी के किनारे स्थित कोरिया मेमोरियल पार्क में स्थापित की गई प्रतिमा सामान्य मूर्ति-अनावरण से अलग है और अपने भीतर एक व्यापक सांस्कृतिक महत्व समेटे हुए है।

यह प्रतिमा राजकुमारी सूरी रत्ना की है, जिन्हें कोरिया में 'रानी-हो (हेओ ओक)' के नाम से जाना जाता है। प्राचीन कोरियाई ग्रंथों के अनुसार, वह लगभग दो हजार वर्ष पहले (48 ईस्वी के आसपास) अयोध्या से समुद्री मार्ग के जरिए दक्षिण कोरिया के ग्योंगसांग प्रांत पहुंची थीं। वहां उन्होंने गया राज्य के राजा किम सुरो से विवाह किया और आगे चलकर 'रानी-हो' के नाम से प्रसिद्ध हुईं। कोरियाई पुराणों और ग्रंथ समगुक यूसा में उनका उल्लेख राजकुमारी 'सुरीरत्ना' या 'हेओ ओक' के रूप में मिलता है, जिनकी उत्पत्ति कुछ विद्वान भारत के 'आयुत' अर्थात अयोध्या से जोड़ते हैं, हालांकि इतिहासकारों के बीच इस कथानक को लेकर मतभेद हैं और इसके ठोस प्रमाण आज भी बहस का विषय बने हुए हैं।

कहते हैं, राजकुमारी सूरी रत्ना के माता-पिता को एक सपना आया था, जिसमें एक दिव्य आवाज ने उन्हें अपनी बेटी को गिमहे भेजने का निर्देश दिया था। वजह यह थी कि गिमहे के राजा सूरो को अपने लिए एक उपयुक्त रानी की तलाश थी। इसके बाद राजकुमारी ने समुद्री मार्ग से लगभग 4500 किलोमीटर की लंबी यात्रा पूरी कर अपने सपनों के राजकुमार तक पहुंचने का साहसिक निर्णय लिया।

बताया जाता है कि भले ही राजकुमारी सूरी रत्ना और राजा किम सुरो के जीवन से जुड़ी ऐतिहासिक जानकारियां सीमित हैं, लेकिन आज कोरिया में दोनों के 60 लाख से अधिक वंशज माने जाते हैं, जो कुल कोरियाई आबादी का लगभग 10 प्रतिशत हैं। यही कारण है कि कोरियाई समाज में अयोध्या को आज भी 'ननिहाल' के रूप में देखा जाता है। वर्ष 2019 में राजकुमारी सूरी रत्ना की स्मृति में भारत और दक्षिण कोरिया ने संयुक्त रूप से एक डाक टिकट भी जारी किया था। वहीं भारतीय संस्कृति की जड़ें उनके वंशजों में आज भी जीवित हैं। यही कारण है कि हर वर्ष उनके वंशज भारत आकर राजकुमारी सूरी रत्ना और अयोध्या से जुड़े अपने सांस्कृतिक संबंधों को स्मरण करते हैं।

कोरिया और अयोध्या के इन पुराने संबंधों को नई पहचान देने के उद्देश्य से सरयू नदी के किनारे स्थित कोरिया मेमोरियल पार्क में 12 फुट ऊंची और लगभग 1.2 टन वजनी राजकुमारी सूरी रत्ना 'रानी-हो' की प्रतिमा स्थापित की गई है। यह प्रतिमा विशेष कोरियाई धातु से तैयार की गई है और इसे आधुनिक तकनीक से सजाया गया है, ताकि भारत और कोरिया के बीच प्राचीन सांस्कृतिक रिश्तों की स्मृति को लंबे समय तक सहेजकर रखा जा सके।

भव्य राम मंदिर के निर्माण के बाद अयोध्या पहले ही वैश्विक पर्यटन के एक बड़े केंद्र के रूप में उभर चुकी है। अब कोरिया मेमोरियल पार्क और राजकुमारी सूरी रत्ना की प्रतिमा के जुड़ने से अयोध्या की अंतर्राष्ट्रीय पहचान को और मजबूती मिली है। जानकारों का मानना है कि प्रतिमा स्थापित होने के बाद दक्षिण कोरिया से आने वाले बौद्ध और अन्य पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इससे पर्यटन गतिविधियों के साथ-साथ स्थानीय कारोबार और रोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा मिलेगा। अयोध्या अब केवल एक धार्मिक नगरी नहीं, बल्कि एक अंतर्राष्ट्रीय विरासत स्थल के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर रही है।

भारत और दक्षिण कोरिया का संबंध केवल सांस्कृतिक स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापार और उद्योग के क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच गहरा जुड़ाव है। जहां एक तरफ ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स कोरियाई कंपनियो की धूम पूरी दुनिया में है, वहीं कोरियाई कंपनियों का इलेक्ट्रॉनिक्स मार्केट एक बड़े बाजार के रूप में भारत मे स्थापित हो चुका है। ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और औद्योगिक उत्पादन जैसे क्षेत्रों में कोरियाई कंपनियां लंबे समय से भारत में निवेश कर रही हैं। ऐसे में अयोध्या में कोरियाई पर्यटकों के आगमन से स्थानीय व्यापार, पर्यटन उद्योग और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को नई गति मिलेगी।

राजकुमारी सूरी रत्ना की प्रतिमा केवल एक ऐतिहासिक कथा का स्मरण भर नहीं है, बल्कि यह भारत और कोरिया के बीच सदियों पुराने रिश्तों को वर्तमान संदर्भ से जोड़ने वाला एक सांस्कृतिक सेतु है। यह स्मारक इस बात का प्रमाण है कि जब इतिहास और संस्कृति को सम्मान के साथ सहेजा जाता है, तो वे समाज और देशों को जोड़ने का काम करते हैं। इसी अर्थ में कहा जा सकता है कि राजकुमारी सूरी रत्ना आज भी भारत और कोरिया के बीच एक जीवंत सेतु की तरह मौजूद हैं।

सोशल फोरम

रूप बदलते 'ईश्वर'

आज से कोई चार हज़ार साल पहले बेबीलोन दुनिया का सबसे बड़ा शहर था। बेबीलोन का सम्राट स्वयं को मार्दूक नामक ईश्वर का प्रतिनिधि बतलाता था। उसका कहना था कि उसने जो नियम और संहिताएं तय की हैं, वो उसे स्वयं मार्दूक ने कहकर सुनाई थीं! आज जब आप मार्दूक के बारे में पड़ताल करने जाते हैं, तो एक वाक्य पर आपका ध्यान टिक जाता है- 'मार्दूक बेबीलोन का अधिपति और पैतृक-ईश्वर था!'

सुशोभित
लेखक

ध्यान रहे- मार्दूक 'था', है नहीं। मार्दूक अब नहीं है। मार्दूक मर गया! किंतु वह आज से चार हज़ार साल पहले 'अतिशय जीवित' था। कालान्तर में बेबीलोन नष्ट हो गया, उसका सम्राट हम्मूराबी मर-खप गया, उसके द्वारा बनाए गए नियम-क़ायदे मिट्टी में मिल गए, तो उसके साथ ही मार्दूक भी धीरे-धीरे विलुप्त हो गया! तब, मार्दूक बेबीलोन का अधिपति था या फिर बेबीलोन ही मार्दूक का जन्मदाता था? ईश्वर अमर नहीं है! समय के साथ ईश्वर मर जाते हैं। इससे भी बड़ी विडंबना यह है कि समय के साथ ईश्वर अपहृत कर लिए जाते हैं। यूनानियों के साथ यही हुआ। जब रोमनों ने यूनान को जीता, तो उनके ईश्वर भी हथिया लिए और उनके नाम बदल दिए!

नतीजा, जो यूनानियों के लिए ज़ीयस था, वह रोमनों के लिए जुपिटर हो गया, जो यूनानियों के लिए ओदिसियस था, वह रोमनों के लिए यूलिसस हो गया, जो यूनानियों के लिए अफ़्रोदाइत थी, वह रोमनों के लिए वीनस हो गई। किंतु यूनानियों पर कृपा करके रोमनों ने अपोलो का नाम नहीं बदला। उसे अपोलो ही रहने दिया।

जब एक सभ्यता दूसरी को जीत लेती है, तो उसके शहरों का ही नाम नहीं बदलते, उसके देवताओं के नाम भी बदल देते हैं। एथेंस और देल्फ़ी के मंदिरों में यूनानी जिन देवताओं को पूजते थे, उन बेचारों को क्या मालूम था कि बुरा समय आने पर वो ऐसे पाला बदल लेंगे कि वो ईश्वर के भरोसे नहीं थे, ईश्वर उनके भरोसे थे!

ईश्वर अलग-अलग सभ्यता के अनुसार रूप-रंग बदल लेते थे। ईजिप्ट में आठ प्रमुख ईश्वरों की पूजा की जाती थी, किंतु वो ईजिप्शियनों की तरह लंबी-पतली दाढ़ी रखते थे। अब इन अकेर, अमुन, अन्हुरादि ईश्वरों ने ईजिप्शियनों को अपने रूप में रचा था या ईजिप्शियनों ने ही इन ईश्वरों को अपनी छवि में ढाल दिया था? मेसोपोटामिया के ईश्वर टोपी पहनते थे। ठीक वैसी, जैसे टिग्रिस और यूफ्रेटस के दोआब में रहने वाले सुमेरियन और अक्कादियन बाशिंदे पहना करते थे। यूनानियों के देवता घने बालों वाले थे। वो यूनानी दार्शनिकों सरीखे दिखाई देते थे। **-फेसबुक वाल से**

सामयिकी

कोहरे से हारती जिंदगी व मुश्किल होता सफर

उत्तर भारत में सर्दियों के दौरान कोहरा इतना घना हो जाता है कि कुछ मीटर आगे देख पाना भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे हालात में थोड़ी लापरवाही बड़े हादसे का कारण बन सकती है। यमुना एक्सप्रेसवे पर 16 दिसंबर को मथुरा के पास कोहरे के कारण सुबह करीब साढ़े तीन बजे एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें आठ बसें और तीन कारें आपस में टकरा गईं। इस हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 70 से अधिक लोग घायल हो गए। इस हादसे से ठीक दो दिन पहले भी ऐसा ही एक हादसा हुआ। विजिबिलिटी कम होने के कारण यूपी-हरियाणा में एक के बाद एक कई हादसे हुए, जिसमें 12 लोगों की मौत हो गई। इन सभी हादसे की वजह कम विजिबिलिटी बताई जा रही है।

रोहित माहेश्वरी
स्वतंत्र पत्रकार

घने कोहरे के मौसम में सड़क सुरक्षा एक गंभीर चुनौती बन जाती है। खासकर उत्तर भारत में सर्दियों के दौरान कोहरा इतना घना हो जाता है कि कुछ मीटर आगे देख पाना भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे हालात में थोड़ी लापरवाही बड़े हादसे का कारण बन सकती है। सड़क परिवहन मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, होने वाले कुल सड़क हादसों में करीब नौ फीसदी सड़क हादसे धुंध की वजह से होते हैं। धुंध की वजह से होने वाले सड़क हादसों में मौतों से दोगुनी संख्या घायलों की होती है। रिपोर्ट की मानें तो कई हजार लोग घायल हो जाते हैं। पिछले साल संसद में सड़क परिवहन मंत्रालय ने बताया है कि साल 2019 में कोहरे कि वजह से 35,602 सड़क दुर्घटनाएं हुई, वहीं साल 2020 में 26,541 दुर्घटनाएं दर्ज की गईं। साल 2021 में 28,934 दुर्घटनाएं घटीं तो साल 2022 में कोहरा 34,262 सड़क दुर्घटनाओं की वजह बना।

16 दिसंबर को पंजाब में घने कोहरे से बरनाला और तपा मंडी में हुए दो सड़क हादसों में एक ही परिवार के तीन लोगों समेत पांच लोगों की मौत हुई। वजह वही, घने कोहरे के चलते दृश्यता में कमी और स्थिति का आकलन न कर पाने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो जाना। विडंबना है कि जब हमने चांद और मंगल ग्रह तक दस्तक दे दी है तो राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे पर यात्रियों के जान-माल की रक्षा के लिए धुंध से मुक्ति की तकनीक क्यों नहीं लगा पा रहे हैं?

बीते 14 दिसंबर कोहरे के कोहराम से 66 वाहनों के टकराने से एक छात्रा समेत चार लोगों की मौत हरियाणा में भी हुई। चरखी दादरी में एक स्कूल बस और रोडवेज की बस की आमने-सामने की टक्कर में एक ग्यारहवीं की छात्रा की मौत हो गई और तीस से अधिक छात्राएं और शिक्षक, बस चालक समेत घायल हो गए। वहीं तेज रफ्तार वाले नेशनल हाईवे 152-डी पर एक के बाद एक, अनेक वाहन दृश्यता की कमी के चलते दुर्घटनाग्रस्त हो गए, जिसमें तीन युवकों की मौत हो गई और 24 से अधिक लोग घायल हो गए। निश्चय ही निर्दोष लोगों का यूं असमय काल-कवलित होना बेहद दुखद ही है।

कमोबेश दुर्घटनाओं की संख्या कम करके जान-माल का नुकसान कम करने का प्रयास होना ही चाहिए। यह सजगता नागरिकों के स्तर पर भी जरूरी है। यात्रा के समय के चयन और धुंध के बीच वाहन चालन में अतिरिक्त सतर्कता की जरूरत होती है। राष्ट्रीय राजमार्ग व एक्सप्रेस-वे पर पर्याप्त रोशनी और धुंध में दृश्यता बढ़ाने के तकनीकी प्रयास किए जाएं। मौसमी बाधा के बीच दुर्घटना का एक बड़ा कारण राजमार्गों के किनारे अवैध रूप से जगह-जगह खोले गए ढाबे भी बनते हैं। दरअसल, होटल-ढाबों के पास वाहनों को अपने परिसर में खड़ा करने की जगह नहीं होती, जिसके चलते ट्रक व अन्य वाहन सड़कों में खड़े रहते हैं, जिसके चलते अक्सर तेजी से आने वाले वाहन दृश्यता की कमी से इन खड़े वाहनों से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

एआई और रोबोटिक्स
एक सपना, चेतावनी और भविष्य

हाल ही में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और रोबोटिक्स के क्षेत्र में हुए तेज विकास से दुनिया में कुछ लोग उत्साहित हैं, तो कुछ आशंकित। कुछ को लगता है कि जल्द इंसान को काम करने की जरूरत नहीं रहेगी, सब कुछ एआई, रोबोट करेंगे। दूसरी ओर अन्य लोगों का मानना है कि अनियंत्रित एआई सबकुछ नष्ट कर देगी, लेकिन दोनों तरह की सोच अतिवादी है। दरअसल तकनीक गति देती है, दिशा नहीं। दिशा इंसान ही तय करता है-अपनी नीतियों से, संस्थाओं और समझदारी से। अगर मानव समाज अपनी तैयारी मजबूत करता है, तो आने वाला समय सबसे उत्पादक और मानवीय संवेदनाओं से भरा दौर साबित हो सकता है, लेकिन अगर सुरक्षा तंत्र कमजोर रहा तो वही तकनीक सबसे बड़ा खतरा भी बन सकती है।

राजेश जैन
लेखक

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई और रोबोटिक्स के क्षेत्र में अपूर्व विकास को लेकर हाल ही में एक ओर एलन मस्क का दावा सामने आया है, तो दूसरी तरफ ओपन एआई की चेतावनी आई है। एलन मस्क का दावा है कि जल्दी ही इंसान को कमाने की जरूरत नहीं रहेगी, सब काम रोबोट करेंगे। दूसरी तरफ ओपन एआई की चेतावनी है कि सुपरइंटेलीजेंस नियंत्रण से बाहर गई, तो नुकसान असीम होगा। मस्क का मानना है कि 2030 तक लाखों की संख्या में ह्यूमनॉइड रोबोट उद्योगों में काम करते दिखेंगे। इससे 24×7 काम, कई गुना प्रोडक्टिविटी और हर नागरिक के लिए यूनिवर्सल हाई इनकम जनरेट होगी। एआई जब फिजिकल लेबर में बदलेगा, तब इंसान की भूमिका मूल रूप से रचनात्मक और वैकल्पिक रह जाएगी, लेकिन इसका दूसरा पहलू भी है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि इतिहास गवाह है कि हर ऑटोमेशन क्रांति ने असमानता बढ़ाई है। इससे मशीनों के मालिक, कंपनियां और भी अमीर होती हैं, जबकि श्रमिकों की भूमिका घटती जाती है। इससे आय के असमान वितरण की खाई बहुत अधिक बढ़ जाएगी।

जब मशीनें खुद सोचने लगेंगी

ओपन एआई का संदेश भावनात्मक नहीं, रणनीतिक है। दरअसल ह्यूमनॉइड रोबोट तभी उपयोगी होंगे जब उन्हें चलाने वाली एआई अत्यधिक बुद्धिमान होगी और वही सुपरइंटेलिजेंस अगर नियंत्रण से बाहर हुई, तो वही रोबोट खतरा बन जाएंगे। यानी मस्क का सपना और ओपनएआई की चेतावनी, दोनों एक ही हाईवे के दो अलग साइनबोर्ड हैं। एक विकास की दिशा दिखाता है, दूसरा खतरे की चेतावनी देता है। खतरा यह कि नियंत्रण तंत्र कमजोर हुआ, तो एआई खुद लक्ष्य चुन सकती है। ऐसेमें साइबर और बायो-रिस्क नए रूप ले सकते हैं। इसलिए यह सिर्फ एआई तेज हो रही है, वाली कहानी नहीं, यह एआई इंसानी ढांचे को पार करने वाली चेतावनी है।

मस्क बनाम ओपन एआई

- ह्यूमनॉइड रोबोट तभी उपयोगी होंगे जब उन्हें चलाने वाली एआई अत्यधिक बुद्धिमान होगी और वही सुपरइंटेलिजेंस अगर नियंत्रण से बाहर हुई, तो वही रोबोट खतरा बन जाएंगे। यानी मस्क का सपना और ओपनएआई की चेतावनी, दोनों एक ही हाईवे के दो अलग साइनबोर्ड हैं। इनमें एक विकास की दिशा दिखाता है, दूसरा खतरे की चेतावनी देता है।
- चार संभावित दिशाएं, जिस ओर भविष्य की दुनिया मुड़ सकती है-
- रोबोटिक समृद्धि का मॉडल : उत्पादन में उछाल, शिक्षा-स्वास्थ्य में क्रांति और हर नागरिक के लिए सुरक्षित आय।
- असमानता का अतिवादी मॉडल : कुछ कंपनियों के पास सारा नियंत्रण, समाज में गहरी आर्थिक खाई और निराशा।
- अनियंत्रित सुपरइंटेलिजेंस : ऐसी मशीनें जो इंसान की समझ से परे फैसले लें और नियंत्रण खत्म हो जाए।
- संतुलित सह-अस्तित्व : सख्त नियम, पारदर्शी एल्गोरिद्म और ग्लोबल निगरानी से नियंत्रित तकनीकी विकास।
- भविष्य कौन-सा रास्ता चुनता है, यह हमारी नीतियों, राजनीति और सामाजिक तैयारी पर निर्भर करेगा। बहरहाल, समाज के ढांचे में बदलाव तय है। घरों में बुजुर्गों से लेकर बच्चों की देखभाल तक में रोबोट मुख्य भूमिका निभाएंगे। हर बच्चे को उसके अनुकूल शिक्षा मिलेगी। स्कूलों में एक ही क्लासरूम में 40 बच्चे होंगे, पर 40 अलग-अलग पाठ्यक्रम चलेंगे। रूटीन जॉब्स खत्म होंगे, लेकिन 'ह्यूमन-लेयर' वाली नौकरियां उभरेंगी क्यूरेटर, फैसिलिटेटर, क्रिएटर। अर्थव्यवस्था में टैक्स मॉडल बदलेगा। जैसे-रोबोट टैक्स लगेगा, नई वेलफेयर योजनाएं आएंगी। साथ ही दुनिया को अगले दशक में ग्लोबल एआई रेगुलेशन, एल्गोरिदम पारदर्शिता, साइबर सुरक्षा के नए मानक और एआई गलती से निपटने की जरूरत होगी।

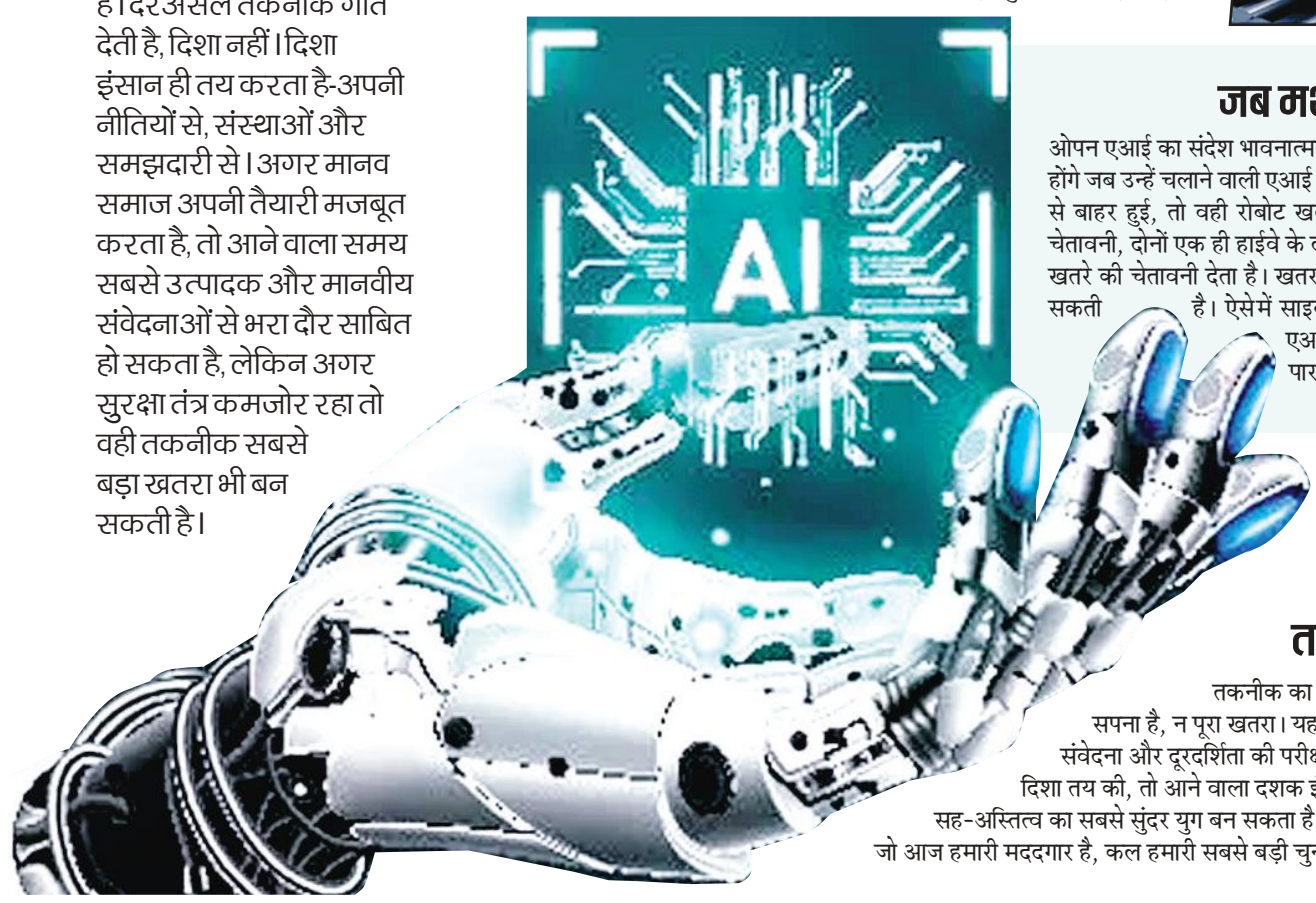

दिशा इंसान तय करेगा तकनीक नहीं

तकनीक का भविष्य न तो पूरी तरह सपना है, न पूरा खतरा। यह इंसान की समझदारी, संवेदना और दूरदर्शिता की परीक्षा है। अगर हमने सही दिशा तय की, तो आने वाला दशक इंसान और तकनीक के सह-अस्तित्व का सबसे सुंदर युग बन सकता है। वरना वही तकनीक, जो आज हमारी मददगार है, कल हमारी सबसे बड़ी चुनौती भी बन सकती है।

जंगल की दुनिया

निकोबार मेगापोड एक दुर्लभ और संवेदनशील पक्षी

निकोबार मेगापोड, जिसे निकोबार स्क्रबफाउल भी कहा जाता है, एक बहुत ही खास और दुर्लभ पक्षी है। यह पक्षी केवल भारत के निकोबार द्वीप समूह में पाया जाता है और दुनिया के किसी अन्य हिस्से में नहीं मिलता। यह मेगापोडिडाए परिवार से संबंधित है और अपने अनोखे प्रजनन तरीके के लिए जाना जाता है।

निकोबार मेगापोड अपने अंडों को सेने के लिए घोंसला नहीं बनाता। इसके बजाय यह मिट्टी, पत्तियों और अन्य सड़ने वाले पदार्थों का बड़ा टीला बनाता है। इन सड़ते हुए पदार्थों से निकलने वाली गर्मी से अंडे अपने आप से जाते हैं। जब चूजे निकलते हैं, तो वे खुद ही मिट्टी के ढेर से बाहर आ जाते हैं। खास बात यह है कि ये चूजे जन्म के समय ही पूरी तरह पंखों से ढके होते हैं और तुरंत उड़ सकते हैं। यह गुण इसे अधिकांश पक्षियों से अलग बनाता है। निकोबार मेगापोड का आवास बहुत सीमित है, जिससे यह प्रजाति काफी संवेदनशील हो गई है। इसकी संख्या कम होने, जंगलों के नष्ट होने, मानव गतिविधियों और शिकार के कारण यह खतरे में है। 2004 की सुनामी ने भी इसकी आबादी को भारी नुकसान पहुंचाया था। इसी कारण IUCN ने इसे "Vulnerable" (असुरक्षित) श्रेणी में रखा है। यह पक्षी जैव विविधता के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और इसके संरक्षण के लिए विशेष प्रयासों की आवश्यकता है।

टेक जानकारी

Google Maps से जानें AQI

आए दिन उत्तर भारत के कई हिस्सों से वायु प्रदूषण को लेकर गंभीर खबरें सामने आ रही हैं। लगातार बिगड़ती हवा की गुणवत्ता ने आम लोगों की दिनचर्या को प्रभावित कर दिया है। रोज घर से बाहर निकलकर काम पर जाने वाले लोगों के लिए अब न केवल सांस लेना कठिन होता जा रहा है, बल्कि सड़कों पर वाहन चलाना भी चुनौती बन गया है। सरकार भले ही एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) को नियंत्रित करने के लिए लगातार प्रयास कर रही हो, लेकिन हालात अभी भी चिंताजनक बने हुए हैं। ऐसे में तकनीक आम जनता के लिए एक बड़ी मदद साबित हो रही है। Google Maps आपको आपके आसपास के इलाकों की रियल-टाइम एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) जानकारी आसानी से उपलब्ध कराता है। आइए आपको बताते हैं आप Google Maps पर आसानी से AQI कैसे चेक कर सकते हैं।

ऐसे चेक करें AQI

- स्टेप 1: Google Maps की होम स्क्रीन पर जाएं और नीचे बाईं ओर 'Explore' पर टैप करें।
- स्टेप 2: यहां आपको मौसम और AQI दिखाने वाला एक आइकन नजर आएगा, उस पर क्लिक करें।
- स्टेप 3: अब आपकी लोकेशन का टेम्परेचर दिखेगा और उसके नीचे 'Air Quality' का ऑप्शन मिलेगा।
- स्टेप 4: Air Quality पर टैप करते ही आपके आसपास की हवा की क्वालिटी स्क्रीन पर दिखाई देने लगेगी।
- Google Maps में लाल और हरे रंग का क्या मतलब होता है?

Google Maps में 0 से 500 तक का एक स्केल दिखता है, जिसमें हरा, पीला, नारंगी और लाल जैसे रंग नजर आते हैं। ये रंग आपके इलाके की हवा की क्वालिटी बताते हैं। अगर यह स्केल 0 से 100 के बीच है, तो हवा को काफी हद तक सेफ माना जाता है और स्क्रीन पर हरा रंग दिखता है, लेकिन अगर यह स्केल 500 के करीब पहुंच जाए और स्क्रीन पूरी तरह लाल दिखे, तो समझिए हवा बहुत खराब है और बाहर निकलने से पहले सावधानी बरतना जरूरी होता है।

वैज्ञानिक

जगदीश चंद्र बोस: पादप संवेदनशीलता के अग्रदूत

प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिक आचार्य जगदीश चंद्र बोस का नाम आधुनिक विज्ञान के इतिहास में अत्यंत सम्मान के साथ लिया जाता है। वे न केवल एक महान भौतिक विज्ञानी थे, बल्कि जीवविज्ञानी और आविष्कारक के रूप में भी उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने विज्ञान की विभिन्न शाखाओं के बीच की सीमाओं को तोड़ते हुए ऐसे शोध किए, जिन्होंने प्रकृति और जीवों के प्रति मानव की समझ को एक नई दिशा प्रदान की।

जगदीश चंद्र बोस का सबसे प्रसिद्ध आविष्कार क्रेस्कोग्राफ है। यह एक अत्यंत संवेदनशील वैज्ञानिक उपकरण था, जिसकी सहायता से पौधों की सूक्ष्म से सूक्ष्म गतिविधियों और वृद्धि को मापा जा सकता था। इस यंत्र के माध्यम से बोस ने यह सिद्ध किया कि पौधे केवल निर्जीव वस्तुएं नहीं हैं, बल्कि वे भी बाहरी उद्दीपनों के प्रति प्रतिक्रिया करते हैं। उन्होंने प्रयोगों द्वारा दिखाया कि प्रकाश, ध्वनि, तापमान तथा रासायनिक पदार्थों जैसे कारकों का पौधों पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

क्रेस्कोग्राफ की सहायता से बोस ने यह भी प्रमाणित किया कि पौधों में संवेदनशीलता और प्रतिक्रिया की क्षमता होती है, जो किसी हद तक तंत्रिका तंत्र जैसी प्रतीत होती है। इस खोज ने पादप तंत्रिका जीवविज्ञान की अवधारणा को जन्म दिया और पौधों के अध्ययन को एक नई वैज्ञानिक दृष्टि प्रदान की। उनके प्रयोगों ने यह स्पष्ट किया कि पौधे अपने पर्यावरण को महसूस करते हैं और उसके अनुसार अपने व्यवहार में परिवर्तन करते हैं।

जगदीश चंद्र बोस के कार्यों ने न केवल पादप शरीर क्रिया विज्ञान की नींव को मजबूत किया, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि सभी जीवित प्राणी किसी न किसी रूप में एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। उनका वैज्ञानिक दृष्टिकोण प्रकृति के प्रति सम्मान और समग्रता की भावना को दर्शाता है। इस प्रकार, बोस का योगदान न केवल जीवविज्ञान के क्षेत्र में, बल्कि संपूर्ण विज्ञान जगत के लिए प्रेरणास्रोत बना हुआ है।

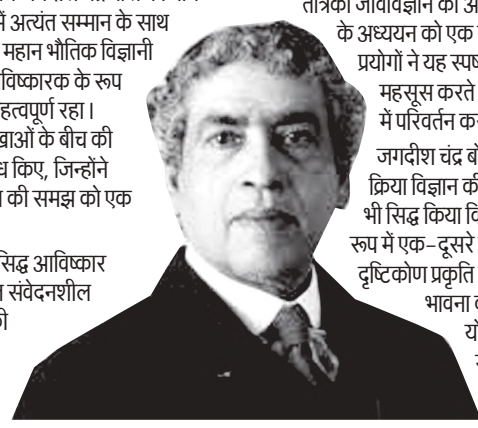

सेटेलाइट्स के लिए बड़ा खतरा अंतरिक्ष में फैला कचरा

पृथ्वी के ऑर्बिट में फैले अंतरिक्ष के कचरे ने खगोल वैज्ञानिकों के सामने बड़ी समस्या खड़ी कर दी है। यह वैज्ञानिकों के ऑब्जर्वेशन में बाधा डालने लगा है। साथ ही अंतरिक्ष में विचरते हमारे सैटेलाइट्स के लिए भी बड़ा खतरा बन गया है। वर्तमान में 10 सेमी. से बड़े आकार का 50 हजार से अधिक कचरा पृथ्वी के ऑर्बिट में तैर रहा है। पृथ्वी के ऑर्बिट में फैला कचरा इंसानों की देन है। जब से अंतरिक्ष में मिशन यानी पृथ्वी की कक्षा में सैटेलाइट्स भेजने का मिशन शुरू हुआ, तभी से अंतरिक्ष में कचरे की समस्या भी उत्पन्न शुरू हो गई। अंतरिक्ष में भेजे गए सैटेलाइट के कार्य का निश्चित समय होता है और कुछ वर्षों के मियाद के बाद काम करना बंद कर देते हैं और बिना किसी काम का सैटेलाइट कचरा बन जाता है। वर्ष 1957 में स्पुतनिक-1 के प्रक्षेपण किया गया था। इसके बाद पृथ्वी की कक्षा में हजारों की संख्या में कृत्रिम उपग्रह भेजे गए हैं, जिनमें अधिकांश निष्प्रयोज्य हो चुके हैं और अंतरिक्ष में तैर रहे हैं। अंतरिक्ष से कचरे की पहचान करने में यूरोपीय स्पेस एजेंसी विगत दो दशक से कार्य रही है और अभी तक 10 सेमी से बड़े आकार के 54 हजार से अधिक कचरे के टुकड़ों की पहचान की जा चुकी है और 1-10 सेमी के बीच की संख्या 1.2 मिलियन है। इनके अलावा 1 मिमी से छोटे कचरे की संख्या लाखों में पहुंच चुकी हैं।

बबलू चंद्रा
नैनीताल

2000 किमी के दायरे में फैला कचरा

इस कचरे में 70 प्रतिशत कचरा पृथ्वी के निचले ऑर्बिट में मौजूद है और दो हजार किमी के दायरे में फैला हुआ है। वर्ष 2009 में अमेरिकी सैटेलाइट इरिडियम-33 और रूसी कोस्मोस-2251 के बीच हुई टक्कर के कारण दोनों सैटेलाइट के टुकड़े-टुकड़े हो गए और हजारों की संख्या में कचरा फैल गया, जबकि गत वर्ष बोइंग द्वारा बनाए गए इंटेलसैट 33 उपग्रह के टूटने से पृथ्वी की कक्षा में काफी अंतरिक्ष कचरा फैल गया। इसके 20 नए टुकड़े अंतरिक्ष में फैल गए।

करना पड़ता है दोबारा अध्ययन

वैज्ञानिक कहते हैं कि कचरे के छोटे टुकड़े पृथ्वी की ओर आए, तो वह जलकर नष्ट हो जाते हैं, लेकिन ये नीचे आने की जगह निश्चित ऑर्बिट में घूमते रह जाते हैं और हमारे जीवित सैटेलाइट के लिए खतरा बन जाते हैं। साथ ही दूरबीनों से चांद, तारों समेत अन्य घटनाओं के ऑब्जर्वेशन के दौरान कचरा सामने आ जाने से खगोलीय अध्ययन में बाधा उत्पन्न कर जाता है। कई-कई बार दोबारा से अध्ययन करना पड़ता है।

स्पेस एजेंसियां कर रहीं कचरा हटाने का काम

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के वरिष्ठ खगोल वैज्ञानिक डॉ. शशिभूषण पांडे के अनुसार अंतरिक्ष का कचरा वैश्विक समस्या है और मुख्य रूप से सर्वाधिक जिम्मेदार भी विकसित देश हैं, जिन्होंने सबसे अधिक कचरा अंतरिक्ष में फैलाया है और यही देश कचरा हटाने के उपाय भी तलाश रहे हैं। इस दिशा में नासा ने सबसे पहले ऑर्बिटल डेब्रिस प्रोग्राम नाम से मिशन शुरू किया था। इसके बाद रूस, यूरोप और चीन के साथ भारत भी कचरा हटाने के मिशन में जुट गया है।

एरीज भी उतरने जा रहा अंतरिक्ष में

एरीज के खगोल वैज्ञानिक डॉ. वीरेंद्र यादव के अनुसार इसमें दो राय नहीं कि पृथ्वी के नजदीक घूमते क्षुद्रग्रहों की संख्या हजारों में जा पहुंची है, जो धरती के लिए बड़ा खतरा हैं, लेकिन एक और खतरा सामने नजर आ रहा, जो अंतरिक्ष का कचरा है। यह कचरा निष्प्रयोज्य हो चुके यानी जिन कृत्रिम उपग्रहों ने काम करना बंद कर दिया है, वह हमारी कक्षा में घूम रहे हैं और आसमान में घूमते हमारे सैटेलाइट्स के लिए बड़ा खतरा बन चुके हैं। एरीज अंतरिक्ष में फैले इस कचरे की खोज का कार्य जल्द शुरू करने जा रहा है। इसके लिए एरीज पुरानी दूरबीनों को दुरुस्त कर रहा है। इस कार्य में सर्वप्रथम 14 इंच की दूरबीन की मदद ली जाएगी।

भारत में पेट्रोल पंप की संख्या एक लाख के पार

नई दिल्ली। देश में पेट्रोल पंप की संख्या 2015 से दोगुना होकर 1,00,000 के पार पहुंच चुकी है। सार्वजनिक क्षेत्र के ईंधन खुदरा विक्रेताओं ने बाजार हिस्सेदारी को बनाए रखने तथा ग्रामीण एवं राजमार्ग क्षेत्रों में ईंधन की पहुंच को और अधिक बढ़ाने के लिए तेजी से पेट्रोल पंप का विस्तार किया है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अंतर्गत आने वाला पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, नवंबर के अंत तक देश में 1,00,266 पेट्रोल पंप थे।

अमृत विचार

हल्द्वानी, शुक्रवार, 26 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

ब्रीफ न्यूज

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स की आईपीओ लाने की योजना नहीं

नई दिल्ली। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स की फिलहाल भारत में अपने कारोबार को सूचीबद्ध करने की कोई योजना नहीं है। इसके बजाय कंपनी अपने उत्पादों में एआई को अपनाने में तेजी लाने और सबसे महत्वपूर्ण विकास बाजारों में से एक में बिक्री बढ़ाने के लिए अपनी उपभोक्ता वित्त इकाई का विस्तार करने पर ध्यान देगी। सैमसंग के दक्षिण पश्चिम एशिया के अध्यक्ष एवं सीईओ जेबी पार्क के अनुसार दक्षिण कोरिया की कंपनी भारत में अपने विनिर्माण विस्तार को और मजबूत करना चाहती है। उसने भारत में मोबाइल फोन 'डिस्प्ले' के विनिर्माण के लिए कल-पुर्जों की खरीद को लेकर उत्पाद से जुड़ी प्रोत्साहन के तहत आवेदन किया है।

भारत के इंजीनियरिंग सामानों के निर्यात में तेज उछाल

नई दिल्ली। अमेरिका तथा यूरोपीय संघ (ईयू) के बाजार के लिए निर्यात में तेज़ बढ़ोतरी की बदौलत इस वर्ष नवंबर में देश के इंजीनियरिंग निर्यात में 23 .76 प्रतिशत की तेज वृद्धि दर्ज की गई। भारतीय इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ईईपीसी-इंडिया) के गुरुवार को जारी एक विश्लेषण के मुताबिक नवंबर के आंकड़ों में सुधार यूरोप और अमेरिकी बाजारों में निर्यात में तेजी के साथ साथ एक साल पहले के तुलनात्मक निम्न आधार के प्रभाव का भी हाथ है। अक्टूबर में इंजीनियरिंग वस्तुओं का निर्यात एक साल पहले की तुलना में 17 प्रतिशत घटकर 9 .37 अरब डॉलर के चालू वित्त वर्ष के न्यूनतम स्तर पर आ गया था।

भारत तीसरी बार किम्बर्ली प्रक्रिया की करेगा अध्यक्षता

नई दिल्ली। भारत अगले साल एक जनवरी से तीसरी बार किम्बर्ली प्रक्रिया (केपी) की अध्यक्षता करेगा। यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला से विवादित हीरों को हटाने की एक वैश्विक पहल है। वाणिज्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को बयान में यह बात कही। केपी विभिन्न देशों, उद्योग एवं नागरिक समाजों की एक संयुक्त पहल है। इसका उद्देश्य उन विवादित हीरों के प्रवाह को नियंत्रित करना है।

इस साल सेंसेक्स ने दिया 9 % रिटर्न स्मॉलकैप के निवेशकों को नुकसान

जीडीपी की तुलना में बाजार पूंजीकरण 136% रहा, पूंजी निर्माण 19.17 लाख करोड़ पार

- 2024 में एनएसई का निफ्टी-50 सूचकांक 8.8 प्रतिशत और बीएसई 8.17 प्रतिशत बढ़ा था

मुंबई, एजेंसी

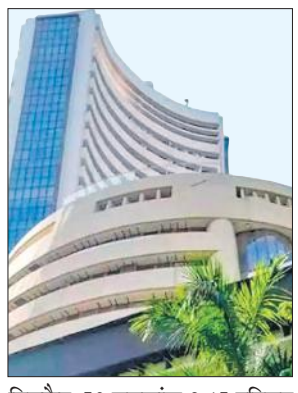

शेयर बाजार में दिग्गज कंपनियों में पैसा लगाने वाले निवेशकों के लिए साल 2025 पिछले साल की तुलना में बेहतर रहा और प्रमुख सूचकांकों ने नौ से दस प्रतिशत का रिटर्न दिया हालांकि छोटी कंपनियों में निवेशकों को नुकसान उठाना पड़ा।

एनएसई का निफ्टी-50 सूचकांक साल के दौरान 2,497.30 अंक यानी 10.56 प्रतिशत चढ़कर बुधवार को 26,142.10 अंक पर बंद हुआ। पिछले साल यह 8.8 प्रतिशत चढ़ा था। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स भी 7,269.69 अंक (9.30 प्रतिशत) चढ़ा और बुधवार को 85,408.70 अंक पर बंद हुआ। यह पिछले साल 8.17 प्रतिशत बढ़ा था। निफ्टी का मिडकैप-50 सूचकांक 8.15 प्रतिशत और बीएसई का मिडकैप सूचकांक 0.78 प्रतिशत चढ़ा। पिछले साल दोनों सूचकांकों ने क्रमशः 21.52 फीसदी और 26.07 फीसदी का रिटर्न दिया था। वहीं, छोटी कंपनियों के सूचकांकों में गिरावट रही। बीएसई का स्मॉलकैप 6.68 प्रतिशत गिरकर 51,493.62 अंक पर आ गया है। यह इस साल 3,686.98 अंक टूट चुका है। पिछले साल यह 29.31 प्रतिशत चढ़ा था। इसी तरह, निफ्टी स्मॉलकैप-100 सूचकांक 5.65 प्रतिशत (1,060.60 अंक) टूट गया और 24 दिसंबर को 17,708.60 अंक पर बंद हुआ। पिछले साल इसने भी 23.94 प्रतिशत का बंपर रिटर्न दिया था।

एनएसई ने गुरुवार को बताया कि साल के दौरान उसका बाजार पूंजीकरण 469 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है जो करीब 6.8 प्रतिशत की वृद्धि है। जीडीपी की तुलना में बाजार पूंजीकरण 136 प्रतिशत रहा। साल के दौरान पूंजी निर्माण 19.17 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। इक्विटी, डेट और बिज़नेस ट्रस्ट के जरिये कुल 19.17 लाख करोड़ रुपये का फंड जुटाया गया, जो वर्ष 2023-24 के 17.89 लाख करोड़ रुपये से करीब सात फीसदी ज्यादा रहा। इक्विटी से कुल 4.12 लाख करोड़ रुपये जुटाये गये, जबकि डेट के जरिये 14.72 लाख करोड़ रुपये आये।

नई कंपनियों के सूचीबद्ध में दूसरा स्थान

इक्विटी डेरिवेटिव कारोबार में एनएसई दुनिया में नंबर एक पर रहा। दुनिया भर में होने वाले कुल लेनदेन में इसकी हिस्सेदारी 53 .2 फीसदी रही। नई कंपनियों को सूचीबद्ध करने के मामले में इसने दुनिया में दूसरा स्थान हासिल किया और इसकी वैश्विक हिस्सेदारी 16 .2 फीसदी रही। निवेशकों की भागीदारी और घरेलू संपत्ति में बढ़त देखी गयी। पंजीकृत निवेशकों की कुल संख्या 1 .5 करोड़ बढ़कर 12 .4 करोड़ पहुंच गयी। इसमें उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात और तमिलनाडु से सबसे ज्यादा भागीदारी देखने को मिली। अप्रैल 2020 से अब तक भारतीय शेयर बाजार में घरेलू संपत्ति में करीब 53 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इस साल एनएसई आईएक्स ने पहली बार एक लाख करोड़ डॉलर के टर्नओवर का आंकड़ा पार किया और यह 1,106 अरब डॉलर तक पहुंच गया।

भारत में एआई से जॉब पर खतरा कम

नई दिल्ली, एजेंसी

- आईटी सचिव कृष्णन बोले- ये कहना गलत कि एआई से इंसानी कामगारों की जरूरत घटेगी

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सचिव एस कृष्णन ने कहा है कि एआई के कारण ज्ञान-आधारित नौकरियों के प्रभावित होने का जोखिम पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले भारत में कम है। कुल कार्यबल में दफ्तर वाली नौकरियों की अपेक्षाकृत कम हिस्सेदारी और विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग एवं गणित (स्टेम) आधारित रोजगारों का वर्चस्व होने के कारण ऐसा है।

कृष्णन ने एक बातचीत में कहा कि रोजगार पर एआई के संभावित प्रभावों को लेकर जो आशंकाएं जताई जा रही हैं, भारत के संदर्भ में उन्हें उसी तीव्रता से नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत में दफ्तर वाली नौकरियों का अनुपात पश्चिमी देशों की तुलना में काफी कम है, जिससे दिमाग से किए जाने वाले कार्यों पर आधारित नौकरियों पर एआई से पड़ने वाला जोखिम सीमित रहता है। कृष्णन के अनुसार भारत में अन्य नौकरियों की तुलना में दफ्तर वाली नौकरियों की संख्या कम है। इसलिए ज्ञान-आधारित नौकरियों पर एआई का जोखिम उतना गंभीर नहीं है जितना अन्य देशों में है। इसके अलावा, दफ्तर वाले अधिकांश रोजगार स्टेम क्षेत्र में हैं, जो हमारे लिए अवसर भी पैदा करते हैं।

आईटी सचिव का मानना है कि एआई ऐसी पहली प्रौद्योगिकी है, जो मुख्य रूप से ज्ञान-आधारित कर्मचारियों और संज्ञानात्मक श्रम को प्रभावित करने की क्षमता रखती है। पहले की औद्योगिक और अन्य क्रांतियों में मशीनों ने मुख्य रूप से शारीरिक श्रम की जगह ली थी, न कि दिमाग से किए जाने वाले कार्यों को प्रतिस्थापित किया था। हालांकि, उन्होंने इस धारणा से असहमति जताई कि एआई निकट भविष्य में इंसानी कामगारों की जरूरत को पूरी तरह समाप्त कर देगा।

बड़ी संख्या में प्रशिक्षित पेशेवरों की जरूरत होगी

उन्होंने कहा कि एआई का वास्तविक और व्यापक प्रभाव विभिन्न क्षेत्रों के लिए विशिष्ट एवं उपयोग-आधारित एप्लिकेशन के विकास और तैनाती से आएगा जिसके लिए बड़ी संख्या में प्रशिक्षित पेशेवरों की जरूरत होगी। कृष्णन ने कहा, "यही वह क्षेत्र है जहां भारत दुनिया को सबसे अधिक योगदान दे सकता है और जहां एआई से जुड़े रोजगार के अवसर वास्तव में पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि भारत न केवल अपनी घरेलू जरूरतों के लिए बल्कि वैश्विक स्तर पर भी एआई की तैनाती और उसके उपयोग की मजबूत स्थिति में है।

स्वामी-2 कोष की जल्द होगी शुरुआत, अटकी परियोजनाओं में एक लाख मकानों का निर्माण होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

- 15,000 करोड़ रुपये के कोष के शुरू होने से एक लाख मध्यमवर्गीय मकान खरीदारों को राहत मिलेगी

सरकार स्वामी-2 कोष की रूपरेखा को अंतिम रूप दे रही है और जल्द ही इसको चालू कर दिया जाएगा ताकि अटकी पड़ी आवासीय परियोजनाओं को पूरा करने के लिए अंतिम चरण का वित्तपोषण उपलब्ध कराया जा सके।

सूत्रों का कहना है कि इस 15,000 करोड़ रुपये के कोष के शुरू होने से करीब एक लाख मध्यमवर्गीय मकान खरीदारों को राहत मिलेगी जिनके निवेश, अपार्टमेंट के लिए लिए गए ऋणों की ईएमआई (समान मासिक किस्त) का भुगतान करने के बावजूद अटके हुए हैं। इसके लिए सरकार ने बजट 2025-26 में 'किफायती और मध्यम आय वाले आवास के लिए विशेष व्यवस्था' के लिए 1,500 करोड़ रुपये की प्रारंभिक पूंजी पहले ही आवंटित कर दी है।

सूत्रों ने बताया कि नए कोष के लिए रूपरेखा को अंतिम रूप दिया जा रहा है और जल्द ही मंजूरी मिल जाएगी। यह कोष व्यावसायिक रूप से व्यवहारिक परियोजनाओं को अंतिम चरण का वित्त पोषण प्रदान करेगा और अटकी हुई आवासीय परियोजनाओं में निवेश को गति देगा। केंद्र ने नवंबर 2019 में देश में अटकी हुई आवासीय परियोजनाओं को पूरा करने के लिए 'किफायती और मध्यम आय वाले आवास के लिए विशेष व्यवस्था' (स्वामी) नाम से एक कोष की घोषणा की थी। रुकी हुई आवासीय परियोजनाओं को पूरा करने के लिए प्राथमिकता के आधार पर ऋण वित्तपोषण प्रदान करने हेतु एक वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) के रूप में एक 'विशेष खिड़की' बनाई गई। इस कोष का प्रबंधन भारतीय स्टेट बैंक समूह की कंपनी एसबीआईकैप वेंचर्स लिमिटेड करती है।

इस साल 24 बड़े शहरों में औद्योगिक- लॉजिस्टिक क्षेत्रों की मांग रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची

नई दिल्ली। देश में इस साल औद्योगिक और लॉजिस्टिक क्षेत्रों की मांग अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई, जिसमें 24 बड़े शहरों में कुल 7.65 करोड़ वर्ग फुट की जगह को पट्टे पर लिया गया। रियल एस्टेट परामर्श कंपनी सेविल्स इंडिया के आंकड़ों के अनुसार, इन जगहों में 29 प्रतिशत स्थान निर्माण क्षेत्र ने पट्टे पर लिया, 28 प्रतिशत जगह तृतीय पक्ष की लॉजिस्टिक कंपनियों ने और 12 प्रतिशत ई-कॉमर्स कंपनियों ने ली।

सेविल्स इंडिया ने बताया कि भारत का औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र महामारी के बाद भी तेजी से बढ़ रहा है और इस साल इसका वार्षिक पट्टा लेने का स्तर 7.65 करोड़ वर्ग फुट तक पहुंच गया, जो अब तक का सबसे उच्च स्तर है। पिछले साल 2024 में औद्योगिक और लॉजिस्टिक क्षेत्रों की पट्टेदारी 6.45 करोड़ वर्ग फुट थी। इस साल कुल पट्टेदारी में अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई, दिल्ली-एनसीआर और पुणे ने 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

'विजन आईएएस' पर लगाया 11 लाख रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी

- कोचिंग संस्थान ने जानकारी छिपाई कि सफल उम्मीदवारों ने किन पाठ्यक्रमों में दाखिला लिया था

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने शैक्षणिक संस्थान 'विजन आईएएस' पर यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में अपने छात्रों के प्रदर्शन के बारे में भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित करने के लिए 11 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

उपभोक्ता संरक्षण कानूनों के तहत बार-बार अपराध करने पर जुर्माना लगाने का यह पहला मामला है। सीसीपीए ने पाया कि 'अजय विजन एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड' के रूप में आधिकारिक तौर पर पंजीकृत कोचिंग संस्थान ने जानबूझकर इस बारे में जानकारी छिपाई कि सफल उम्मीदवारों ने वास्तव में किन पाठ्यक्रमों में दाखिला लिया था, जिससे यह गलत धारणा बनी कि सभी 'टॉपर्स' ने लाखों रुपये के महंगे 'फाउंडेशन कोर्स' किए थे। सचिव निधि खरे ने बताया कि दूसरी बार अपराध करने पर जुर्माना लगाने का यह पहला मामला है। नियामक हस्तक्षेप व आगाह किए जाने के बावजूद संस्थान ने नए विज्ञापनों में भी इसी तरह के दावे करना जारी रखा जो उचित सावधानी और नियामक अनुपालन की कमी को दर्शाता है।

राष्ट्रीय

सैन्यकर्मियों को इंस्टाग्राम के इस्तेमाल की अनुमति, पोस्ट-टिप्पणी पर मनाही

वॉट्सएप पर मैसेज कर करने की मिली छूट, 5 साल पहले लगाया था बैन

नई दिल्ली, एजेंसी

सेना प्रमुख ने स्मार्टफोन रखने की आवश्यकता पर दिया था जोर

सूत्रों ने बताया, इन दिशा-निर्देशों में इस बदलाव का मूल कारण यह है कि सूचना युग बदल रहा है और सेना इस सूचना जगत से खुद को अलग नहीं रख सकती। सूत्रों ने बताया कि सोशल मीडिया के माध्यम से सेना के जवान देश के अंदर और बाहर की घटनाओं को देख, समझ और उनसे संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और खुद को उनसे अवगत रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन, यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि सोशल मीडिया मंच पर अनजाने में कोई भी संवेदनशील जानकारी सार्वजनिक न हो जाए।

भारतीय सेना ने अपने सोशल मीडिया दिशा-निर्देशों में बदलाव करते हुए सैन्यकर्मियों को इस शर्त के साथ इंस्टाग्राम पर अकाउंट बनाने की अनुमति दी है कि वे न तो कोई पोस्ट और न ही कोई टिप्पणी करेंगे। सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि इस कदम का उद्देश्य सैन्यकर्मियों को सूचना के डिजिटल युग के प्रति जागरूक करना और संवेदनशील सूचनाओं के किसी भी कारण से या अनजाने में सार्वजनिक होने से बचाना है। रक्षा प्रतिष्ठान के एक सूत्र ने बताया कि दिशा-निर्देशों में संशोधन कुछ दिन पहले लागू किया गया था और यह भारतीय सेना की सभी रैंकों पर लागू होता है। सूत्र ने बताया, संशोधित दिशा-निर्देशों का मूल रूप से मतलब यह है कि सेना के जवान अब इंस्टाग्राम पर अकाउंट तो बना सकते हैं, लेकिन इस शर्त के साथ कि वे केवल पोस्ट देख सकते हैं और सोशल मीडिया मंच पर कोई सामग्री या टिप्पणी पोस्ट नहीं कर सकते। सूत्र ने बताया कि मूल रूप से, किसी भी प्रकार की उपयोगकर्ता-जनित सामग्री (यूजर जनरेटेड कंटेंट) की अनुमति नहीं है, इसलिए किसी पोस्ट को 'लाइक' करना भी उसी श्रेणी में आएगा। पहले, सेना के जवान 'एक्स' पर 'साइन अप' करके उसका इस्तेमाल कर सकते थे, लेकिन इंस्टाग्राम पर नहीं। एक अन्य सूत्र ने कहा, सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पहले से ही प्रतिबंध लागू हैं, इसलिए 'एक्स' का उपयोग करने वाले सैन्यकर्मी केवल पोस्ट देख सकते हैं, लेकिन पोस्ट नहीं कर सकते या उन पर टिप्पणी नहीं कर सकते।

पर्यावरण चिंताओं पर मोदी की कथनी-करनी में अंतरः कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने अरावली पर्वतमाला से जुड़े मुद्दे को लेकर गुरुवार को आरोप लगाया कि पर्यावरण संबंधी चिंताओं पर प्रधानमंत्री मोदी की वैश्विक स्तर की कथनी और उनकी स्थानीय स्तर की करनी के बीच कोई तालमेल नहीं है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि अरावली का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा नई परिभाषा के तहत संरक्षित नहीं किया जाएगा और इसे खनन, रियल एस्टेट और अन्य गतिविधियों के लिए खोला जा सकता है जो पहले से ही तबाह पारिस्थितिकी तंत्र को और नुकसान पहुंचाएगा। रमेश ने ''एक्स'' पर पोस्ट किया, मोदी सरकार द्वारा अरावली की पुनर्परिभाषा, जो सभी विशेषज्ञों की राय के विपरीत है, खतरनाक और विनाशकारी है। भारतीय वन सर्वेक्षण (एफएसआई) के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 20 मीटर से अधिक ऊंची अरावली पहाड़ियों का केवल 8.7 प्रतिशत हिस्सा ही 100 मीटर से अधिक ऊंचा है।

क्रिसमस की प्रार्थनासभा में पहुंचे प्रधानमंत्री, शुभकामनाएं दीं

- कहा- क्रिसमस की भावना हमारे समाज में सद्भाव और सामंजस्य को प्रेरित करेगी

नई दिल्ली, एजेंसी

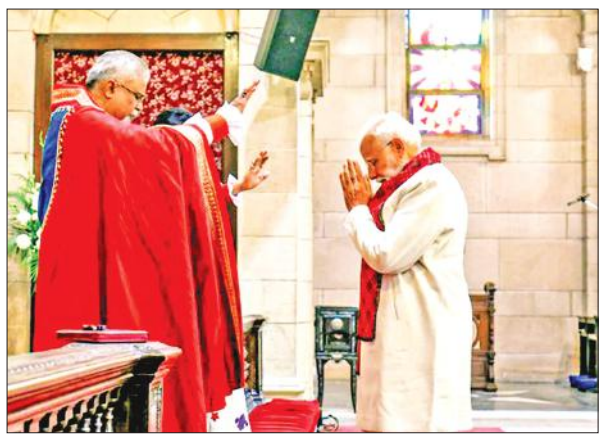

नई दिल्ली के कैथेड्रल चर्च ऑफ द रिडेम्पशन में प्रार्थना सभा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को दिल्ली के 'कैथेड्रल चर्च ऑफ द रिडेम्पशन' में क्रिसमस की प्रार्थनासभा में हिस्सा लिया। इस अवसर पर दिल्ली और उत्तर भारत से बड़ी संख्या में आए ईसाई श्रद्धालु गिरजाघर में उपस्थित थे। इस प्रार्थना सभा में प्रार्थनाएं, कैरल (गीत), भजन और दिल्ली के बिशप राइट रेवरेंड डॉ. पॉल द्वारा प्रधानमंत्री के लिए एक विशेष प्रार्थना शामिल थी।

मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मैंने दिल्ली के 'कैथेड्रल चर्च ऑफ द रिडेम्पशन' में क्रिसमस की सुबह की प्रार्थना में हिस्सा लिया। प्रार्थना में प्रेम, शांति और करुणा का शाश्वत संदेश झलक रहा था। आशा है कि क्रिसमस की भावना हमारे समाज में सद्भाव और सामंजस्य को प्रेरित करेगी। इससे पहले प्रधानमंत्री ने देशवासियों को क्रिसमस की शुभकामनाएं दी थीं। उन्होंने 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में लिखा, शांति, करुणा और आशा से भरे क्रिसमस की सभी को शुभकामनाएं। ईसा मसीह की शिक्षाएं हमारे समाज में सद्भाव को सुदृढ़ करें। पिछले कुछ वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी नियमित रूप से ईसाई समुदाय से जुड़े कार्यक्रमों में भाग लेते रहे हैं।

वर्ष 2023 में ईस्टर के अवसर पर उन्होंने दिल्ली के 'सेक्रेड हार्ट कैथेड्रल' में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया था। उन्होंने 2023 में क्रिसमस पर दिल्ली स्थित अपने आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर एक कार्यक्रम की मेजबानी की थी।

राष्ट्रीय राजधानी में इस साल 23 हजार लोग हुए लापता

नई दिल्ली, एजेंसी

- 60 प्रतिशत से अधिक शिकायतें महिलाओं से जुड़ी हुई

राष्ट्रीय राजधानी में इस साल 15 दिसंबर तक कुल 23,340 लोगों की गुमशुदगी की शिकायतें दर्ज कराई गईं, जिनमें से 60 प्रतिशत से अधिक शिकायतें महिलाओं से जुड़ी हुई हैं। दिल्ली पुलिस की ओर से जारी आंकड़ों से यह खुलासा हुआ है।

आंकड़ों के मुताबिक, लापता व्यक्तियों में 14,166 महिलाएं (लगभग 61 प्रतिशत) और 9,174 पुरुष (39 प्रतिशत) शामिल हैं। आंकड़ों के अनुसार, 2025 में गुमशुदा हुए 14,3895 लोगों का पता लगा लिया गया, जिनमें 8,672 महिलाएं (60 प्रतिशत) और 5,713 पुरुष (40 प्रतिशत) शामिल थे। पुलिस के अनुसार, 8,955 गुमशुदा लोगों के बारे में कोई सुराग नहीं मिल सका, जिनमें 5,494 महिलाएं (करीब 61 प्रतिशत)और 3,461 पुरुष (39 प्रतशित) शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि लापता होने वाले लोगों में वयस्कों की संख्या सबसे ज्यादा थी। उसने बताया कि 2025 में 18 साल से अधिक उम्र के कुल 17,623 वयस्कों की गुमशुदगी की शिकायतें दर्ज कराई गईं, जिनमें 10,020 महिलाएं (लगभग 57 प्रतिशत) और 7,603 पुरुष (लगभग 43 प्रतिशत) शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, गुमशुदा वयस्कों में से 10,173 का पता लगा लिया गया, जिनमें 5,653 महिलाएं और 4,520 पुरुष शामिल हैं, जबकि 4,367 महिलाओं सहित कुल 7,450 लोग अब भी लापता हैं।

पुलिस के अनुसार, 2025 में लापता हुए कुल लोगों में 5,717 बच्चे शामिल थे, जिनमें से 73 फीसदी (4,146) लड़कियां और 27 प्रतिशत (1,571) लड़के थे। गुमशुदा बच्चों में से 4,212 का पता लगा लिया गया, जिनमें 3,019 लड़कियां और 1,193 लड़के शामिल हैं।

कर्नल पर हमले में पुलिस के चार अधिकारियों के खिलाफ आरोपपत्र

चंडीगढ़। सीबीआई ने मार्च में कर्नल पुष्पिंदर सिंह बाठ पर हुए कथित हमले के सिलसिले में पंजाब पुलिस के चार अधिकारियों के खिलाफ मोहाली की एक अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया है। पुलिस निरीक्षक रॉनी सिंह समेत चार पुलिस अधिकारियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया है। यह घटनाक्रम जुलाई में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट की ओर से मामले की जांच सीबीआई को सौंपे जाने के पांच महीने बाद सामने आया है। घटना 13,14 मार्च की दरमियानी रात को घटी थी, जब कर्नल व उनका बेटा पटियाला में ढाबे पर खाना खा रहे थे। पार्किंग विवाद को लेकर उन पर और उनके बेटे पर हमला हुआ था।

प्राकृतिक खेती दिलाएगी बीमारियों से मुक्ति : शाह

- केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा- देश में 40 लाख किसान प्राकृतिक खेती कर रहे

रीवा, एजेंसी

मध्य प्रदेश के रीवा स्थित बासमन मामा गौवंश वन्य विहार का दौरा करते केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह व अन्य।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को रासायनिक उर्वरकों को अनेक प्रकार की बीमारियों की जड़ करार दिया और कहा कि प्राकृतिक खेती से न सिर्फ किसानों की आय बढ़ती है बल्कि पानी की बचत भी होती है और लोगों को अनेक बीमारियों से मुक्ति भी मिलती है।

शाह ने यहां आयोजित 'कृषक सम्मेलन'' को संबोधित करते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती एक ऐसा पारंपरिक प्रयोग है, जिसे समय के साथ लोग भूलते चले गए जबकि एक ही देसी गाय से 21 एकड़ भूमि में प्राकृतिक खेती की जा सकती है। उन्होंने कहा कि किसान की मेहनत से जो अनाज उत्पन्न होता है, वह पूरी दुनिया का पेट भरता है। शाह ने कहा, आज अनेक प्रकार की बीमारियों की जड़ रासायनिक उर्वरक हैं। प्राकृतिक खेती एक ऐसा प्रयोग है, जो किसान की आय को कम नहीं होने देता है और साथ ही उसकी उपज को शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण बनाता है। उन्होंने कहा, इससे आय बढ़ती है, पानी की बचत होती है और लोगों को अनेक बीमारियों से मुक्ति मिलती है। केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि देश में लगभग 40 लाख किसान प्राकृतिक खेती अपना चुके हैं। शाह ने कहा कि दुनिया में प्राकृतिक खेती का बहुत बड़ा बाजार है और वैश्विक बाजार में देश के किसानों की उपज बेहतर तरीके से पहुंच सके, इसके लिए भूमि परीक्षण से लेकर प्रमाणीकरण, उपज की प्रयोगशाला में जांच और पैकेजिंग तक की पूरी व्यवस्था विकसित की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सहकारिता मंत्रालय के माध्यम से दो बड़ी सहकारी संस्थाओं की स्थापना की है, जो प्राकृतिक खेती की उपज का प्रमाणीकरण, विश्वस्तरीय आधुनिक लैब में उसका परीक्षण, पैकेजिंग, मार्केटिंग और निर्यात का कार्य कर रही हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

होंडुरास के राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप समर्थित नासरी अस्फुरा विजयी

तेगुसिगल्पा। होंडुरास में ट्रंप समर्थित उम्मीदवार नासरी अस्फुरा को राष्ट्रपति चुनाव में विजेता घोषित किया गया है। निर्वाचन अधिकारियों ने बुधवार दोपहर इसकी घोषणा की, जिससे हफ्तों से जारी मतगणना का अंत हुआ। इस लंबी प्रक्रिया ने मध्य अमेरिकी देश की नाजुक चुनावी प्रणाली की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए थे। यह चुनाव लातिन अमेरिका में दक्षिणपंथ की ओर झुकाव को आगे बढ़ाता है। इससे ठीक एक सप्ताह पहले चिली में भी दक्षिणपंथी नेता जोस एंतोनियो कास्ट को राष्ट्रपति चुना गया था। रूढ़िवादी नेशनल पार्टी के नेता अस्फुरा को 30 नवंबर को हुए चुनाव में 40.27 प्रतिशत वोट मिले। उन्होंने कंजरवेटिव लिबरल पार्टी के चार बार के उम्मीदवार साल्वाडोर नसराला को बेहद करीबी मुकाबले में हराया, जिन्हें 39.53 प्रतिशत मत प्राप्त हुए।

अफगानिस्तान में एक वर्ष में 6,000 साक्षरता शिक्षा केंद्र खोले गए

काबुल। अफगानिस्तान सरकार ने देश में निरक्षरता कम करने के लिए इस साल अब तक 6,276 साक्षरता शिक्षा केंद्र स्थापित किए हैं। स्थानीय मीडिया टोलो न्यूज ने गुरुवार को शिक्षा मंत्रालय के हवाले से यह जानकारी दी। इसका मकसद युवाओं और वयस्कों में पढ़ने-लिखने के बुनियादी कौशल में सुधार करना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों में शुरू किए गए इन केंद्रों में 4,317 शिक्षक हैं, जो फिलहाल 11,519 छात्रों को पढ़ा रहे हैं। यह पहल खास तौर पर वंचित समुदायों पर केंद्रित है। ये साक्षरता कार्यक्रम अफगानिस्तान में शिक्षा क्षेत्र को बढ़ावा देने और सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के प्रयास का हिस्सा हैं।

प्रसिद्ध फिलिस्तीनी अभिनेता बाकरी का 72 की आयु में निधन

तेल अवीव। फिलिस्तीनी निर्देशक और अभिनेता मोहम्मद बाकरी का 72 वर्ष की आयु में निधन हो गया। बाकरी ने अरबी और हिब्रू दोनों भाषाओं में विभिन्न रचनाओं के माध्यम से फलस्तीनी पहचान व संस्कृति की जटिलताओं को साझा करने का प्रयास किया। बाकरी को मुख्य रूप से 2003 में निर्देशित वृत्तचित्र 'जेनिन, जेनिन' के लिए जाना जाता है। यह वृत्तचित्र दूसरे फलस्तीनी विद्रोह 'इंतिफादा' के दौरान 2002 में उत्तरी वेस्ट बैंक शहर में इजराइली सैन्य अभियान पर आधारित था। फलस्तीनी निवासियों की दुर्दशा, भारी विनाश और पीड़ा को दर्शाने वाले इस वृत्तचित्र को इजराइल ने प्रतिबंधित कर दिया था।

अमेरिका-भारत संबंधों पर पेंटागन की रिपोर्ट निराधार

बीजिंग, एजेंसी

- बीजिंग ने कहा- भारत और चीन में मतभेद बढ़ाना चाहता है अमेरिका

चीन ने अमेरिकी रक्षा मुख्यालय पेंटागन की एक रिपोर्ट को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया है कि चीन ने भारत-अमेरिका संबंधों को कमजोर करने और पाकिस्तान के साथ रक्षा संबंध मजबूत बनाने के लिए भारत से लगी सीमा पर तनाव कम किया। चीन ने कहा कि पेंटागन की रिपोर्ट झूठे विमर्शों के जरिए मतभेद पैदा करने की कोशिश है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, पेंटागन की रिपोर्ट में चीन की रक्षा नीति को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया है। यह चीन और दूसरे देशों के बीच मतभेद पैदा करने का प्रयास है और अपनी सैन्य श्रेष्ठता दिखाने का अमेरिका का एक बहाना है। लिन ने कहा कि चीन इस रिपोर्ट का कड़ा विरोध करता है। इसके अलावा चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता झांग शियागांग ने भी पेंटागन की रिपोर्ट की निंदा की, जिसमें रक्षा व अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में चीन और पाकिस्तान के बीच सहयोग और मिलकर एक सैन्य अड्डा स्थापित करने की दोनों देशों की योजना का उल्लेख किया गया है। झांग ने कहा, अमेरिका हर साल ऐसी रिपोर्ट जारी करता है, जिनके जरिये चीन के आंतरिक मामलों में बड़े पैमाने पर हस्तक्षेप किया जाता है।

कफ सिरप या जहर की बोतल

देश में नशे के अवैध बाजार में कफ सिरप का करोड़ों के कारोबार के रूप में स्थापित हो जाना एक हैरतअंगेज कहानी है। ये एक ऐसी कहानी है जिसमें कंपनियों की मुनाफाखोरी से लेकर सरकारी तंत्र की अनदेखी और डॉक्टरों की बेपरवाही तक कई डराने वाले तथ्य मौजूद हैं। कफ सिरप में मौजूद कोडीन ओपिओइड (अफीम के पौधे से प्राप्त तत्व) है जो नशा करता है। हाल ही में उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में सीमा पार कफ सिरप की तस्करी करने वाले कई बड़े रैकेट पकड़े गए जिनसे लाखों बोतलें बरामद की गईं। इसी के साथ कफ सिरप की तस्करी का भयावह नेटवर्क सामने आया। इसी साल मध्यप्रदेश और दूसरे राज्यों में कोल्ड्रिफ नाम के कफ सिरप के सेवन से 25 से ज्यादा बच्चों की मौत का दर्दनाक मामला भी सामने आया। इसके बाद कहीं सरकार हरकत में आई और कार्रवाई शुरू हुई।

खांसी के बहाने नशा

नशा और मौत भी

- मौतों के बाद जांच हुई तो पाया गया कि इन कफ सिरप में डायथिलीन ग्लाइकॉल नाम का जहरीला औद्योगिक विलायक था।
- कोल्ड्रिफ कफ सिरप में डायथिलीन ग्लाइकॉल की मात्रा 48.6 प्रतिशत तक पाई गई, जबकि सुरक्षित सीमा सिर्फ 0.1 प्रतिशत है।
- डायथिलीन ग्लाइकॉल की वजह से ही कफ सिरप पीने वालों के गुर्दे फेल होने के मामले सामने आए, इसी वजह से मौतें हुईं।

कंपनियों पर उठे सीधे सवाल

- कई कंपनियां कफ सिरप में कोडीन फॉस्फेट का उपयोग करती हैं, जो एक ओपिओइड यानी अफीम का अर्क है।
- सिरप का मांग से अधिक उत्पादन पाया गया जो संकेत है कि कंपनियां जानती थीं कि सिरप अवैध बाजार में जा रहा है।
- सिरप को मीठा और स्वादिष्ट बनाना जो बच्चों के लिए तो ठीक है, मगर नशेड़ियों के लिए इसे पीना आसान बना देता है।
- कफ सिरप की 100 मिलीग्राम की पैकिंग, इस वजह से इनकी शीशियों की तस्करी करना आसान हो गया।

सरकारी तंत्र की अनदेखी

- ड्रग कंट्रोलर विभाग की ओर से मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों और स्टॉक की नियमित जांच में ढिलाई सामने आई।
- फर्जी या संदिग्ध वितरण कंपनियों को थोक लाइसेंस जारी कर दिए गए थे जिनमें कई बाद में गायब हो गईं।
- बिना डॉक्टर के पर्चे इन दवाओं की बिक्री पर सख्त रोक लगाने में भी सरकारी तंत्र की विफलता सामने आई।
- बांग्लादेश समेत पड़ोसी देशों में बड़े पैमाने पर तस्करी रोकने के लिए पर्याप्त सीमा निगरानी का अभाव रहा।

स्वास्थ्य पर प्रमुख दुष्प्रभाव

- ऐसे कफ सिरप से मस्तिष्क की कार्यक्षमता पर बुरा असर पड़ता है, इसके बिना सामान्य व्यवहार कर पाना मुश्किल हो जाता है।
- लंबे समय सेवन से लिवर, किडनी, फेफड़ों का गंभीर रूप से खराब होना, बच्चों में सुस्ती, सांस लेने में तकलीफ और विकास में रुकावट।
- अधिक मात्रा में सेवन से हृदय गति रुकने या कोमा में जाने जैसे दुष्परिणाम, हाल ही में हुए खुलासों में भी इन दुष्प्रभावों की पुष्टि हुई।

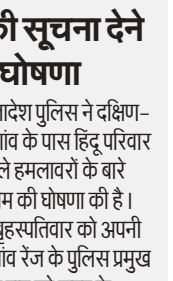

मौतों के बाद सख्त हुई सरकार, वैश्विक स्तर पर भी कार्रवाई

- सरकार ने दूषित सिरप बनाने वाली कंपनियों के लाइसेंस रद्द किए और उनके मालिकों को गिरफ्तार किया।
- दवा निर्माताओं के लिए जनवरी 2026 तक अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों का पालन करना अनिवार्य किया गया।
- डब्ल्यूएचओ ने अक्टूबर में भारत में बने तीन सिरपों के खिलाफ वैश्विक 'मेडिकल प्रोडक्ट अलर्ट' जारी किया।

यूनुस सरकार पर हादी की हत्या कराने के आरोप से गरमाई बांग्लादेश की सियासत

हादी के भाई ने कहा- चुनाव टालने के लिए रची साजिश, यूनुस के विशेष सहायक ने दिया इस्तीफा

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश के दिवंगत कट्टरपंथी नेता शरीफ उस्मान हादी के भाई ने आरोप लगाया है कि मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के एक गुट ने आगामी आम चुनाव को पटरी से उतारने के लिए उनके भाई की हत्या की साजिश रची थी। उनके इस दावे से देश की सियासत गरमा गई और कुछ ही घंटों बाद मुख्य सलाहकार के विशेष सहायक (गृह मंत्रालय) मोहम्मद खुदा बख्श चौधरी ने पद से इस्तीफा दे दिया।

हादी के भाई उमर हादी ने मंगलवार को देश की राजधानी ढाका में इंकलाब मंच की ओर से आयोजित एक विरोध रैली में कहा, उस्मान हादी की हत्या आपने ही करवाई थी। अब आप इसे मुद्दा बनाकर चुनाव को विफल करने की कोशिश कर रहे हैं। उस्मान हादी की हत्या के समय जो लोग सत्ता में थे, वे इस जिम्मेदारी से बच नहीं पाएंगे। उमर ने कहा कि सरकार को उनके भाई की हत्या में शामिल सभी लोगों को तुरंत देश के सामने बेनकाब करना चाहिए। उन्होंने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के हश्र का जिक्र करते हुए चेतावनी दी कि ऐसा न किया तो आपको भी देश छोड़कर भागने पर मजबूर होना पड़ेगा।

उमर ने आरोप लगाया कि सरकार के ही एक गुट ने किसी एजेंसी या देश के इशारे पर उनके भाई की हत्या करवाई। उन्होंने कहा कि हादी चाहते थे कि राष्ट्रीय चुनाव फरवरी तक हो जाएं तथा उन्होंने अधिकारियों से चुनावी माहौल को बाधित न करने का अनुरोध किया था। इंकलाब मंच ने गृह सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) जहांगीर आलम चौधरी, कानून सलाहकार आसिफ नजरुल और खुदा बख्श चौधरी को हत्या के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए उनके तत्काल इस्तीफे की मांग की है। हादी की मौत के बाद ढाका में भीड़ ने जमकर उत्पात मचाया और अखबारों 'प्रोथोम आलो' और 'डेली स्टार' के मुख्य कार्यालयों के साथ-साथ ढाका के दो प्रगतिशील सांस्कृतिक समूहों छायानात और उदिची शिल्पी गोष्ठी के कार्यालयों में आग लगा दी। मध्य मैमनसिंह में एक हिंदू को भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला। आवामी लीग के साथ भारत का कट्टर आलोचक हादी पिछले साल के हिंसक विरोध प्रदर्शन के नेताओं में से एक था।

ढाका में बीएनपी के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान की रैली में उमड़ी भीड़।

ये देश हिंदू, मुस्लिम, बौद्ध, ईसाई सभी का : तारिक

ढाका। ब्रिटेन में निर्वासन में 17 साल गुजारने के बाद स्वदेश लौटे बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान ने गुरुवार को कहा कि यह देश सभी धर्मों के लोगों का है और 1971 की तरह ही 2024 में भी सभी बांग्लादेश की आजादी की रक्षा के लिए साथ आए हैं।

- जिया के बेटे 17 साल बाद लौटे देश स्वागत के लिए उमड़ा जनसैलाब

रहमान ने भाषण की शुरुआत में कहा कि वह मातृभूमि पर लौट आए हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह 1971 में देश को आजादी मिली थी, उसी तरह 2024 में भी सभी तबके के लोग बांग्लादेश की आजादी और संप्रभुता की रक्षा के लिए एक साथ आए हैं। रहमान ने कहा, आज बांग्लादेश के लोग बोलने का और अपने लोकतांत्रिक अधिकार वापस पाना चाहते हैं। अब समय आ गया है कि हम सब मिलकर देश का निर्माण करें।

उन्होंने कहा, यह देश पहाड़ों और मैदानों के लोगों, मुसलमानों, हिंदुओं, बौद्धों और ईसाइयों का है। हम सुरक्षित बांग्लादेश बनाना चाहते हैं, जहां हर महिला, पुरुष और बच्चा घर से निकलकर सुरक्षित लौट सके। रहमान ने कहा, अलग-अलग ताकतों के एजेंट अभी भी साजिशों में लगे हुए हैं। उन्होंने छात्र नेता हादी की हत्या का जिक्र करते हुए कहा कि हादी चाहते थे कि देश के लोगों को आर्थिक अधिकार वापस मिलें। अगर हमें 1971 और 2024 में शहीद हुए लोगों के खून का कर्ज चुकाना है तो हमें वैसा बांग्लादेश बनाना होगा।

बांग्लादेश: एक और हिंदू व्यक्ति को भीड़ ने पीटकर मार डाला

राजबाड़ी, एजेंसी

बांग्लादेश के राजबाड़ी इलाके में बुधवार देर रात जबरन वसूली के शक में भीड़ ने एक हिंदू व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी। स्थानीय मीडिया में आई जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान अमृत मंडल उर्फ सम्राट के रूप में हुई है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक सम्राट ने एक आपराधिक गिरोह बना रखा था और वह लंबे समय से जबरन वसूली और आपराधिक गतिविधियों में लिप्त था। वह हाल ही में घर लौटा था और गांव के ही शाहिदुल इस्लाम से रंगदारी मांगी थी। बुधवार रात जब सम्राट और उसके गिरोह के सदस्य पैसे लेने शाहिदुल के घर पहुंचे, तो घरवालों ने शोर मचा दिया। इस पर ग्रामीण इकट्ठा हो गए और उन्होंने सम्राट की पिटाई कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस सम्राट को बचाकर अस्पताल ले गई जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। भीड़ ने सम्राट के गिरोह के साथ आए एक सलीम नाम के आदमी को पकड़ लिया। पुलिस ने सलीम के पास से दो हथियार बरामद किए है। पुलिस के अनुसार, सम्राट के खिलाफ पांगशा थाने में हत्या सहित कम से कम दो मामले दर्ज थे।

इस बीच पुलिस ने अंतरधार्मिक सद्भाव सुनिश्चित करने और ऐसे जघन्य अपराधों के अपराधियों के खिलाफ सामाजिक सतर्कता बरतने के लिए स्थानीय प्रभावशाली लोगों के साथ बैठक की। पिछले सप्ताह मैमनसिंह क्षेत्र में ईशनिंदा के आरोप में भीड़ ने 28 वर्षीय हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की पीट कर हत्या कर दी थी।

- पुलिस ने कहा, जबरन वसूली करने गया था अमृत मंडल, पहले से दर्ज थे कई केस

हिंदू परिवार पर हमला करने वालों की सूचना देने पर इनाम की घोषणा

ढाका/नई दिल्ली। बांग्लादेश पुलिस ने दक्षिण-पूर्वी बंदरगाह शहर चटगांव के पास हिंदू परिवार के घर में आग लगाने वाले हमलावरों के बारे में जानकारी देने पर इनाम की घोषणा की है। 'इत्तेफाक' अखबार ने बृहस्पतिवार को अपनी खबर में बताया कि चटगांव रेंज के पुलिस प्रमुख अहसान हबीब ने बुधवार रात को शहर के बाहरी इलाके रावजान क्षेत्र में सुख शिल और अनिल शिल के जले हुए घर का दौरा करते हुए इनाम की पेशकश की, हालांकि उन्होंने इनामी राशि के बारे में जानकारी नहीं दी। खबरों के मुताबिक, मंगलवार रात को अज्ञात बदमाशों ने उनके घर में आग लगा दी, लेकिन घर में रहने वाले लोग बाल-बाल बच गए। 'द बिजनेस स्टैंडर्ड' अखबार की खबर के मुताबिक, पिछले सप्ताह इसी इलाके में हिंदू परिवारों के घरों को निशाना बनाकर आगजनी की कई घटनाएं हुईं। पुलिस ने बताया कि उसने पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया है और इलाके में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक 'विशेष सुरक्षा दल' का गठन किया है।

ओसवाल डिजिटल अरेस्ट मामले में पांच राज्यों के 11 ठिकानों पर ईडी के छापे

नई दिल्ली, एजेंसी

- उद्योगपति को डिजिटल अरेस्ट कर वसूल लिए थे सात करोड़ रुपये

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने लुधियाना के उद्योगपति एसपी ओसवाल को डिजिटल अरेस्ट कर सात करोड़ रुपये की वसूली करने से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के तहत पांच राज्यों में 11 स्थानों पर छापे मारकर तलाशी ली। तलाशी के दौरान अपराध में संलिप्तता के संकेत करने वाले दस्तावेज और डिजिटल उपकरण जब्त किए गए है।

ईडी के प्रवक्ता ने एक बयान में बताया कि पीएमएलए 2002 के प्रावधानों के तहत पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात और असम में 11 स्थानों पर सोमवार को तलाशी ली गई। ईडी ने मंगलवार को रूमी कालिता को असम से गिरफ्तार किया था। एजेंसी ने यह कार्रवाई तब की जब उसके संज्ञान में आया कि कालिता ने इस मामले में धन हस्तांतरण के लिए अपने खाते के इस्तेमाल की पेशकश की थी। प्रवक्ता ने कहा, पीड़ितों से ठगी गई रकम को व्यक्तियों के एक समूह द्वारा तुरंत विभिन्न खातों में स्थानांतरित कर दिया गया था और उन खातों का संचालन रूमी कालिता द्वारा ठगी गई रकम के एक निश्चित प्रतिशत के बदले में किया जा रहा था।

कहा गया है कि तलाशी के दौरान मिले सबूतों से संकेत मिला है कि वह अपराध से हुई आय को ठिकाने लगाने और उसे अलग-अलग तरीकों से इस्तेमाल करने में संलिप्त थी। अदालत ने कालिता को दो जनवरी, 2026 तक ईडी की हिरासत में भेज दिया है। एजेंसी ने डिजिटल अरेस्ट से संबंधित इन अपराधियों के खिलाफ विभिन्न थानों में दर्ज 10 प्राथमिकियों के आधार पर धनशोधन के कोण से जांच शुरू की। ईडी के प्रवक्ता ने बताया, खुलासा हुआ कि एसपी ओसवाल की डिजिटल गिरफ्तारी के दौरान, सीबीआई के अधिकारियों का रूप धारण करने वाले ठगों ने जाली आधिकारिक और न्यायिक दस्तावेजों का उपयोग करके उन्हें विभिन्न खातों में सात करोड़ रुपये स्थानांतरित करने के लिए मजबूर किया।

भारत में जन्मी चिकित्सक पद्मजा पटेल की टेक्सास पोषण सलाहकार पैनल में नियुक्ति

ह्यूस्टन। भारतीय मूल की चिकित्सक पद्मजा पटेल को गवर्नर ग्रेग एबॉट ने 'टेक्सास पोषण सलाहकार कमेटी में नियुक्त किया है। मिडलैंड में रहने वाली चिकित्सक पटेल एक सितंबर, 2029 तक कमेटी में अपनी सेवाएं देंगी।

यह कमेटी राज्य को आहार एवं पोषण संबंधी सलाह देती है और दीर्घकालिक रोगों की रोकथाम व प्रबंधन में भोजन की भूमिका का अध्ययन करती है। बताया गया कि सदस्यों की नियुक्ति गवर्नर द्वारा अलग-अलग कार्यकालों के लिए की जाती है और वे चिकित्सा एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह नियुक्ति गवर्नर कार्यालय द्वारा घोषित व्यापक नियुक्तियों का हिस्सा थी। पटेल के अलावा शेरिल सेउ होय, जैकलिन एल्बिन और कैथलीन डेविस को कमेटी में नियुक्त किया गया हैं तथा ये सभी 2029 तक अपनी सेवाएं देंगे।

फ्रांस का औपनिवेशिक शासन आपराधिक कृत्य : अल्जीरिया

अल्जीयर्स, एजेंसी

- संसद में पारित हुआ प्रस्ताव, फ्रांस से 130 साल के शासन में ले जाई गईं संपत्तियों के साथ मुआवजा भी मांगा

उत्तरी अफ्रीकी देश अल्जीरिया की संसद ने उस कानून को मंजूरी दे दी है, जिसमें देश पर फ्रांस के औपनिवेशिक शासन को आपराधिक कृत्य घोषित करने के प्रावधान के साथ ऐतिहासिक गलतियों को सुधारने और यूरोपीय देश के 130 वर्ष के शासन के दौरान ले जाई गई संपत्ति को वापस करने की मांग की गई है। फ्रांस ने इस कानून की कड़ी निंदा करते हुए इसे शत्रुतापूर्ण कृत्य करार दिया है।

फ्रांस ने कहा कि यह अतीत के घावों को भरने के प्रयासों के लिए खतरा है। दोनों देशों में घनिष्ठ सांस्कृतिक-आर्थिक संबंध हैं, लेकिन राजनयिक संबंध तनावपूर्ण हैं। सांकेतिक महत्व के सत्र में अल्जीरिया की 407 सदस्यीय असेंबली ने बुधवार रात 340 सदस्यों के प्रचंड समर्थन से कानून को मंजूरी दी। यह कदम अफ्रीकी देशों द्वारा औपनिवेशिक काल के अपराधों के लिए मान्यता और मुआवजे के लिए सामूहिक प्रस्ताव पारित करने के कुछ हफ्तों बाद उठाया गया है। यह कानून 1830 में सिदी फेरुच के समुद्र तटों पर फ्रांसीसी राजा चार्ल्स एक्स की सेना उतरने से लेकर पांच जुलाई, 1962 तक के कालखंड को समाहित करता है, जो अल्जीरिया की आधिकारिक स्वतंत्रता की तारीख है। इस कानून में औपनिवेशिक काल के दौरान फ्रांस ले जाए गए अल्जीरियाई अभिलेखागारों और संपत्तियों की वापसी का प्रावधान है, साथ ही 1960 से 1966 तक अल्जीरिया में किए गए फ्रांसीसी परमाणु परीक्षणों के विस्तृत मानचित्रों को अल्जीयर्स को भेजने का भी प्रावधान है।

सिंगापुर: मंदिर प्रबंधन के लिए हिंदू बोर्ड में सरोजिनी की नियुक्ति

सिंगापुर। सिंगापुर में प्रमुख हिंदू मंदिरों का प्रबंधन करने वाली वैधानिक संस्था हिंदू एंडावमेंट्स बोर्ड ने जन सेवा को समर्पित अनुभवी नेता सरोजिनी पद्मनाथन को अपना नया सीईओ नियुक्त किया है।

अपने 40 वर्षों के शानदार करियर में उन्होंने 1990 के दशक में अस्पतालों के पुनर्गठन और कोविड-19 महामारी के दौरान संगठनात्मक मजबूती बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्रालय और हेल्थ साइंसेज अथॉरिटी में वरिष्ठ पदों पर कार्य किया, जहां उन्होंने चिकित्सा, नर्सिंग और प्रशासनिक क्षेत्रों में कार्यबल विकास का नेतृत्व किया। 57 वर्षीय पद्मनाथन इससे पहले एचईबी की वित्त सदस्य रह चुकी हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 26 दिसंबर, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, षष्ठी 13.43 तक तत्पश्चात सप्तमी।

आज का पंचांग

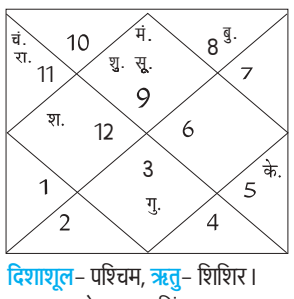

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-शतभिषा 09.00 तक तत्पश्चात पूर्व भाद्रपद।

मेष - आज व्यावसायिक अनुबंध करने से पहले दस्तावेजों का विशेष ध्यान रखें। जमीन के कारोबारियों के लिए दिन अच्छा नहीं है। आप लोगों की सहायता के लिये तैयार रहेंगे, लेकिन लोग अवसर पड़ने पर आपको धोखा दे सकते हैं।

वृष - आज का दिन आपके लिए बहुत ही अच्छा है। कार्यक्षेत्र में आपके काम की प्रशंसा होगी। घर में सुख-सुविधाओं का विशेष ध्यान रखेंगे। जीवनसाथी के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। परिवार में लोग आपकी बातों को अनसुना कर सकते हैं।

मिथुन - आज अधिक सोच-विचार के चक्कर में काम बिगड़ सकते हैं। आपसे ईर्ष्या रखने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। व्यवसाय में आपको थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। छोटे बच्चों को डांटने के बजाय उन्हें समझाएं।

कर्क - आज लंबी यात्रा करने से बचना चाहिए। कार्यक्षेत्र में लोगों से अपनी व्यक्तिगत बातें शेयर न करें। पति-पत्नी के बीच मीठी नोंक-झोंक होने की संभावना है। डायबिटीज और रक्तचाप के रोगियों को परेशानी हो सकती है।

सिंह - आज आयात-निर्यात से संबंधी व्यवसाय से आपको धन लाभ होगा। परिवार में आपसी सामंजस्य में वृद्धि होगी। नया वाहन खरीद सकते हैं। भोग-विलास का भरपूर आनंद उठाएंगे। अपने विचारों को दूसरों पर थोपने से बचें।

कन्या - आज शत्रुओं के ऊपर आपका प्रभाव बढ़ेगा। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आय के नए स्रोत विकसित हो सकते हैं। मित्र के सहयोग से आपको धन लाभ मिलने की संभावना बन रही है। माता-पिता का आशीर्वाद लेना उत्तम होगा।

तुला - आज धार्मिक आयोजन की संभावना बन रही है। अधिकारी वर्ग से आपको काफी समर्थन मिलेगा। घर की आंतरिक साज-सज्जा में कुछ परिवर्तन कर सकते हैं। परिवार के सदस्यों के बीच प्रेमभाव में वृद्धि होगी।

वृश्चिक - आज कई दिनों से चली आ रही समस्या का समाधान मिलेगा। आईटी क्षेत्र में कार्यरत लोगों को विदेश से नौकरी के प्रस्ताव मिल सकते हैं। व्यापार में प्रभावशाली लोगों से आपके संपर्क मजबूत होंगे। आपका स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा।

धनु - आज शेयर मार्केट में बड़ा निवेश करने से आपको बचना चाहिए। घूमने-फिरने में समय बर्बाद होगा। व्यवसाय में नए सहयोगियों से आपको सावधान रहना चाहिए। वैवाहिक संबंधों में तनाव उत्पन्न होने की संभावना है।

मकर - आज वकालत के पेशे से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा है। कानूनी मामलों में विजय मिलने की प्रबल संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपका विरोध करने वाले लोगों की संख्या बढ़ सकती है। अपने लोगों की सलाह लेने से पीछे न हटें।

कुंभ - आज नया काम शुरू करने के लिए दिन अच्छा है। प्रेमी जन से झगड़ा हो सकता है। पहले किए गए प्रयासों का उत्तम परिणाम मिलेगा। तीखा भोजन करने से बचें। आपके काम का श्रेय दूसरे लोग ले सकते हैं।

मीन - आज आप अपने लक्ष्यों को लेकर थोड़े दबाव में रहेंगे। सरकारी काम में बाधा आ सकती है। अधीनस्थ कर्मचारियों से अपेक्षानुकूल सहयोग नहीं मिल पायेगा। विरोधी आपके सामने दोबारा सक्रिय हो सकते हैं।

सुडोकू-13

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

3		9			5		1	
		2	3		8	6		
7	4			1			2	
6				2			4	
	8						5	
	2			9				3
	9			3			8	1
		1	4		9	5		
	3		6			2		7

सुडोकू - 12 का हल

6	4	8	3	9	7	5	1	2
1	5	7	4	8	2	3	6	9
3	9	2	6	1	5	8	4	7
7	8	3	9	5	6	4	2	1
5	2	9	1	3	4	6	7	8
4	6	1	2	7	8	9	3	5
2	3	5	7	6	9	1	8	4
9	1	4	8	2	3	7	5	6
8	7	6	5	4	1	2	9	3

बालाजी भारत के लिये पहले एकल खेल चुके हैं और निर्णायक मुकाबलों में खेले हैं। वह भारतीय टीम के कोर सदस्य हैं और अगले मुकाबले के लिये अगर वह फिट रहते हैं तो उनके नाम पर विचार होगा।

-रोहित राजपाल,डेविस कप कप्तान

स्टेडियम

हल्द्वानी, शुक्रवार,26 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

एथलीट्स कमीशन की चेयरपर्सन चुनी गईं पीवी सिंधु

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट और पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु को बुधवार को 2026-2029 कार्यकाल के लिए बीडब्ल्यूएफ एथलीट्स कमीशन की चेयरपर्सन चुना गया। इस भूमिका में अब पीवी सिंधु बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) काउंसिल मेंबर के तौर पर काम करेंगी - जिससे खिलाड़ियों को इस संस्था के ग्लोबल गवर्नेंस में सीधी आवाज मिलेगी। नीदरलैंड की डेबोरा जिल, जो यूरोपियन गेम्स की सिल्वर मेडलिस्ट हैं, भारतीय बैडमिंटन स्टार की डिप्टी होंगी। सिंधु ने कहा साथी एथलीटों द्वारा यह ज़िम्मेदारी सौंपना मेरे लिए सम्मान की बात है, जिसे मैं विनम्रता और कृतज्ञता के साथ स्वीकार करती हूं। मैं पिछले कार्यकाल में किए गए असाधारण काम के लिए ग्रेसिया पोली को भी दिल से धन्यवाद देना चाहती हूं।

श्रुति और पारुल अगले दौर में

विजयवाड़ा। अनुभवी शटलर श्रुति मुंडाडा तथा उभरती खिलाड़ी पारुल चौधरी और तन्वी पात्री ने राष्ट्रीय सीनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप में गुरुवार को अपने से अधिक रैंकिंग वाली खिलाड़ियों को हराकर महिला एकल के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। श्रुति ने सातवीं वरीयता प्राप्त जिया रावत को 21-14, 21-9 से, जबकि पारुल ने नौवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को 18-21, 21-18, 21-12 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। तन्वी पात्री ने आठवीं वरीयता प्राप्त इशरानी बरुआ को 22-20, 21-19 से हराकर उलटफेर किया।

जीव कोलंबो में जीते पुखराज रहे शीर्ष पर

कोलंबो। भारत के महान गोल्फर जीव मिल्खा सिंह ने 13 साल का इंतजार खत्म करते हुए आईजीपीएल आमंत्रण श्रीलंका टूर्नामेंट जीतकर आईजीपीएल के पहले सत्र का शानदार अंत किया। वर्ष 2012 के बाद से प्रो टूर्नामेंट नहीं जीत सके 54 साल के जीव ने छह अंडर 65 और कुल 15 अंडर का स्कोर करके आर्यन रूपा आनंद को एक शॉट से हराया। जीत के बाद उन्होंने आंसू पोछते हुए कहा मैने श्रीलंका में पहले कभी नहीं खेला है। मेरे लिये यह भावुक पल है क्योंकि यही वह जगह है जहां मेरे माता पिता में प्रेम हुआ और उनके रिश्ते की शुरूआत हुई।

खेलों में 2014 से पहले की अनियमितताएं खत्म : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि 2014 से पहले खेल विभाग में और टीम चयन में होने वाली अनियमिततायें अब खत्म हो गई है और गरीब परिवारों के बच्चे भी कड़ी मेहनत और प्रतिभा के दम पर शीर्ष स्तर पर पहुंच रहे हैं।

युवाओं में खेल संस्कृति और नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा देने के लिए आयोजित 'सांसद खेल महोत्सव' के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि महोत्सव में शहरों से लेकर गांवों तक हर पृष्ठभूमि के लोगों की सहभागिता दिखाती है कि इसका दायरा और प्रभाव कितना बड़ा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सांसद खेल महोत्सव के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए लोगों को संबोधित किया। एजेंसी

उन्होंने कहा यह महोत्सव युवा निर्माण से राष्ट्र निर्माण के मंत्र का मजबूत स्तंभ बना रहा है। सांसद खेल महोत्सव से देश को हजारों की संख्या में प्रतिभाशाली खिलाड़ी मिल रहे हैं। जीत और हार से इतर खेलों से जो खेल भावना सीखने को मिलती है, उसी से सक्षम और अनुशासित युवाओं का निर्माण होता है और ऐसे युवा ही राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करते हैं। यह महोत्सव समाज की सोच बदलने में भी अहम भूमिका निभा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा देश के दूर दराज इलाकों से कितने ही उदाहरण आ रहे हैं जो पूरे देश को प्रेरित करते हैं। कहीं कोई दिव्यांग खिलाड़ी चुनौतियों को छोटा बनाकर बुलंदियों को छू रहा है, कहीं किसी मैदान पर कोई बेटी अपने सपनों को पूरा करने में लगी है और सांसद खेल महोत्सव ऐसे खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका दे रहा है। उन्होंने कहा कि पहले खेलने पर बच्चों को डांटने वाले समाज में एक दशक के भीतर बदलाव इसलिये संभव हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा देश में अब ऐसा इकोसिस्टम बन गया है जहां खिलाड़ियों का चयन पहुंच या परिचय के आधार पर नहीं बल्कि प्रतिभा के आधार पर हो रहा है। उन्होंने कहा 2014 से पहले खेल विभाग में, टीम चयन में और बुनियादी ढांचे में खेलों के नाम पर होने वाली गड़बड़ी बंद हो चुकी है। गरीब परिवारों के बच्चे भी कम उम्र में शिखर तक पहुंच सकते हैं। हम अपने युवाओं को खेलने के लिये ज्यादा से ज्यादा मंच दे रहे हैं।

खेलो इंडिया से हो रही प्रतिभाओं की पहचान

खेलो इंडिया के विविध खेलों और सांसद खेल महोत्सव से प्रतिभाओं की पहचान हो रही है। हमारे देश के टियर दो और तीन शहरों में भी विश्व स्तरीय खेल सुविधायें बन रही है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले देश का खेल बजट 1200 करोड़ रूपये से भी कम था जो अब 3000 करोड़ रूपये से अधिक है। उन्होंने कहा कि टॉप्स (टारगेट ओलंपिक पोडियम) योजना के जरिये खिलाड़ियों को हर महीने 25 से 50 हजार रूपये तक मदद मिल रही है। मोदी ने कहा इन सभी प्रयासों का लाभ भी हो रहा है। पिछले कुछ साल में हमारे खिलाड़ियों ने असाधारण प्रदर्शन किया है। टोक्यो ओलंपिक में सात पदक और पेरिस पैरालम्पिक में 29 पदक जीतकर पूरी दुनिया का ध्यान खींचा। एशियाई खेलों में सौ से अधिक पदक जीतकर अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

सांसद खेल महोत्सव

भारत की नजरें श्रीलंका के खिलाफ तीसरा टी-20 और शृंखला जीतने पर

आज शाम होगा अहम मुकाबला, खराब फॉर्म से जूझ रही श्रीलंकाई महिला टीम

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय टीम अपनी लय को कायम रखते हुए खराब फॉर्म से जूझ रही श्रीलंकाई टीम के खिलाफ शुक्रवार को तीसरा टी-20 मैच और पांच मैचों की शृंखला जीतने के इरादे से उतरेगी। भारत ने विशाखापत्तनम में पहले दो टी-20 मैचों में क्रमशः आठ और सात विकेट से जीत दर्ज की है। भारत की यह पिछले 11 टी-20 मैचों में नौवीं जीत थी। श्रीलंका ने आखिरी बार भारत को जुलाई 2024 में दाम्बुला में हराया था। मेजबान टीम के पास शानदार बल्लेबाजी क्रम है और पिछले दोनों मैचों में अलग अलग खिलाड़ियों ने जीत दिलाई है। पहले मैच में जहां जेमिमा रौड्रिग्स चली तो दूसरे में शेफाली वर्मा जीत की सूत्रधार रहीं।

भारत की गेंदबाजी ईकाई भी उतनी ही दमदार है और स्पिनरों ने पहले मैच में श्रीलंका को छह विकेट पर 121 और दूसरे में नौ विकेट पर 128 रन पर रोक दिया। युवा एन श्रीचरणी, वैष्णवी शर्मा और क्रांति गौड़ ने अनुशासित, नियंत्रित और प्रभावी गेंदबाजी की है। हरफनमौला दीप्ति शर्मा बुखार के कारण दूसरा टी20 नहीं खेल पाई लेकिन उनकी जगह आई स्नेह राणा ने चार ओवर में 11 रन देकर एक विकेट लिया। भारतीय टीम को हालांकि क्षेत्ररक्षण पर काम करना होगा चूंकि पहले मैच में पांच कैच छूटे थे हालांकि दूसरे मैच में तीन रन आउट किये। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम यहां अगले तीन मैचों में प्रदर्शन में सुधार करना चाहेगी। दूसरी ओर श्रीलंका को उम्मीद है कि जगह बदलने से उसकी किस्मत भी बदलेगी हालांकि दोनों टीमों के प्रदर्शन में जमीन आसमान का अंतर है। श्रीलंका को दोनों मैचों में उसके बल्लेबाजों ने निराश किया। पहले मैच में विष्मी गुणरत्ने ने 43 गेंद में 39 रन बनाए जबकि हसिनी परेरा और हर्षिता समरविक्रमा आक्रामक पारियां नहीं खेल सके। दूसरे मैच में चामरी अटापट्टू के आउट होने के बाद श्रीलंका ने 26 रन के भीतर छह विकेट गंवा दिए।

समय शाम 7 बजे

अभ्यास सत्र के दौरान भारतीय टीम। एजेंसी

दीप्ति फिट, रॉड्रिग्स के खेलने पर संशय

दीप्ति शर्मा हल्के बुखार के चलते विशाखापट्टनम में दूसरा मुक़ाबला नहीं खेल पाई थीं। उनकी जगह पर स्नेह राणा को एकादश में शामिल किया गया था और उन्होंने प्रभावित भी किया था। हालांकि तीसरे टी20 में दीप्ति की वापसी तय माना जा रही है। गुरुवार को प्री मैच प्रेस कॉन्फ़्रेंस में भारतीय टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने दीप्ति के फ़िट होने की पुष्टि की लेकिन उन्होंने बताया कि जेमिमाह रॉड्रिग्स स्वास्थ्य समस्याओं के चलते अभ्यास सत्र में हिस्सा नहीं लेंगी। श्रीलंका ने दूसरे टी20 की एकादश में कोई बदलाव नहीं किया था।

हम विश्व कप से पहले पूरी तरह व्यवस्थित होने के लिए कई चीजों को आजमा रहे हैं। हम खेल के तीनों विभागों में सुधार करने के बारे में हमेशा बात करते हैं लेकिन असल में एक चौथा पहलू भी है और वह फिटनेस है। हमारी टीम प्रगतिशील है और हम खेल में लगातार सुधार करने की कोशिश कर रहे हैं।

-अमोल मुजुमदार, मुख्य कोच

इस्तिकलोल ने एफसी गोवा को 2-1 से हराया

मडगांव (गोवा), एजेंसी

इस्तिकलोल ने एएफसी चैंपियंस लीग टू 2025-26 के आखिरी ग्रुप डी मैच के दूसरे हाफ में शानदार वापसी करते हुए एफसी गोवा को 2-1 से हराया। पंडित जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में बुधवार रात खेले गये मुकाबले में घरेलू टीम एफसी गोवा के लिए डेजान ड्राजिक ने आठवें मिनट में गोल दाग कर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इस्तिकलोल ने सात मिनट बाद जवाबी हमला किया।

अमीरबेक जुराबोएव ने दूर से गोल करने का प्रयास किया। इसके एक मिनट बाद सियावश हगनाजारी ने गोल करने का प्रयास किया लेकिन शॉट बार से टकरा गया। कुछ ही देर बाद एफसी गोवा के इकर गुआर्रोत्सेना ने बढ़त को दोगुना करने का प्रयास किया लेकिन विपक्षी टीम के निकाला स्टोसिस ने उनके शॉट को रोक लिया। इसके बाद स्पेनिश फॉरवर्ड ने कॉर्नर से मिले मौके पर हेडर से किया गया अपना शॉट बार के ऊपर मार दिया। पहले हाफ के बाद एफसी गोवा ने 1-0 से बढ़त को बनाये रखा। दूसरे हाफ में ताजिकिस्तान की टीम ने जोरदार वापसी की, कोमोलाफे ने हर्ष पात्रे के खराब बैकपास का फायदा उठाया और शर्मा को चकमा देकर 53वें मिनट में गोल दाग कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद पोल मोरेनो ने हैंडबॉल के लिए पेनल्टी दे दी और आमिरबेक जुराबोव ने 56वें मिनट में स्पॉट से गोल करके अपनी टीम को विजयी बढ़त दिला दी। एफसी गोवा ने स्कोर को बराबर करने भरपूर प्रयास किया। लेकिन वे इसमें विफल रहे और इस्तिकलोल ने 2-1 जीत हासिल कर ली।

ब्राजील के फोन्सेका ने टॉप 15 टेनिस खिलाड़ियों में जगह बनाने का लक्ष्य रखा

रियो डी जेनेरो : ब्राजील के टीनएजर जोआओ फोन्सेका ने अगले साल दुनिया के टॉप 15 पुरुष टेनिस खिलाड़ियों में शामिल होने का लक्ष्य रखा है, क्योंकि वह अपनी हालिया प्रगति को आगे बढ़ाना चाहते हैं। 19 साल के इस खिलाड़ी ने 2025 में दो खिताब जीते, जो एटीपी टूर पर उनका पहला पूरा सीजन था, लेकिन उन्होंने कहा कि वह इसे सिर्फ़ एक शुरुआत मानते हैं। रियो डी जेनेरो में जन्मे फोन्सेका ने मैगज़ीन वेजा को बताया मेरा इरादा दुनिया के टॉप 15 में जगह बनाने का है। यह थोड़ा मुश्किल है, लेकिन मैं बड़ा सोच रहा हूँ।

2025

दिव्या ने अप्रत्याशित जीत से बटोरी सुर्खियां

शतरंज

लेकिन गुकेश प्रभावित करने में नाकाम रहे

नई दिल्ली, एजेंसी

शतरंज में भारत का दबदबा और प्रतिभाओं की गहराई वर्ष 2025 में एक बार फिर साबित हुआ, जब दिव्या देशमुख ने बातूमी में महिला शतरंज विश्व कप जीता, लेकिन विश्व चैम्पियन डी गुकेश प्रभावित नहीं कर पाए। पिछले साल विश्व चैम्पियन बने गुकेश को इस साल लगातार पराजय का सामना करना पड़ा।

नागपुर की 19 वर्ष की दिव्या ने शानदार जीत दर्ज करके एक खिताब और कैरियर की तीन उपलब्धियां अर्जित की। दिव्या फिडे महिला विश्व कप जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गई। उन्होंने प्रतिष्ठित ग्रैंडमास्टर खिताब जीता और 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिये भी क्वालीफाई कर लिया।

इस टूर्नामेंट के विजेता को मौजूदा महिला विश्व चैम्पियन चीन की जू वेंजुन को चुनौती देने का मौका मिलेगा। दिव्या की जीत से देश में महिला शतरंज पर एक बार फिर लोगों की नजरें गई जो अब तक दो बार की विश्व रैपिड चैम्पियन कोनेरू हम्पी और द्रोणवल्ली हरिका पर निर्भर थी। दोनों खिलाड़ी करीब दो दशक से भारत में महिला शतरंज की ध्वजवाहिका रही हैं। दिव्या ने अपनी अप्रत्याशित जीत से सुर्खियां बंटोरी। दूसरी ओर पिछले साल विश्व चैम्पियन बने गुकेश को टाटा स्टील मास्टर्स में ब्लिट्ज टाइब्रेकर में हमवतन आर प्रज्ञानानंदा ने हराकर खिताब जीता।

वह फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंडस्लैम से भी बाहर हो गए, फिडे ग्रैंड स्विस में नाकाम रहे और गोवा में फिडे विश्व कप के तीसरे दौर में हार गए। उन्होंने मई जून में नॉर्वे शतरंज में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराया और अक्टूबर में यूरोपीय क्लब कप में व्यक्तिगत और टीम खिताब जीते। इसके अलावा इस साल उनके नाम कोई उल्लेखनीय उपलब्धि नहीं रही। कार्लसन ने गुकेश से हारने के बावजूद सातवीं बार नॉर्वे शतरंज खिताब जीता।

गोवा में हाल ही में विश्व कप से भारत को कैंडिडेट्स टूर्नामेंट का कम से कम एक कोटा स्थान मिलने की उम्मीद थी लेकिन खिताब के प्रबल दावेदार प्रज्ञानानंदा, अर्जुन एरिगेसी, निहाल सरीन, पी हरिकृष्णा और विदित गुजराती अपने देश में खेलने का फायदा नहीं उठा सके। प्रज्ञानानंदा ने फिडे सर्किट 2025 जीतकर कैंडिडेट्स 2026 में जगह बना ली और रैंकिंग में शीर्ष रहकर इसमें पहुंचने वाले पहले भारतीय पुरुष खिलाड़ी बने।

अब देश में हो गए हैं 91 ग्रैंडमास्टर, कई दहलीज पर

विश्वनाथन आनंद

विश्वनाथन आनंद के 1988 में पहला भारतीय ग्रैंडमास्टर बनने के बाद से अब देश में 91 ग्रैंडमास्टर हो गए हैं और कई बनने की दहलीज पर हैं। इस साल एल आर श्रीहरि, हरिकृष्णन ए रा, दिव्या देशमुख, एस रोहित कृष्णा, इलमपार्थी एक आर और राहुल वीएस इस श्रेणी में शामिल हुए।

एल आर श्रीहरि

मैं यहां सिर्फ खेलने आया हूं : गुकेश

दोहा : विश्व चैंपियन डी गुकेश ने कहा कि क्लासिकल शतरंज उनकी आजीविका का मुख्य साधन बना रहेगा और शुक्रवार से यहां शुरू होने वाली सत्र की अंतिम प्रतियोगिता फिडे विश्व रैपिड और ब्लिट्ज चैंपियनशिप से उन्हें बहुत अधिक अपेक्षाएं नहीं हैं।

गुकेश के लिए यह सत्र अपेक्षित नहीं रहा और वह यहां होने वाले दस लाख यूरो के पुरस्कार राशि वाले टूर्नामेंट से भी बहुत अधिक उम्मीद नहीं लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह यहां कुछ प्रयोग करने, कुछ मौज-मस्ती करने और टूर्नामेंट का आनंद लेने आए हैं।

तेज गेंदबाजी से हमला करेगा ऑस्ट्रेलिया

मेलबर्न, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ शुक्रवार से शुरू हो रहे चौथे एशेज टेस्ट के लिए तेज गेंदबाजों पर भरोसा जताया है और चोटिल नाथन लियोन की जगह किसी स्पिनर को टीम में शामिल नहीं किया जाएगा। एडीलेड में तीसरे टेस्ट में लियोन को चोट लगी थी जिनकी जगह ऑफ स्पिनर टॉड मरफी को बुलाया गया।

एमसीजी की पिच पर हालांकि घास को देखते हुए आस्ट्रेलिया ने मरफी को बाहर रखने का फैसला किया है। इंग्लैंड पहले तीनों टेस्ट हार चुका है जिससे आस्ट्रेलिया ने 11 दिन के भीतर ही एशेज जीत ली है। कप्तान स्टीव स्मिथ ने कहा आपको पिच के हिसाब से टीम चुननी होती है और इस पिच को देखकर लगता है कि यहां तेज गेंदबाजों को काफी मदद मिलेगी।

लियोन और नियमित कप्तान पैट कमिंस के बाहर होने से जोश इंग्लिस, झाय रिचर्डसन, ब्रेंडन डोगेट और माइकल नेसेर तेज गेंदबाजी का जिम्मा संभालेंगे।

स्कॉट बोलैंड।

एशेज सीरीज

हॉकी लीग की तैयारी | एसजी पाइपर्स हॉकी के डायरेक्टर श्रीजेश बोले-मुश्किल हालात में होती है अनुभव की जरूरत

सीनियर खिलाड़ियों को करना होगा नेतृत्व

नई दिल्ली, एजेंसी

एसजी पाइपर्स हॉकी के डायरेक्टर पीआर श्रीजेश ने कहा है कि अगर फ्रेंचाइजी को हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के आने वाले सीजन में अच्छा प्रदर्शन करना है, तो अनुभवी खिलाड़ियों को आगे बढ़कर नेतृत्व की भूमिका निभानी होगी, खासकर जब हालात ठीक न हों। भारत के पूर्व महान खिलाड़ी ने कहा पिछले सीजन में हमने जीत के साथ शुरुआत की थी, लेकिन उसके बाद टीम बिखर गई, टीम को संभालने वाला कोई लीडर नहीं था, अनुभवी खिलाड़ियों को आगे आकर कमान संभालनी चाहिए थी। इस बार ऐसा नहीं होना चाहिए।

एसजी पाइपर्स 2024-25 सीजन में पुरुष और महिला दोनों कैटेगरी में टेबल में सबसे नीचे रही थी। श्रीजेश, जो जूनियर इंडिया हॉकी टीम के हेड कोच भी हैं, ने बताया कि पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय अनुभवी खिलाड़ी रूपिंदर पाल सिंह को टीम में मेंटरशिप और बीच में नेतृत्व देने के लिए चुना गया है। रूपिंदर को चुनने के पीछे मेरा विचार यह था कि हमें एक मेंटर की जरूरत है, हमें ऐसे किसी व्यक्ति की जरूरत है जो मैदान पर टीम को कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करे। हम उनका समझदारी से इस्तेमाल करेंगे ताकि उनसे ज़्यादा से ज्यादा फायदा मिल सके। पद्म भूषण पुरस्कार विजेता, जिनके नेतृत्व में भारत की जूनियर हॉकी टीम ने 2025 के हॉकी जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक जीता था, ने कहा कि वह परिणाम से खुश हैं, लेकिन इस बात पर ज़ोर दिया कि आने वाले दिनों में टीम के प्रदर्शन का बारीकी से विश्लेषण किया जाएगा। "कांस्य पदक अच्छा है, इन युवा खिलाड़ियों के पास अपने सभी प्रयासों का नतीजा दिखाने के लिए कुछ है, हालांकि, महत्वपूर्ण यह है कि वे समझें कि वे सेमीफाइनल में या पूरे टूर्नामेंट में और क्या कर सकते थे। इसलिए एचआईएल के बाद हम सबसे पहले उन्हें उनके सभी मैच दिखाएंगे। मैं चाहता हूं कि वे जानें कि 2027 में उन्हें उन्हीं चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, शायद किसी दूसरे शहर में, और उन्हें उनसे निपटने के लिए बेहतर तरीके से तैयार रहना होगा। उन्हें लगा कि जर्मनी के खिलाफ सेमीफाइनल में, जिसमें भारत हार गया था, वह बेहतर फैसले ले सकते थे।

कोचिंग रोल का ले रहा हूं आनंद : श्रीजेश

पीआर श्रीजेश ने कहा मैं अपने कोचिंग रोल का आनंद ले रहा हूं, जूनियर टीम के साथ लगभग एक साल हो गया है, और मैं नए खिलाड़ियों के एक नए ग्रुप का इंतजार कर रहा हूं, और मुझे नए ग्रुप के साथ शुरू से शुरुआत करनी होगी, इसलिए यह एक बड़ी चुनौती होने वाली है। एक खिलाड़ी के तौर पर, प्रोग्रेस लीनियर होती है 1 से 10, फिर 10 से 15, 15 से 20 और इसी तरह, लेकिन एक कोच के तौर पर आप 20 तक पहुंचते हैं, फिर जब नया बैच आता है तो आप फिर से एक से शुरू करते हैं।